खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 01 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-241

ट्रंप के टैरिफ-ट्रिक का जोरदार जवाब

मोदी और जिनपिंग ने दिया भारत-चीन एकता का संदेश

चीन और भारत को साथ आने की जरूरत : जिनपिंग

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 31 अगस्त को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर चीन (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों देशों के प्रमुखों की मौजूदगी में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों में फिर से गर्माहट लाने के लिए पहल शुरू की है। दोनों नेताओं ने अपनी बैठक में भारत-चीन के एक बार फिर से साथ आने पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने जिनपिंग के समक्ष आतंकवाद और उससे उत्पन्न चुनौतियों का मुद्दा भी उठाया और उनसे समर्थन की अपेक्षा की।

पीएम मोदी ने पिछले कुछ समय में दोनों देशों के संबंधों में आई प्रगति का जिक्र किया और कहा कि सीमा पर तनातनी खत्म के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, हमारे विशेष प्रतिनिधियों के बीच सीमा प्रबंधन (बॉर्डर मैनेजमेंट) के संबंध में सहमति बनी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत-चीन का आपसी सहयोग कितना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा, हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 बिलियन लोगों के हित जुड़े हुए हैं। इससे पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही रणनीतिक स्वायत्तता के पक्षधर हैं और उनके संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। साथ ही, पीएम मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को 2026 में भारत द्वारा आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रित भी किया। पीएम मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर राष्ट्रपति जिनपिंग का साथ मांगा है।

हमारी साझेदारी से पूरी मानवता का कल्याण होगा: मोदी

मोदी ने आतंकवाद और उसकी चुनौतियों का भी मुद्दा रखा

एससीओ समिट के दरम्यान मोदी-पुतिन की भी होगी भेंट

यूक्रेन युद्ध खत्म करने हेतु मोदी ने की जेलेंस्की से वार्ता

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पीएम मोदी का चीन में स्वागत किया है। जिनपिंग ने कहा, चीन और भारत को साथ आने की जरूरत है। दुनिया परिवर्तन की ओर बढ़ रही है और ऐसे समय में भारत और चीन की भूमिका बेहद अहम है। जिनपिंग ने कहा, भारत और चीन दुनिया की दो सबसे पुरानी सभ्यताएं हैं और सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। ऐसे में मित्र बने रहना, अच्छे पड़ोसी बनना और दोनों देशों का साथ आना जरूरी है। जिनपिंग ने कहा, चीन-भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि विकास के अवसर हैं। दोनों देशों को द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने और संभालने की आवश्यकता है। जिनपिंग ने कहा कि भारत-चीन को अपने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। साथ ही, सीमा के मुद्दे को पूरे भारत-चीन संबंधों की धुरी नहीं बनने देना चाहिए।

पीएम मोदी और जिनपिंग की इस मुलाकात पर जितनी भारत-चीन के लोगों की नजरें हैं, उतनी ही अमेरिका की भी हैं। ▶10पर

चुनाव आयोग द्वारा प. बंगाल में भी वोटर-लिस्ट संशोधन शुरू

बांग्लादेश से सटे पश्चिम बंगाल के जिलों में हड़कंप

जन्म प्रमाण-पत्र लेने के लिए मच गई होड़

कोलकाता, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग द्वारा बिहार की तरह पश्चिम बंगाल में भी मतदाता सूची के संशोधन (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू करने के बाद से पश्चिम बंगाल में हड़कंप मचा हुआ है। जन्म प्रमाण-पत्र लेने के लिए होड़ मची हुई है। मुस्लिम बहुल इलाकों में हजारों लोग जन्म प्रमाण-पत्र सुधारने, उसका डिजिटलीकरण कराने और नए जन्म प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए नगर पालिकाओं, पंचायतों और अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। जन्म प्रमाण-पत्र के लिए आवेदनों की संख्या 50 गुना बढ़ गई है।

जन्म प्रमाण-पत्र के लिए आवेदनों की संख्या 50 गुना बढ़ी

पश्चिम बंगाल में अगले साल चुनाव होने हैं। इसी बीच चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जैसे ही यह काम शुरू हुआ, बांग्लादेश सीमा से सटे मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में अफरा तफरी मच गई। यहां मुस्लिम बहुल इलाकों में हजारों लोग जन्म प्रमाण पत्र सुधारने, डिजिटलीकरण करवाने और नए सिरे से बनवाने के लिए नगर पालिकाओं, पंचायतों और अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। लोग खुलेआम दोगुनी कीमत पर स्टाम्प पेपर खरीद रहे हैं और वकीलों को भारी-भरकम फीस चुका रहे हैं। लोगों में इस बात का डर साफ है कि कहीं एनआरसी या विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) लागू हुआ तो भारतीय होने का सबूत सिर्फ यही कागज देगा।

बरहामपुर नगर पालिका का हाल ऐसा है कि यहां रोजाना 10-12 आवेदन आते थे, अब अचानक यह संख्या 500-600 तक पहुंच गई है। लोग सुबह 7 बजे से लंबी-लंबी लाइनों में खड़े रहते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष नारुगोपाल मुखर्जी मानते हैं कि हालात काबू से बाहर हैं। फॉर्म संग्रह, सुधार, विलंबित नए जन्म प्रमाण पत्र और डिजिटलीकरण के लिए अलग-अलग कियोस्क बनाए गए हैं। लेकिन भीड़ इतनी है कि अधिकारी भी परेशान हैं। 65 साल के अबुल कासिम शेख अपने गांव से 45 किलोमीटर दूर सिर्फ इसलिए आए हैं कि उनकी बेटी का 20 साल पुराना जन्म रजिस्ट्रेशन लाल कागज से बदलकर डिजिटल सफेद प्रिंटआउट हो जाए। शेख कहते हैं, गांव में हर कोई यही कह रहा है कि लाल वाले की कोई कीमत नहीं, सफेद चाहिए। नौदा से आई समीरुन बीबी अपने दोनों बेटों के जन्म प्रमाण पत्र अपडेट करवाने पहुंची हैं। वे साफ कहती हैं, हमें डर है कि कल एनआरसी आ जाएगा और पहले हमारा वोटिंग राइट छिन जाएगा, फिर हमें बाहर निकाल देंगे। इसीलिए यह काम अभी निपटाना जरूरी है।

जन्म प्रमाण पत्र सुधारने की भीड़ का सीधा फायदा वकीलों और बिचौलियों को हो रहा है। मुर्शिदाबाद कोर्ट के बाहर वकीलों के टेंट लगे हैं, जहां रोजाना सैकड़ों हलफनामे तैयार हो रहे हैं। वकील सैयद रामी बताते हैं, आमतौर पर मुझे हफ्ते में 10-12 स्टाम्प पेपर की जरूरत होती थी। पिछले हफ्ते 500 लिए और इस हफ्ते 600 से ज्यादा। ▶10पर

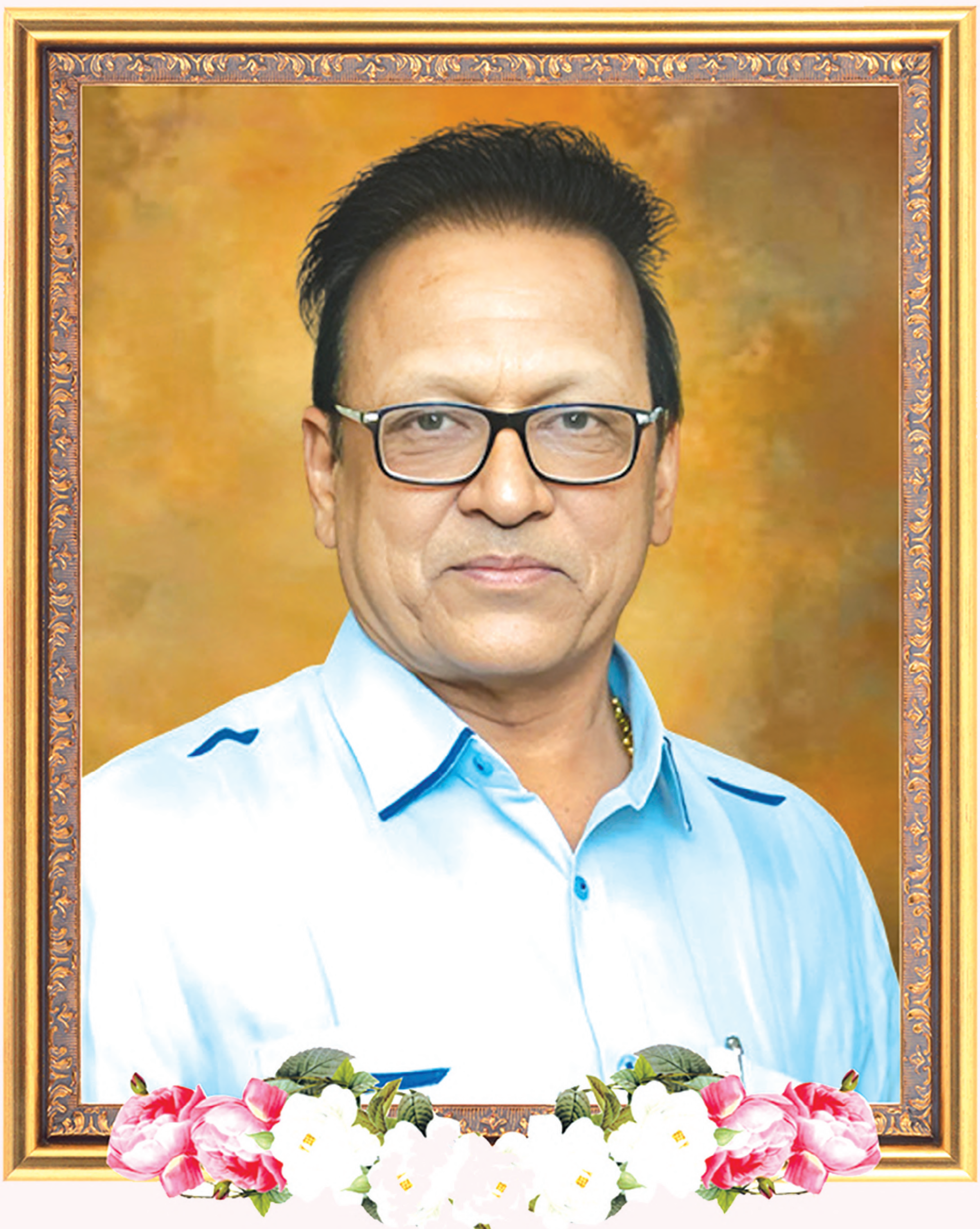

अश्रुपूर्ण नयनों से प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करें...

अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

जीवन के हर पल में हँसते रहे आप,
स्नेह से सबके हृदय में बसते रहे आप ।
छोड़ कर साथ हमारा चले गये आप,
वर्षों तक याद आते रहेंगे आप ।।

-: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :-

सुशीला अग्रवाल

प्रदीप-प्रची अग्रवाल

M/s. Ambica Iron And Steels Hyd Pvt Ltd.

M/s. Shikara Steels Pvt Ltd.

सी-302, जीवीके स्काई सिटी, राजभवन रोड, सोमाजीगुड़ा, हैदराबाद

Ph. 9849032456

अग्रसेन बैंक की 27वीं वार्षिक आम सभा आयोजित

वित्तीय वर्ष 2024-25 में शानदार उपलब्धियां

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रसेन बैंक की 27वीं वार्षिक आम सभा (एजीएम) रविवार को आयोजित की गई, जिसमें बैंक के निदेशक मंडल, प्रबंधन मंडल और अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया की ओर से सभी शेयरधारकों का स्वागत किया गया। इस सभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंक की उपलब्धियों, भविष्य की योजनाओं और आर्थिक परिदृश्य पर चर्चा की गई।अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय प्रगति की है और यह विश्व की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर भारत पहले से ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही नाममात्र जीडीपी के आधार पर भी तीसरे स्थान पर पहुंचने की संभावना है। 2047 तक, जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य है, जिसके लिए 8-9% की औसत वार्षिक वृद्धि आवश्यक है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बैंकों और गैर-बैंकिंग संस्थानों को उद्यमियों को पर्याप्त ऋण प्रदान करने की जरूरत होगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2025 में रेपो दर को तीन बार घटाकर 6.5% से 5.5% कर दिया, जिससे अर्थव्यवस्था में तरलता बढ़ी है। इसके साथ ही, नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को 4% से घटाकर 3% करने का निर्णय लिया गया है, जो अंतिम तिमाही में चार समान किश्तों में लागू होगा। इन उपायों से बैंकों को अपनी ऋण पोर्टफोलियो बढ़ाने और व्यवसाय वृद्धि में सहायता मिलेगी।उन्होंने बैंक की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में अग्रसेन बैंक ने सभी मापदंडों में शानदार प्रदर्शन किया। प्रमुख उपलब्धियों में-

-कुल व्यवसाय: बैंक ने पहली बार 31 मार्च 2025 तक 1012.56 करोड़ का कुल व्यवसाय पार किया, जो पिछले वर्ष 957.63 करोड़ था। जमा राशि: जमा राशि 592.44 करोड़ से बढ़कर 603.29 करोड़ हो गई।

-ऋण और अग्रिम: ऋण और अग्रिम 365.19 करोड़ से बढ़कर 409.27 करोड़ हो गए।

-रिजर्व और अधिशेष: रिजर्व और अधिशेष 62.73 करोड़ से बढ़कर 64.48 करोड़ हो गए।

-शेयर पूंजी: शेयर पूंजी 22.84 करोड़ से बढ़कर 24.62 करोड़ हो गई।

-कर पूर्व लाभ (पीबीटी): 11.51 करोड़ से बढ़कर 11.91 करोड़।

-कर पश्चात लाभ (पीएटी): 8.59 करोड़ से बढ़कर 8.91 करोड़।

-सकल एनपीए: 7.81% से घटकर 6.52%।

-शुद्ध एनपीए: 0.42% से मामूली बढ़कर 0.94%।

-सीआरएआर: 19.06% से बढ़कर 19.88%, जो आरबीआई के 12% के मानक से अधिक है।

अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के उद्धरण का उल्लेख करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण पर बल दिया: अगर आप असफल होते हैं, तो कभी हार न मानें, क्योंकि एफएआईएल का अर्थ है पहला प्रयास सीखने में। अंत कोई अंत नहीं है, बल्कि ईएनडी का अर्थ है प्रयास कभी नहीं मरता। अगर आपको जवाब में नहीं मिलता है, तो याद रखेंक एन ओ अर्थ है अगला अवसर।

गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) प्रबंधन बैंक की वित्तीय सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। इस वर्ष सकल एनपीए को 7.81% से घटाकर 6.52% किया गया, हालांकि शुद्ध एनपीए में मामूली वृद्धि हुई। यह वृद्धि आरबीआई द्वारा 31 मार्च 2025 से लागू एनपीए प्रावधान कवरेज में बदलाव के कारण हुई। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि एनपीए खाते पूर्ण संपार्श्विक प्रतिभूतियों द्वारा समर्थित हैं और चालू वित्तीय वर्ष में एनपीए को और कम करने के लिए सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि बैंक ने डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई, आईएमपीएस, रुपे डेबिट कार्ड, ई-कॉमर्स, पीओएस लेनदेन, आरटीजीएस/एनईएफटी, सीबीडीटी ई-भुगतान, ई-स्टेटमेंट, एनएसीएच, क्यूआर कोड, मोबाइल बैंकिंग, और इंटरनेट बैंकिंग (केवल देखने के लिए) जैसी सुविधाएं प्रदान की हैं। साइबर सुरक्षा के लिए आरबीआई के सभी मानकों का पालन किया जा रहा है, जिससे सभी डिजिटल लेनदेन पूरी तरह सुरक्षित हैं। अध्यक्ष ने शेयरधारकों और ग्राहकों से डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग करने और इसे अपने परिजनों के साथ साझा करने का आग्रह किया।श्री केडिया ने कहा कि बैंक कर्मचारियों के कौशल उन्नयन और प्रेरणा के लिए प्रशिक्षण, समय पर पदोन्नति, और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन जैसी रणनीतियां अपना रहा है। हाल ही में नई शाखाओं के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की गई है। अच्छा कॉर्पोरेट गवर्नेंस शेयरधारकों, ग्राहकों और अन्य हितधारकों का विश्वास बढ़ाता है। बैंक आरबीआई के दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करता है और पारदर्शी प्रथाओं को अपनाता है।संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (आईवाईसी 2025) घोषित किया है, जिसका विषय है सहकारिता बेहतर विश्व का निर्माण करती है। तेलंगाना सरकार के सहकारिता विभाग और बैंक ने इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए।

निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए 15% प्रो-राटा लाभांश का प्रस्ताव रखा है, जो आम सभा की मंजूरी के अधीन है। मार्च 2025 में अत्तापुर, बंजारा हिल्स, और हिमायतनगर में तीन नई शाखाएं और जुलाई-अगस्त 2025 में अमीरपेट और गगन पहाड़ में दो नई शाखाएं खोली गई हैं। कुक्कटपल्ली और मधापुर में दो और शाखाएं जल्द खुलेंगी। चार नए एटीएम केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक कुल 11 शाखाएं होंगी। बैंक का लक्ष्य 31 मार्च 2026 तक 1200 करोड़ का व्यवसाय हासिल करना है।अध्यक्ष ने शेयरधारकों से नवीनतम फोटो, पैन, आधार कार्ड की प्रति, मोबाइल नंबर, और ईमेल आईडी जमा करने का अनुरोध किया ताकि सीकेवाईसी नंबर जनरेट किया जा सके। उन्होंने शेयरधारकों और उनके परिवारों से बैंक में बचत और चालू खाते खोलने, जमा योजनाओं में निवेश करने, और आवश्यकता होने पर ऋण लेने का आग्रह किया।अध्यक्ष ने शेयरधारकों, ग्राहकों, आरबीआई, तेलंगाना सरकार के सहकारिता विभाग, एनपीसीआई, लेखा परीक्षकों, कानूनी सलाहकारों, और अन्य हितधारकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल, प्रबंधन मंडल के अध्यक्ष नारायण दत्त, और बैंक के सीईओ सी.वी. राव और डीजीएमआनंद अग्रवाल सहित सभी कर्मचारियों की सराहना की।प्रमोद कुमार केडिया ने सभी शेयरधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों को धन्यवाद देते हुए उनके निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और सभी के सुखी और स्वस्थ भविष्य की कामना की। यह सभा बैंक की प्रगति और भविष्य की योजनाओं को रेखांकित करने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर रही।

बेगम बाजार में राधे राधे ग्रूप द्वारा राधाष्टमी का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रूप, हैदराबाद के तत्वावधान में आज बेगम बाजार स्थित भूदेवी मंदिर के समीप गोशाला परिसर में राधाष्टमी का पावन पर्व भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन राधा रानी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें विशेष पूजा-अर्चना और अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन हुआ।राधा रानी के जन्मोत्सव के अवसर पर भूदेवी मंदिर के पास गोशाला परिसर में राधे राधे ग्रूप द्वारा भव्य पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। भक्तों ने राधा रानी की मूर्ति की विशेष पूजा की और भक्ति भजनों के साथ उत्सव को और भी आनंदमय बनाया। राधाष्टमी का यह पर्व भक्तों के लिए प्रेम, भक्ति और समर्पण का प्रतीक रहा, जो राधा रानी और भगवान श्रीकृष्ण के नित्य प्रेम को स्मरण कराता है।राधे राधे ग्रूप, हैदराबाद द्वारा बेगम बाजार में भूदेवी मंदिर के पास और शहर के अन्य स्थानों पर नियमित रूप से अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस नेक कार्य के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। राधाष्टमी के विशेष अवसर पर भी अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। ग्रूप के इस कार्य ने सामाजिक सेवा और भक्ति के संयोजन को दर्शाया।राधे राधे ग्रूप के संयोजक जगतनारायण अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा, राधा रानी की कृपा और आशीर्वाद से हमारा ग्रूप हैदराबाद में दो स्थानों पर नियमित रूप से अन्नदान कार्यक्रम संचालित कर रहा है, और यह कार्य बिना किसी व्यवधान के निरंतर जारी है। यह राधा रानी की विशेष कृपा का परिणाम है कि हम इस सेवा को समाज तक पहुंचा पा रहे हैं। उन्होंने ग्रूप के सभी सदस्यों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफल रहा।यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण था, बल्कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी राधे राधे ग्रूप के योगदान को रेखांकित करता है। राधाष्टमी का उत्सव और अन्नदान कार्यक्रम भक्तों के बीच आध्यात्मिक जागरूकता और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने में सहायक रहा। यह आयोजन राधा रानी के प्रति भक्ति और समाज के प्रति सेवा भावना का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।राधाष्टमी उत्सव का समापन भक्ति भजनों और अन्नदान के साथ हुआ, जिसमें भक्तों और जरूरतमंद लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राधे राधे ग्रूप ने अपने इस प्रयास के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव और आध्यात्मिक जागरण का संदेश दिया। भक्तों ने राधा रानी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और ग्रूप के सामाजिक कार्यों की सराहना की।

जियागुड़ा की डोर बस्ती में पाँच बंधु उत्सव समिति द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में एक भव्य पूजा का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। समिति के सदस्यों ने मिलकर पूजा-अर्चना की और सभी के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान पंडाल में भक्तिमय माहौल बना रहा।

बेगम बाजार की बेदरवाड़ी में स्थित सनातनी युवा समिति द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में आज बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किए। इस वर्ष का गणेश पंडाल ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर सजाया गया है। ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर बने इस पंडाल ने भक्तों के बीच काफी उत्सुकता पैदा की है। यहाँ आने वाले भक्तगण भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर रहे हैं और गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगा रहे हैं। समिति के सदस्यों ने भक्तों के लिए सुगम दर्शन की व्यवस्था की है।

भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने नटराज गणेश जी के दर्शन किए। इस दौरान, पंडाल समिति ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया।
दर्शन के लिए पधारे प्रमुख व्यक्तियों में भाजपा प्रदेश महामंत्री चंद्रशेखरजी, गोलकोंडा भाजपा अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र , मंगलहाट पार्षद लालसिंह और अन्य गणमान्य पदाधिकारी शामिल थे।

हरेकृष्णा प्रचार समिति ने आज हरिबोल काम्प्लेक्स में स्थापित गणेश पंडाल में एक भव्य कीर्तन का आयोजन किया। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया और भक्तिमय संगीत का आनंद लिया।इस कीर्तन में राजेश व्यास, विष्णु तिवारी, घनश्याम उपाध्याय सहित कई अन्य भक्तों ने अपनी मधुर आवाज से समां बांध दिया। भक्तों ने भगवान के भजन गाए और कीर्तन में झूमते हुए अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

राधा अष्टमी के अवसर पर राधे राधे ग्रुप ने किया अन्नप्रसादम का आयोजन

हैदराबाद, 31 अगस्त, (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधा अष्टमी के पावन पर्व और स्वर्गीय श्रीमती सुनीता जी सिंघानिया की जयंती के उपलक्ष्य में, आज हैदराबाद के राधे राधे ग्रुप ने 'नित्य अन्नप्रसादम' (नाश्ते की सेवा) का आयोजन किया। यह सेवा सुबह 7:31 बजे बेगम बाजार (गौशाला के पास), पुल की माता और नामपल्ली के पब्लिक गार्डन (पिलर-1265) में दी गई।

श्री सत्यनारायणजी मुरारीलालजी सिंघानिया परिवार और राधे राधे ग्रुप द्वारा आयोजित इस सेवा में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। इस पुण्य कार्य में कई गणमान्य व्यक्तियों और ग्रुप के सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, मनीष अग्रवाल, ई. जगन (चंपपेट), रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, मायारामजी अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, युवां केडिया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, दिनेश गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, रवि अग्रवाल, रितेश गुप्ता, राजेश सर (योग), पन्ना लाल जी, गोविंद राम जी, शिव भगवान, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल और अन्य सदस्य शामिल थे। इस आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना और समाज में सेवाभाव को बढ़ावा देना था।

रूस से तेल का आयात जारी रहेगा : ओएनजीसी

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

सरकारी कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) ने आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट कर दिया कि ओएनजीसी रूस से तेल खरीदना तब तक जारी रखेगी, जब तक यह व्यावसायिक रूप से संभव है और सरकार इसकी अनुमति देती है। ओएनजीसी के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान में रूसी तेल पर कोई प्रतिबंध नहीं है और कंपनी रूस से तेल का आयात जारी रखेगी। यह महत्वपूर्ण घोषणा ऐसे समय की गई है जब भारत को रूसी तेल खरीदने पर मौजूदा 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। ओएनजीसी की दो इकाइयां हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स अपनी ▶10पर

बिहार वोटर लिस्ट पर राहुल गांधी का दावा फेल

कांग्रेस ने दाखिल नहीं की एक भी आपत्ति

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार वोटर लिस्ट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके पिछलग्गू बने कुछ खास दलों का दावा पूरी तरह फेल साबित हुआ। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग के बार-बार कहने के बावजूद एक भी आपत्ति दाखिल नहीं की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि वोट चोरी के नाम पर राहुल गांधी सिर्फ सियासी-नौटंकी कर रहे हैं।चुनाव आयोग के बुलेटिन के मुताबिक, अब तक राष्ट्रीय और राज्य स्तर की राजनीतिक पार्टियों ने जो दावे-आपत्तियां दर्ज कीं, वे काफी कम हैं। नेशनल पार्टियों में आम आदमी पार्टी ने 1, बहुजन समाज पार्टी ने 74, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 53,338, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने 899, और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने शून्य दावे-आपत्तियां दर्ज कीं। बिहार की पार्टियों में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी लिबरेशन) ने 1,496 (जिनमें 103 बहिष्करण के लिए), जनता दल (यूनाइटेड) ने 36,550, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) ने 1,210, राष्ट्रीय जनता दल ने 47,506 (जिनमें सिर्फ 10 बहिष्करण के लिए), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी ने 1,913, और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी ने 270 दावे-आपत्तियां दर्ज कीं। सबसे हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस ने एक भी दावा या आपत्ति नहीं की जबकि राहुल गांधी एसआईआर को लेकर लगातार हमलावर रहे हैं। 1 से 30 अगस्त तक ड्राफ्ट रोल पर सिर्फ 2.27 लाख दावे-आपत्तियां आईं, जिनमें 1.97 लाख नाम हटाने के और 29 हजार नाम जोड़ने के। नए वोटरों के लिए 13 लाख से ज्यादा फॉर्म आए। भाजपा ने 53 हजार, राजद ने 47 हजार आपत्तियां कीं, लेकिन कांग्रेस का खाता जीरो ही रहा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रही सियासी बहस अब एक नए मोड़ पर आ गई है।

वोट चोरी के नाम पर फूहड़ राजनीतिक-नौटंकी कर रहे राहुल गांधी

वोटर अधिकार यात्रा में आने के लिए लोगों को दिए 5-5 सौ रुपए

चुनाव आयोग ने 30 अगस्त 2025 को एक डेली बुलेटिन जारी किया है, जो राहुल गांधी और विपक्ष के उन दावों पर सवाल उठाता है, जिनमें एसआईआर प्रक्रिया को वोट चोरी का हथियार बताया गया था।

इस बुलेटिन के मुताबिक, 1 अगस्त से 30 अगस्त तक ड्राफ्ट रोल पर दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया में सिर्फ 2 दिन बचे हैं और जो आंकड़े सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। सामान्य मतदाताओं की ओर से दायर दावों-आपत्तियों में भी आंकड़े चौंकाने वाले हैं। कुल 2,27,636 दावों में से सिर्फ 29,872 नामों को शामिल करने और 1,97,764 नामों को हटाने के लिए आवेदन आए। 7 दिन के निपटान के बाद सिर्फ 33,771 मामले सुलझे। नई वोटरों के लिए 18 साल या उससे अधिक उम्र के 13,33,793 फॉर्म-6 और डिक्लेरेशन आए, जिनमें से 61,248 का निपटान हो चुका है। यह आंकड़ा साफ करता है कि ज्यादातर आवेदन नाम हटाने के लिए हैं न कि जोड़ने के लिए, जो विपक्ष के 65 लाख वोटरों के नाम कटने के दावों के उलट है।

अब बात करते हैं राहुल गांधी के उन दावों की, जो एसआईआर को लेकर हवा में लहरा रहे थे। राहुल गांधी ने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान बार-बार आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और भाजपा के बीच साठगांठ है और एसआईआर के जरिए 65 लाख वोटरों के नाम जानबूझकर काटे गए। उन्होंने दावा किया कि यह गरीब, दलित, और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमला है। लेकिन चुनाव आयोग का बुलेटिन इन दावों को खोखला साबित करता है। कांग्रेस ने एक भी दावा दायर नहीं किया, जो उनके आरोपों की गंभीरता पर सवाल उठाता है। क्या यह दर्शाता है कि उनके दावे महज प्रचार थे?

राहुल गांधी ने एक और वीडियो वायरल किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया कि मृत वोटरों के नाम सूची में बने हुए हैं और एसआईआर उनकी सफाई नहीं कर रहा। इस वीडियो में उन्होंने बीएलओ रानी कुमारी पर सवाल उठाए, लेकिन चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि रानी कुमारी सिर्फ सत्यापन कर रही थीं, न कि कोई गड़बड़ी। यह वीडियो फर्जी निकला और राहुल के दावों पर सवाल उठे। इसके अलावा, उन्होंने कर्नाटक के महादेवपुरा में एक लाख फर्जी वोटरों का डेटा पेश किया, लेकिन चुनाव आयोग ने जवाब मांगा, जो अब तक नहीं आया। क्या यह उनकी तैयारी की कमी को दर्शाता है?

राहुल ने विदेशी मीडिया मसलन अल जजीरा, न्यूयॉर्क टाइम्स, बीबीसी को इस्तेमाल करके वोट चोरी का प्रोपेगैंडा फैलाया और दावा किया कि एसआईआर से लाखों असली नाम कट रहे हैं। ये सब राहुल गांधी का मनगढ़ंत नैरेटिव था। चुनाव आयोग की रिपोर्ट्स से साफ हुआ कि राहुल गांधी के पास कोई सबूत नहीं है। यानि, सब सियासी नौटंकी है। ▶10पर

काला धन सफेद कर रहे फर्जी सियासी दल : याचिका

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर चुनाव आयोग से राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए नियम बनाने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि फर्जी दल काले धन को सफेद करने और अपराधियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ठोस कानून जरूरी है।

याचिका में चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए ठोस नियम बनाने का निर्देश देने की सुप्रीम कोर्ट मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि देश में फर्जी और बेनामी राजनीतिक दल लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। ये दल न सिर्फ अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को अपने पदाधिकारी बना रहे हैं, बल्कि भारी चंदा लेकर अपराधियों को संगठन में जगह दे रहे हैं। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और पारदर्शिता पर सीधा हमला हो रहा है।

याचिका में दावा किया गया है कि कई ऐसे दल अस्तित्व में आ गए हैं, जिन्होंने अपहरणकर्ताओं, ड्रग्स तस्करों, मनी लॉन्ड्रिंग करने वालों और कुख्यात अपराधियों को राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पदाधिकारी बना दिया है। इन दलों ने बड़ी धनराशि लेकर अपराधियों को संरक्षण दिया और उन्हें राजनीतिक वैधता प्रदान की। याचिका में यह भी आरोप है कि अलगाववादी समूहों ने भी राजनीतिक दल बनाकर चंदा इकट्ठा करने का रास्ता अपना लिया है और कई नेताओं को पुलिस सुरक्षा तक मिल चुकी है। याचिका में हाल ही में मीडिया में आई एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि आयकर विभाग ने एक फर्जी राजनीतिक दल पकड़ा, जो काले धन को सफेद करने का काम कर रहा था। इस दल पर आरोप है कि वह 20 प्रतिशत कमीशन लेकर काले धन को वैध चंदे में बदल रहा था। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय का कहना है कि राजनीतिक दल सार्वजनिक कार्य करते हैं, इसलिए उनमें पारदर्शिता और जवाबदेही होना बेहद जरूरी है। ▶10पर

सेंगोल के बाद संसद में स्थापित होंगे रथयात्रा के पहिए

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जगन्नाथपुरी रथयात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए रथों के तीन पहिए संसद परिसर में स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे और वहीं श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने उन्हें यह प्रस्ताव दिया था।

ये तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ के रथ नंदीघोष, देवी सुभद्रा के रथ दर्पदलन और भगवान बलभद्र के रथ तालध्वज से निकाले जाएंगे। इन पहियों को संसद में ओडिशा की संस्कृति और विरासत के प्रतीक के तौर पर स्थापित किया जाएगा। गौरतलब है कि वार्षिक रथ यात्रा के बाद तीनों रथों को हर वर्ष खंडित कर दिया जाता है। मंदिर प्रबंधन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने कहा, हम लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आभारी हैं कि उन्होंने रथ यात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए तीन रथों में से प्रत्येक रथ का एक पहिया संसद परिसर में एक प्रमुख स्थान पर स्थापित करने के हमारे प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। संसद परिसर में रथ के पहिए लगाए जाने के बाद यह वहां स्थापित होने वाला संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा। इससे पहले मई 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में स्पीकर की कुर्सी के बगल में सेंगोल स्थापित किया था।

रूसी तेल खरीदने से नाराज नहीं हैं ट्रंप, उनका गुस्सा इसलिए है कि...

मोदी ने नोबेल पुरस्कार की सिफारिश करने से मना क्यों कर दिया!

न्यूयॉर्क, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दरम्यान रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत से नाराजगी तो केवल एक बहाना है। ट्रंप का असली गुस्सा तो इसलिए है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप की सिफारिश करने और नॉमिनेशन भेजने से साफ मना कर दिया। इसी आपाधापी में ट्रंप ने अपनी सारी मर्यादा ताक पर रख कर पाकिस्तान जैसे देश से अपना नाम नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कराया। अमेरिका से ही प्रकाशित महत्वपूर्ण अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने डोनाल्ड ट्रंप के इस असलियत की पोल दुनिया के खोल कर रख दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट से दुनिया के सामने ट्रंप के भारत पर भड़के होने का असलरी राज खुल गया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में तथ्यपूर्ण संदर्भों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रिश्तों में आई खटास की बड़ी वजह रूसी तेल नहीं बल्कि भारत का ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित नहीं करना है। गौरतलब है कि ट्रंप ने जब भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की बात कही थी तो उसके बाद पाकिस्तान ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर दिया था। पाकिस्तान की फौज के मुखिया आसिम मुनीर की व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात हुई थी और इसके कुछ दिनों बाद ही पाकिस्तान ने औपचारिक रूप से ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था। यह

अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने ट्रंप की खोल दी पोल

सब आपाधापी में तब किया गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रंप का नाम नॉमिनेट करने से साफ इन्कार कर दिया।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप पीएम मोदी पर नॉमिनेशन का दबाव डाल रहे थे। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित रिपोर्ट कहती है, 17 जून को हुई एक फोन कॉल में ट्रंप ने फिर वही भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम की बात छेड़ दी। ट्रंप ने श्रेय लेते हुए कहा कि उन्होंने सैन्य तनाव को खत्म कर दिया है। ट्रंप ने फोन पर मोदी से यहां तक कह दिया कि वे नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उन्हें नॉमिनेट करें, नहीं तो वे पाकिस्तान से नॉमिनेशन ले लेंगे। इस टेलीफोनिक कॉल से वाकिफ लोगों के अनुसार, इस बातचीत का मतलब मोदी पर सीधा दबाव था, जिसे मोदी ने साफ-साफ मना कर दिया। मोदी ने ट्रंप से साफ-साफ कह दिया कि हालिया युद्धविराम में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी। यह फैसला सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था। ट्रंप ने मोदी की इस बात को ज्यादा तवज्जो नहीं दी लेकिन यह असहमति और नोबेल के मुद्दे पर मोदी का इन्कार दोनों नेताओं के रिश्ते में आई खटास का बड़ा कारण बना।

न्यूयॉर्क टाइम्स का दावा है कि उसकी रिपोर्ट वाशिंगटन और दिल्ली के दर्जनभर से ज्यादा लोगों से हुई बातचीत पर आधारित है। इनमें से ज्यादातर ने गोपनीयता की शर्त पर बात की क्योंकि दोनों देशों के रिश्तों का असर बहुत दूरगामी है। जून की उस फोन कॉल के कुछ हफ्तों बाद ही ट्रंप ने अचानक भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया था। इसके कुछ दिनों उसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया था। दरअसल, ट्रंप दावा करते हैं कि उन्होंने व्यापार की धमकी देकर युद्ध रुकवाया। जाहिर है कि अगर ट्रंप की बात में दम होता और भारत ने उनकी बात सुनी होती तो आज भारत पर इतना टैरिफ नहीं लगा होता। भारत ने हमेशा यह स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे देश की मध्यस्थता उसे स्वीकार नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और सैन्य अधिकारी भी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान के ▶10पर

जीवन के अंतिम चरण पर पहुंच चुके रोगियों की सहायता के लिए रमेशचन्द्र खोले की सुंदर पहल

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नन्दनवनम कॉलोनी, शिवम् रोड, अम्बरपेट में आयोजित एक विशेष समारोह में,रमेशचन्द्र खोले ने जीवन के अंतिम समय में रोगियों की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस अवसर पर उन्होंने स्व. सजन बाई एवं बालाराम खोले की स्मृति में, उनकी पत्नी स्व. श्रीमती कुसुमलता खोले की स्मरणार्थ, धर्मार्थ योगदान स्वरूप मारुति वैगन आर सीएनजी वाहन श्री जे.एन. जगन्नाथ जी (अध्यक्ष), डॉ. प्रिया कुमारी एवं चेन्ना रेड्डी (संस्थापक सदस्य) सहित अनेक सदस्यों की उपस्थिति में पीआरपीसीएस संस्था को सप्रेम भेंट किया।

रमेशचन्द्र खोले, जिनका जन्म चार भाइयों और एक बहन के बीच हुआ है, ने एच.एम.टी. में एजीएम (सेल्स) के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। वर्ष 2014 में उनकी पत्नी का निधन हो गया। वे 77 वर्ष की उम्र में भी पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ, दुखियों की सेवा करने का अपना मिशन जारी रखे हुए हैं।

संस्था, पी.आर.पी.सी.एस., विश्व प्रसिद्ध पेलिएटिव केयर सेवा प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य जीवन के अंतिम क्षणों में रोगियों और उनके परिजनों को तनाव, दर्द और शारीरिक व मनोवैज्ञानिक कष्टों से राहत प्रदान करना है। यह सेवा पूरी तरह से मुफ्त है और देश-विदेश से आते हुए प्रशिक्षण और प्रेरणा प्राप्त कर अनेक लोग इस कार्य में सम्मिलित हो रहे हैं। वर्तमान में यह संस्था 33 जिलों में अपनी सेवाएँ दे रही है।

डॉ. प्रिया कुमारी ने संस्था के कार्यों और बीमारी से पीड़ित लोगों की सेवा के महत्व को विस्तार से समझाया, जिससे उपस्थित सभी श्रोता अत्यंत भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यह संस्था मानो भगवान का रूप है, जो मरीजों का साथ निभा रहा है।पी.आर.पी.सी.एस. का मुख्यालय कुमुदिनी देवी हॉस्पिटल केयर, कुकटपल्ली में स्थित है और यह 2007 से सेवा में है। अब तक, इस संस्था ने 35,000 से अधिक रोगियों की मदद की है। सेवा की गुणवत्ता को सर्वोपरि मानते हुए, इन सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए श्री रमेशचन्द्र खोले ने विनम्रता से वैगन आर वाहन भेंट किया। इससे पहले भी वे रोगियों की सुविधा के लिए रिमोट कंट्रोल बेड जैसी आवश्यक वस्तुएँ प्रदान कर चुके हैं। इस शुभ अवसर पर सभी ने रमेशचन्द्र खोले का हृदय से आभार व्यक्त किया और उनका सम्मान शाल ओढ़ाकर किया।

पुंछ में पकड़े गए दो आतंकी, आधुनिक असलहे बरामद

जम्मू, 31 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में पुलिस ने रविवार को दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आतंकियों का नाम तारिक शेख और रियाज अहमद है। ये लोग बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। आतंकियों के पास से दो असॉल्ट राइफलें और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने आजमाबाद स्थित तारिक शेख के किराए के घर पर छापा मारा था, जिसके बाद उसे रियाज अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इससे पहले गुरेज सेक्टर में सुरक्षाबलों ने नौशेरा नार इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों का एनकाउंटर कर मार गिराया था। इनमें से एक बागू खान उर्फ समंदर चाचा भी था, जिसे आतंक की दुनिया में ह्यूमन जीपीएस के नाम से जाना जाता था। पिछले 25 वर्षों से 100 से अधिक घुसपैठ में शामिल बागू खान आतंकियों का प्रमुख मार्गदर्शक था। 28 अगस्त को बागू खान नौशेरा में घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहा था, तभी सुरक्षाबलों ने उसे घेर लिया। गुरेज में मारे गए शख्स के पास से मिले पहचान पत्र में उसका नाम बागू खान और जन्म तिथि 6 अप्रैल 1975 लिखी थी। वह मुजफ्फराबाद (पीओके) का रहने वाला था और पिछले 25 साल से घुसपैठियों की मदद करने के लिए वांछित था। इस ऑपरेशन में मारे गए दूसरे व्यक्ति की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। बागू खान का काम आतंकियों को सीमा पार घुसपैठ कराने में मदद करना था।

खैरताबाद गणेश के सिखवाल ब्राह्मण समाज ने किए दर्शन, पंडाल समिति ने किया स्वागत

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के सबसे प्रसिद्ध गणेश पंडाल, खैरताबाद गणेश, में रविवार को सिखवाल ब्राह्मण समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने दर्शन और आरती की। इस प्रतिनिधिमंडल में रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल और विजय शर्मा पांडिया शामिल थे।इस अवसर पर, खैरताबाद गणेश मंडप की चेयरपर्सन श्रीमती वीणा माधुरी जी, राजेश यादव और दुर्गा शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। पंडाल समिति ने सभी सदस्यों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया और गणेश जी का प्रसाद दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने भगवान गणेश के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस तरह के सामूहिक दर्शन न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाते हैं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एकता और भाईचारे को भी बढ़ावा देते हैं।

अत्तापुर के पांडु रंगा नगर में रविवार को राधाष्टमी का पावन पर्व बड़े ही भक्तिभाव और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर, नेहा और राजेश शर्मा की सुपुत्री त्रिविक्रमा शर्मा ने राधा रानी का मनमोहक रूप धारण किया। वहीं, उनके साथ उनके पुत्र ध्रुव शर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण का रूप लेकर इस उत्सव को और भी खास बना दिया। दोनों बच्चों ने राधा-कृष्ण के रूप में मिलकर इस त्यौहार को मनाया। यह दृश्य न केवल आस्था का प्रतीक था, बल्कि इसने पारिवारिक प्रेम और परंपराओं को भी दर्शाया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 23°

मालिक से आंखों की गुस्ताखियां तक, ओटीटी पर रिलीज होंगी ये धाकड़ फिल्में और सीरीज

सितंबर का पहला हफ्ता फुल ऑफ एंटरटेनमेंट होने वाला है। कई नई शानदार फिल्में और जबरदस्त वेब सीरीज ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। हिंदी, साउथ से लेकर हॉलीवुड सीरीज तक ओटीटी पर रिलीज होने जा रही हैं। इनमें रोमांस, कॉमेडी से लेकर एक्शन और एडवेंचर देखने को मिलेगा। सितंबर के पहले हफ्ते ओटीटी पर रिलीज होने जा रहीं फिल्मों और शोज की रिलीज डेट आप यहां चेक कर सकते हैं।

वेंस्डे सीजन 2 पार्ट 2

वेंस्डे सीजन 2 एक हॉरर सीरीज है जिसके कुल 6 एपिसोड्स हैं।सीरीज का पहला पार्ट अगस्त में ही रिलीज हो चुका है और अब दूसरा पार्ट सितंबर में आएगा।वेंस्डे सीजन 2 के दूसरे पार्ट को आप 3 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे।

द पेपर

अमेरिकी सिटकॉम द पेपर 4 सितंबर को रिलीज हो रही है।डोमनॉल ग्लीसन और सबरीना इम्पैसिएटोर की इस सीरीज को आप जियो हॉटस्टार पर देख पाएंगे।

इंस्पेक्टर जेंदे

फिल्म इंस्पेक्टर जेंदे भी 5 सितंबर से ओटीटी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है।मनोज बाजपेयी स्टारर ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म में जिम सर्भ भी नजर आएंगे। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी एक पुलिस वाले का रोल अदा करने वाले हैं।

आंखों की गुस्ताखियां

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' थिएटर के बाद अब ओटीटी पर आ रही है। इस रोमांटिक फिल्म से शनाया कपूर ने बॉलीवुड डेब्यू किया है। अब ये फिल्म 5 सितंबर से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम होगी।

मालिक

राजकुमार राव की क्राइम-थ्रिलर फिल्म मालिक भी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। मालिक 5 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। राजकुमार राव के साथ फिल्म में मानुषी छिल्लर बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आई हैं।

जूनियर

कीर्ति रेड्डी और श्रीलीला की कन्नड़-तेलुगु फिल्म जूनियर भी ओटीटी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 5 सितंबर को प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

इस फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी अहम रोल में दिखाई दी हैं।

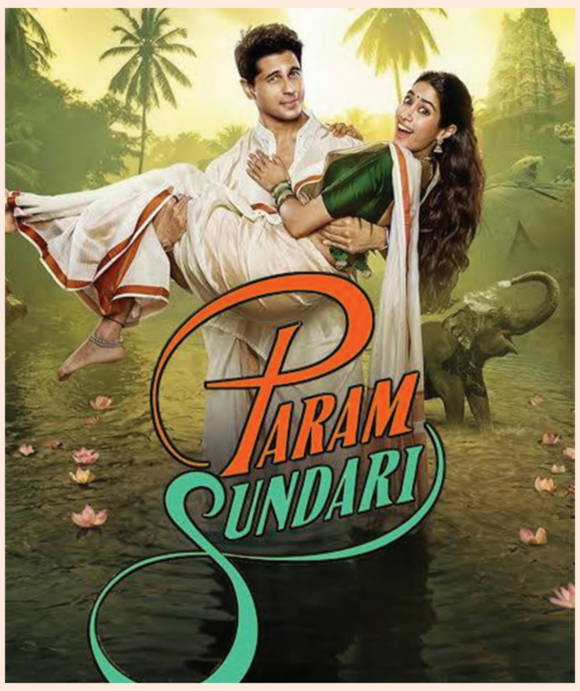

परम सुंदरी ने फर्स्ट वीकेंड चलाया जादू, टूट गए सिद्धार्थ-जाह्नवी की 12 फिल्मों के रिकॉर्ड

सिद्धार्थ मल्होत्रा-जाह्नवी कपूर की जोड़ी पहली बार 'परम सुंदरी' में बनी और 29 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआती दो दिनों में ठीकठाक कमाई कर ली। फिल्म आज अपने पहले वीकेंड के आखिरी यानी तीसरे दिन के लिए बिजनेस कर रही है।

मैडॉक फिल्म्स की पेशकश 'परम सुंदरी' ने 'कुली'-'वॉर 2' जैसी फिल्मों के सामने अच्छा प्रदर्शन करते हुए आज कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तो चलिए जानते हैं फिल्म की अब तक की कमाई और ये भी जानेंगे कि फिल्म ने कौन से रिकॉर्ड तोड़े हैं।

'परम सुंदरी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने 'परम सुंदरी' की कमाई से जुड़े दो दिनों के ऑफिशियल आंकड़े शेयर किए हैं, जिसके मुताबिक फिल्म ने ओपनिंग डे पर 7.37 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 10.07 करोड़ कमाते हुए टोटल 17.44 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया।

वहीं, तीसरे दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े सैक्निल्क पर अपडेट हो चुके हैं। इसके मुताबिक, फिल्म ने 8:10 बजे तक 8.84 करोड़ कमा लिए हैं। यानी फिल्म का टोटल कलेक्शन 26.28 करोड़ हो चुका है। सैक्निल्क पर उपलब्ध आज के आंकड़े फाइनल नहीं हैं। इसमें बदलाव हो सकता है। ये फिल्म सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर दोनों के लिए काफी खास हो चुकी है, क्योंकि ये दोनों की ही पिछली कई फिल्मों के ओपनिंग वीकेंड का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की इन फिल्मों के टूटे ओपनिंग वीकेंड कमाई के रिकॉर्ड

सिद्धार्थ ने अभी तक अपने करियर में 'परम सुंदरी' से पहले 13 फिल्में की हैं। नीचे बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक वो लिस्ट देख सकते हैं जिनके ओपनिंग वीकेंड कमाई को 'परम सुंदरी' पीछे कर चुकी है।

क्रिस्टल डिसूजा ने हाउस हेल्प से बनवाया सागर वेणी हेयरस्टाइल

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने हाल ही में वेब सीरीज 'फर्स्ट कॉपी' में अपने किरदार से काफी सराहना बटोरी थी। अभिनेत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था।

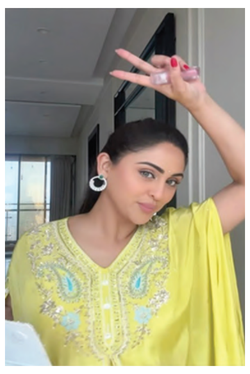

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी हाउस हेल्प से 'सागर वेणी' हेयर स्टाइल बनवाती नजर आ रही हैं। क्रिस्टिल ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, उर्मिला दीदी, जो मेरी हाउस हेल्प हैं, उन्होंने आज घर के काम छोड़कर हर चीज में मदद की। लुक की बात करें तो अभिनेत्री ने लाइट येलो कलर के सूट के साथ मिनिमल मेकअप किया है। वहीं, लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने सिल्वर कलर के इयररिंग पहने हैं, जो उन पर और भी प्यारे लग रहे हैं। क्रिस्टल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2007 में टीवी सीरियल 'कहे ना कहे' में किंजल के किरदार से की थी। उन्हें घर-घर में पहचान टीवी सीरियल 'एक हजारों में मेरी बहना है' से मिली थी।इस शो में उन्होंने जीविका वढ़ेरा की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'इस प्यार को क्या नाम दूं?', 'साथ निभाना साथिया', 'दीया और बाती हम', और 'प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा' जैसे टीवी शो में गेस्ट अपीरियंस के तौर पर नजर आईं थीं। वहीं, क्रिस्टल ने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 7' और 'बॉक्स क्रिकेट लीग' में भी भाग लिया था। उन्होंने रूमी जाफरी द्वारा निर्देशित और सह-लिखित मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म 'चेहरे' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी।

लोका चैप्टर 1 ने शुरू की बॉक्स ऑफिस पर तबाही, सुपरहीरो फिल्म ने उठाया बवंडर

मलयालम सिनेमा की नई पेशकश 'लोका चैप्टर 1-चंद्रा' 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज की गई। फिल्म के साथ मोहनलाल की 'हृदयपूर्वम' भी रिलीज की गई थी, जिसे 'लोका चैप्टर 1' ने ओपनिंग डे को छोड़ दें, तो बाकी के दिनों में मात दी है।

ये एक सुपरनैचुरल फिल्म है जिसमें प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन फीमेल सुपरहीरो के तौर पर दिखी हैं। फिल्म का ओपनिंग डे कलेक्शन भले कम रहा हो, लेकिन पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ की वजह से फिल्म के शोज भी बढ़ाए गए और इसकी कमाई भी बढ़ती चली गई। तो चलिए जानते हैं फिल्म की अब तक की कमाई।

'लोका चैप्टर 1' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 2।7 करोड़ रुपये कमाए थे, लेकिन अगले दो दिनों में ये कमाई 4 करोड़ और 7।4 करोड़ हो गई। वहीं आज यानी चौथे दिन फिल्म ने सबसे ज्यादा कमाई कर ली है।

सैक्निल्क के मुताबिक, फिल्म ने 7:20 बजे तक 5।77 करोड़ रुपये कमाते हुए टोटल 19।87 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। ये आंकड़े फाइनल नहीं हैं। अभी इनमें बदलाव हो सकता है।

'लोका चैप्टर 1' का बजट और वर्ल्डवाइड कलेक्शन

सैक्निल्क के मुताबिक 'लोका चैप्टर 1' का बजट 30 करोड़ है और इसने 3 दिनों में ही पूरा बजट निकाल लिया है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 3 दिन में 39।50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इसमें आज का घरेलू कलेक्शन जोड़ दें तो ये 50 करोड़ के करीब पहुंचता है। यानी फिल्म पहले ही वीकेंड में हिट हो चुकी है।

'लोका चैप्टर 1' के बारे में

इस फिल्म से दुलकर सलमान और टोविनो थॉमस जैसे बड़े नाम जुड़े हुए हैं। फिल्म देखकर निकल रहे दर्शकों ने फिल्म की तारीफ में सोशल मीडिया पर खूब कसीदे पढ़े हैं। डोमिनिक अरुण के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म के नाम पहली मलयालम सुपरहीरो फिल्म का टैग भी जुड़ गया है।

फिल्म की कमाई जिस तरह से हर दिन बढ़ती जा रही है, उसे देखकर लग रहा है कि 'सु फ्रॉम सो' और 'महावतार नरसिम्हा' ने जो इतिहास दोहराया था वैसा ही ये फिल्म भी दोहरा सकती है। इन सभी फिल्मों में ये समानता है कि इनका बजट बहुत कम है और इनकी कमाई धीरे-धीरे बढ़ती गई है।

बागी 4 अभिनेत्री सोनम बाजवा के नए पोस्ट ने मचाया बवाल

सोनम बाजवा इन दिनों अपनी नई फिल्म बागी 4 को लेकर चर्चा में हैं लेकिन इसके अलावा उनकी लेटेस्ट तस्वीरों ने एक बार फिर उनका नाम सुर्खियों में डाल दिया है। हालिया पोस्ट में एक्ट्रेस बेहद हसीन लग रही हैं। सोनम बाजवा फिल्मों के साथ- साथ सोशल मीडिया पर भी अपना जलवा बिखेरती नजर आती हैं। हर बार ही वो अपने ग्लैमरस लुक्स से ऑडियंस को दीवाना बना लेती हैं।

हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ फोटोज शेयर की हैं जो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं और फैंस भी इन तस्वीरों से अपनी निगाहें नहीं हटा पा रहे हैं। वायरल तस्वीरों में सोनम बाजवा का सिजलिंग लुक देखने को मिलता है जहां वो वाइन कलर के बॉडीकॉन ऑउटफिट में कहर ढा रही हैं। खुले बालों और ग्लॉसी मेकअप में हसीना बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। इस वाइन कलर की आउटफिट के साथ उन्होंने एक बड़ी सी रिंग और एक वॉच पहनी है। इस स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ एक्ट्रेस ने अपना लुक कंप्लीट किया है। पोस्ट शेयर करने के महज कुछ ही मिनटों में फैंस ने उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कमेंट्स की बारिश कर दी है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में ये बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म बागी 4 जल्द ही रिलीज होने वाली है और इसके साथ ही उन्होंने रिलीज डेट का भी जिक्र किया है। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी ग्लैमर से तड़का लगाने के बाद सोनम बाजवा अब अपने मेहनत और टैलेंट से बॉलीवुड में भी अपने कदम जमाने की कोशिश कर रही हैं। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं। सोनम बाजवा को आखिरी बार 'हाउसफुल 5' में देखा गया था।

अब उनकी फिल्म 'बागी 4' भी रिलीज होने वाली है। ये फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा उन्हें हर्षवर्धन राणे के साथ फिल्म 'एक दीवाने की दीवानीयत' में भी देखा जाएगा।

सितंबर में चार बड़े ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक ग्रह निरंतर अपनी राशि में परिवर्तन करते हैं। एक विशेष अवधि और चाल के अनुसार ये ग्रह एक राशि से दूसरी राशि में जाते हैं। इन ग्रहों की हलचल से ही सभी राशियां प्रभावित होती हैं। इसी कड़ी में सितंबर माह में 4 ग्रह अपनी राशि बदलेंगे। इन ग्रहों में बुध, सूर्य मंगल, और शुक्र ग्रह शामिल हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि सिंतबर के महीने में सूर्य के साथ ही मंगल, बुध और शुक्र भी राशि बदलेंगे। मंगल का गोचर 13 सितंबर को तुला राशि में होगा। वहीं सूर्य 17 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। शुक्र 15 सितंबर को सिंह राशि में गोचर करेंगे। वहीं बुध भी इसी दिन कन्या राशि में संचार करेंगे। यानि इस महीने बुध और सूर्य मिलकर कन्या राशि में बुधादित्य योग का निर्माण करें। इस तरह के सितंबर माह में ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों को विशेष लाभ मिल सकता है।

इस महीने चार बड़े ग्रह सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र अपनी चाल बदलेंगे। 13 सितंबर को मंगल तुला राशि में प्रवेश कर नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। 17 सितंबर को सूर्य का गोचर होगा, जिसके बाद वे पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी और हस्त नक्षत्र से गुजरेंगे। सूर्य और बुध के गोचर से शुभ बुधादित्य योग बनेगा। शुक्र भी इस दौरान दो बार राशि परिवर्तन और दो बार नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल का असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। ज्योतिष के नजरिए से भी ये माह बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस माह में 4 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योतिष के सिद्धांत के अनुसार मनुष्य के जीवन में जो भी घटनाएं घटित होती हैं। उनका कारण ग्रहीय दशा, गोचर, उनकी चाल है। सौरमंडल में बैठे ग्रह ही यह निर्धारित करते हैं कि आने वाला समय कैसा होगा और मनुष्य जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

मंगल का तुला राशि में गोचर

मंगल देव 13 सितंबर को तुला राशि में गोचर करेंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, तुला, , वृश्चिक और मकर

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, धनु, कुंभ और मीन

बुध का कन्या राशि में गोचर

बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार कहा गया है। यह सूर्य के सबसे नजदीक रहने वाले ग्रह हैं। सितंबर के महीने में ग्रहों के राजुकमार बुध देव 15 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, तुला, , वृश्चिक और मकर

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, धनु, कुंभ और मीन

शुक्र का सिंह राशि में गोचर

सुख, भोग-विलास के कारक ग्रह शुक्र 15 सितंबर को सिंह राशि में गोचर कर जाएंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन से कुछ राशि के जातक को बहुत ही लाभ मिलेगा।

शुभ - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मकर

अशुभ - कर्क, सिंह, वृश्चिक, कुंभ और मीन

सूर्य का कन्या राशि में गोचर

सूर्य हर माह अपनी राशि बदलते हैं, जिसको सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। ग्रहों के राजा सूर्य 17 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। इसके साथ ही 27 सितंबर को हस्त नक्षत्र और 10 अक्टूबर को चित्रा नक्षत्र में चले जाएंगे। 17 अक्तूबर को तुला राशि में गोचर करेंगे।

शुभ - वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला और कुंभ

अशुभ - मेष, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। बड़े मामले सामने आएंगे। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते हैं। बारिश और बर्फबारी होने की आशंका है। सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो।9460872809

हाथ की इन तीन रेखाओं के बारे में जानने वाला, समझने लगता है भविष्य के संकेत

जब तक कोई अनुभव हमारी इंद्रियों या अंतर्मन से न जुड़ जाए, तब तक उस पर विश्वास करना कठिन होता है, यही कारण है कि दुनिया में आस्तिक और नास्तिक जैसी दो विचारधाराएं हैं। ये दोनों विचारधाराएं एक-दूसरे से भिन्न होते हुए भी गहराई में जाकर देखे जाएं तो एक-दूसरे पर अन्योन्याश्रित हैं। मानव की जिज्ञासा और उसकी आस्था तथा निराशा के बीच ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान एक अनोखा सेतु है।

हथेली की रेखाएँ व्यक्ति की प्रवृत्तियों, क्षमताओं और स्वभाव की गुप्त चाबी हैं। जैसे जन्मकुण्डली में ग्रह संकेत रूप में व्यक्ति के बारे में सब कुछ बता देते हैं, उसी प्रकार से हाथों की लकीरें बहुत सारे रहस्यों का पर्दाफाश करती हैं। इसलिए प्राचीन ऋषियों से लेकर आधुनिक विद्वानों तक, हर युग में ज्योतिष शास्त्र के अन्तर्गत हस्तरेखा तथा जन्मकुण्डली विज्ञान, मानव स्वभाव और नियति को समझने का एक सशक्त माध्यम है।

अध्यात्मिकवेत्ताओं के अनुसार ब्रह्मांड के सारे नियम मनुष्य के जीवन पर भी लागू होते हैं। ज्योतिष शास्त्र कार्य-कारण सिद्धांत के अनुसार चलता है। जैसे किसी बीज में भविष्य का पेड़ छिपा होता है, वैसे ही किसी व्यक्ति की हथेली और उसकी जन्मकुण्डली में उसका भविष्य और व्यक्तित्व की दिशा अंकित होती है।

ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा, जन्मकुण्डली इत्यादि के द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को केवल भविष्यवाणी तक ही सीमित नहीं करना चाहिए, बल्कि ये प्रकृति द्वारा जीवन में दी गई अनन्त संभावनाओं को पहचानने का माध्यम है। अनन्त सम्भावनाओं में से व्यक्ति अपने लिए, अपनी सफलता के लिए सम्भावनाओं का चयन कर उस पर दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ अपना भविष्य बना सकता है।

मस्तिष्क रेखा है व्यक्ति की मानसिकता का दर्पण - मस्तिष्क रेखा हथेली में व्यक्ति की बुद्धि, विचार शक्ति और मानसिक प्रवृत्ति को दर्शाती है।

हृदय रेखा है स्नेह और भावनाओं की पहचान - हृदय रेखा प्रेम, करुणा और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है।

जीवन रेखा है जीवन शक्ति और आयु का संकेत - जीवन रेखा व्यक्ति की आयु, जीवनशक्ति और स्वास्थ्य को दर्शाती है।

हथेली की तीन रेखाओं को विस्तार से जानने वाला भविष्य की दिशा समझने लगता है।

सितंबर में व्रत-त्यौहारों की धूम... चंद्र ग्रहण से लेकर नवरात्रि तक, जानें खास तिथियां

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के साथ सितंबर माह का आरंभ हो रहा है। व्रत-त्योहार के लिहाज से यह महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इस महीने अनंत चतुर्दशी, एकादशी, नवरात्रि के साथ-साथ कई बड़े व्रत त्योहार पड़ रहे हैं। इसके साथ ही इस महीने पितृ पक्ष का भी आरंभ हो रहा है।

ऐसे में इस माह में दान-पुण्य करने का भी विशेष महत्व है। वहीं, सितंबर में ग्रहण भी लगने जा रहा है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार सितंबर का महीना धार्मिक उत्सवों और अनुष्ठानों के साथ ही खगोलीय घटनाओं की वजह से भी खास होने वाला है।

सितंबर का महीना तीज-त्योहारों से भरा

सितंबर की शुरुआत गणेश उत्सव के साथ हो रही है। इसके बाद उनका विसर्जन होगा और अगले दिन पितृ पक्ष के अनुष्ठान के लिए लोग तैयारी करेंगे। इसके तुरंत बाद मां दुर्गा के आगमन की धूमधाम शुरू हो जाएगी।

सितंबर का महीना धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। इस महीने में कई बड़े पर्व और व्रत आने वाले हैं। जिनमें गणेश विसर्जन, अनंत चतुर्दशी, जीवित्पुत्रिका व्रत, वामन जयंती और शारदीय नवरात्रि जैसे प्रमुख पर्व शामिल हैं।

इसके साथ ही भाद्रपद पूर्णिमा के बाद पितृ पक्ष की शुरुआत होगी। जिसके दौरान लोग अपने पितरों का तर्पण और श्राद्ध करेंगे। इसी महीने साल का अंतिम चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण भी पड़ेगा, जो खगोलीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

सितंबर का महीना मां दुर्गा को समर्पित

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि आश्विन महीने की शुरुआत होने वाली है। यह महीना जगत की देवी मां दुर्गा को समर्पित होता है। इस महीने में कई प्रमुख व्रत-त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें शारदीय नवरात्र और पितृ पक्ष प्रमुख हैं।

इसके साथ ही सर्वपितृ अमावस्या, इंदिरा एकादशी, आश्विन शिवरात्रि, आश्विन प्रदोष व्रत और जितिया व्रत भी मनाए जाएंगे। यह महीना धार्मिक महत्व के साथ-साथ ग्रहों की चाल और खगोलीय घटनाओं की वजह से भी खास रहेगा। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के बाद पितृपक्ष आरंभ होगा।

जहां लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण करेंगे। इसके बाद नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विशेष पूजा-अर्चना होगी। इस दौरान कई पर्व एक के बाद एक आने वाले हैं, जिससे भक्तों में धार्मिक उत्साह और भी बढ़ेगा।

सितंबर माह में बुध का राशि परिवर्तन

सितंबर माह की शुरुआत बुद्धि और वाणी के ग्रह बुध से होगी। बुध 4 सितंबर से कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। फिर इसके बाद ग्रहों के राजा सूर्य 16 सितंबर से कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के राशि परिवर्तन करने से कन्या राशि में सूर्य और शुक्र की युति बनेगी।

16 सितंबर के बाद 18 सितंबर को सुख, वैभव और भोगविलास के कारक शुक्र तुला राशि में प्रवेश कर जाएंगे। बुध फिर 23 सिंतबर को सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इस तरह के सितंबर माह में ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों को विशेष लाभ मिल सकता है।

3 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि 3 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी होगी। इसके बाद 4 सितंबर को वामन जयंती मनाई जाएगी। 6 सितंबर को गणेश विसर्जन और अनंत चतुर्दशी का बड़ा पर्व होगा। फिर 7 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा व्रत और साल का दूसरा चंद्र ग्रहण लगेगा।

8 सितंबर से पितृ पक्ष की शुरुआत होगी। 10 सितंबर को विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी का व्रत होगा। वहीं 14 सितंबर को माताएं जीवित्पुत्रिका व्रत रखेंगी। इसके बाद 17 सितंबर को एकादशी श्राद्ध, इंदिरा एकादशी और कन्या संक्रांति का संयोग रहेगा।

18 सितंबर को गुरु पुष्य योग बनेगा, तो 19 सितंबर को मासिक शिवरात्रि और प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। 21 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या होगी, जिसके साथ श्राद्ध पक्ष का समापन होगा। 22 सितंबर को शारदीय नवरात्रि घटस्थापना के साथ आरंभ होगी।

25 सितंबर को विनायक चतुर्थी और स्कंद षष्ठी आएंगे। महीने का समापन 30 सितंबर को दुर्गाष्टमी और सरस्वती पूजा के साथ होगा।

चंद्र ग्रहण 7 सितंबर को

सितंबर में दो खगोलीय घटनाएं घटित होंगी। पहला 7 सितंबर को साल का अंतिम चंद्र ग्रहण होगा, जो भारत में दिखाई देगा। यह रात 9:58 बजे शुरू होकर 8 सितंबर की रात 1:26 बजे समाप्त होगा। इसका सूतक काल दोपहर 12:57 बजे से प्रारंभ हो जाएगा। वहीं, 21 सितंबर को साल का आखिरी सूर्य ग्रहण होगा। यह भारत में दिखाई नहीं देगा। लेकिन भारतीय समयानुसार यह रात 11 बजे से शुरू होकर 22 सितंबर की सुबह 3:24 बजे तक रहेगा।

सितंबर व्रत-त्योहार

01 सितंबर 2025 - ज्येष्ठ गौरी पूजा
02 सितंबर 2025 - ज्येष्ठ गौरी विसर्जन
03 सितंबर 2025 - परिवर्तिनी एकादशी
04 सितंबर 2025- वामन जयंती, भुवनेश्वरी जयन्ती और कल्की द्वादशी
05 सितंबर 2025- ओणम, शिक्षक दिवस और शुक्र प्रदोष व्रत
06 सितंबर 2025- गणेश विसर्जन और अनंत चतुर्दशी
07 सितंबर 2025- भाद्रपद पूर्णिमा व्रत और पूर्णिमा श्राद्ध
08 सितंबर 2025- पितृ पक्ष की प्रतिपदा तिथि का श्राद्ध किया जाएगा
10 सितंबर 2025- विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी
11 सितंबर 2025 - महा भरणी और पंचमी तिथि का श्राद्ध
12 सितंबर 2025- मासिक कार्तिगाई
14 सितंबर 2025 - जीवित्पुत्रिका व्रत और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
17 सितंबर 2025 - एकादशी श्राद्ध, इंदिरा एकादशी, कन्या संक्रांति और विश्वकर्मा पूजा
19 सितंबर 2025- मासिक शिवरात्रि और शुक्र प्रदोष व्रत
21 सितंबर 2025 - सर्वपितृ अमावस्या, दर्श अमावस्या और आश्विन अमावस्या
22 सितंबर 2025- शारदीय नवरात्रि शुरू, घटस्थापना और महाराजा अग्रसेन जयन्ती
25 सितंबर 2025 - विनायक चतुर्थी
27 सितंबर 2025 - संकंद षष्ठी
30 सितंबर 2025 - सरस्वती पूजा और मासिक दुर्गाष्टमी

कर्क सहित अन्य राशियों को मिलेगा शिव कृपा से धन का लाभ

आज यानी 1 सितंबर को सोमवार है और आज के दिन भाद्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का संयोग बना है। इस पर आज के दिन श्रीचंद नवमी का संयोग बनेगा। और आज के दिन के देवता भगवान शिव रहेंगे। जबकि आज के दिन चंद्रमा का गोचर वृश्चिक उपरांत धनु राशि में होगा जो बहुत ही शुभ संयोग है। और तो और आज के दिन चंद्रमा पर गुरु और मंगल की शुभ दृष्टि होने से कई शुभ योगों का निर्माण होगा और ज्येष्ठा उपरांत मूल नक्षत्र के संयोग में रवियोग का संयोग बनेगा। जिससे आज के दिन मेष, कर्क सहित 5 राशियों के जातक बहुत ही भाग्यशाली रहेंगे।

मेष राशि - मेष राशि के जातको के लिए आज सोमवार का दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक होगा। आपको कहीं से अचानक धन का लाभ मिल सकता है। सरकारी क्षेत्र से आपको आज आज के दिन फायदा हो सकता है। जो लोग रक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं उनको आज विशेष रूप से लाभ और सम्मान मिलने का योग है। घर परिवार के मामले में भी आज का दिन मेष राशि के जातकों के लिए बहुत ही भाग्यशाली रहेगा। आपको किसी शुभ काम में शामिल होने का मौका मिलेगा। पैतृक धन संपत्ति का भी आज के दिन आपको लाभ मिलता दिख रहा है। आप कोई नया काम शुरू करना चाह रहे हैं तो इसमें आज के दिन आपको भाग्य का पूरा साथ प्राप्त होगा।

उपाय- शिव चालीसा का पाठ करें और शिवजी का दूध से अभिषेक करें।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों के लिए आज सोमवार दिन एक से अधिक स्रोत से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको आज बिजनेस में बड़ी डील मिल सकती है। आपका कोई निर्णय लाभ का संयोग बनाएगा। किसी को पैसे उधार दिए हैं तो आपको अपना पैसा वापस मिल सकता है। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सहयोगियों और सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके लिए आज के दिन सरकारी क्षेत्र में सफलता मिलने का योग बना हुआ है। कानूनी मामला

कोई चल रहा है तो इसमें आपको सफलता मिल सकती है। आपको आज मनपसंद भोजन मिलने का भी संयोग बना है।

उपाय- आपको दिन को शुभ लाभदायक बनाए रखने के लिए माता से आशीर्वाद लेना चाहिए और दुर्गा चालीसा का पाठ भी करना चाहिए।

कन्या राशि - आज का दिन कन्या राशि के लोगों के लिए भाग्य के सहयोग से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको उन क्षेत्रों से भी फायदा मिलेगा जहां से आपने उम्मीद भी नहीं की है। आपका कोई जरूरी काम जो काफी समय से फंसा हुआ था वह फिर से शुरू हो सकता है। कन्या राशि के छात्र आज के दिन शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर पाएगे। आपको आर्थिक योजनाओं का लाभ मलेगा। आपके अधिकारी आज के दिन आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। आपको आज पद प्रतिष्ठा का भी लाभ मिलने वाला है। सुख साधनों में वृद्धि होने से आपको आज खुशी मिलेगी। भाइयो से आपको सहयोग मिलेगा।

उपाय- आपको आज के दिन उपाय के तौर पर गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए।

तुला राशि - तुला राशि के लोगों के लिए आज सोमवार का दिन वाणी कुशलता और चतुराई से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको आज के दिन किसी मित्र या सहकर्मी की मदद से लाभ मिल सकता है। कोई सोचा हुआ अधूर काम आपका पूरा होगा। आज के दिन आपके सितारे बताते हैं कि आपको अपनी कला और व्यक्तित्व का भी फायदा मिलेगा। कोई विपरीत लिंगी मित्र और सहकर्मियों से आपको आज सहयोग मिलेगा। बीमार चल रहे जातकों के स्वास्थ्य में आज सुधार दिखेगा। कहीं से आपको आज के दिन कोई अच्छी खबर भी मिल सकती है। लव लाइफ के मामले में आज के दिन आप भाग्यशाली रहेंगे। परिवार और जीवनसाथी से आपको सहयोग मिलेगा। बच्चों की ओर से भी आप खुशी पाएंगे।

उपाय-आपको आज के दिन उपाय के तौर पर चावल या कोई अन्य सफेद वस्तुओं का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि - कुंभ राशि के लिए आज का दिन अप्रत्याशित रूप से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज कुछ ऐसे स्रोत से अचानक ही फायदा मिल सकता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी। आपको आज के दिन सरकारी काम में सफलता मिलेगी। कोई अपरिचित व्यक्ति आपकी मदद कर सकता है। आपको आज के दिन तकनीकी ज्ञान का अनुभव मिलेगा। जो लोग इंजीनियरिंग या बिजली से उपकरण के काम से जुड़े हुए हैं उनको विशेष रूप से फायदा मिलेगा। नौकरी में आपको अधिकारी वर्ग से प्रोत्साहन मिल सकता है और कोई काम जो आपका पूर्व में अटक गया है वह भी शुरू हो सकता है। बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्रा सफल और लाभदायक रहेगी।

उपाय- आपको आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए तुलसी की मंजरी भगवान विष्णु को अर्पित करना चाहिए और राहु के मंत्र ओम रां राहवे नमः का जप करना चाहिए।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

नई विश्व व्यवस्था से बेचैनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी दो दिवसीय जापान की सफलतापूर्वक यात्रा संपन्न करके शनिवार को चीन पहुंच गए जहां उन्हें रविवार व सोमवार को दिन 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेना है और इस बैठक के इतर चीन, रूस एवं ईरान के साथ ही कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है। इस बैठक में हिस्सा तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को भी लेना है किंतु उनसे तो यदि दुआसलाम हो जाए तब भी बहुत बड़ी खबर बन सकती है। इस बार की एससीओ बैठक निश्चित रूप से बहुचर्चित होने वाली है क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री मोदी के शामिल होने को अमेरिका ने बहुत ज्यादा हल्ला मचाया है। अमेरिका एससीओ से भी उतना ही भड़क रहा है जितना कि वह ब्रिक्स से खौफ खाता है। असल में एससीओ की शुरुआत 1996 में शंघाई फाइव के रूप में हुई थी जिससे चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, और ताजिकिस्तान शामिल थे। उस वक्त इस संगठन का उद्देश्य था कि शीत युद्ध के बाद सीमा विवादों को सुगमता एवं समझदारी से निपटाना। 2001 में उज्बेकिस्तान के शामिल हो जाने के बाद इस संगठन का नाम शंघाई सहयोग संगठन हो गया। 2017 में भारत व पाकिस्तान तथा 2023 में ईरान और 2024 में बेलारूस के सदस्य बनने के बाद इसके स्वरूप में व्यापक विस्तार हुआ। यही नहीं इस संगठन में डायलाग पार्टनर के रूप में सउदी अरब, मिस्र, तुर्की, म्यांमार, श्रीलंका और कम्बोडिया जैसे 14 देशों को शामिल करके दुनिया के बनते-बिगड़ते समीकरणों में सक्षम बनाने के लिए एससीओ को और बड़ा स्वरूप बनाया गया। एससीओ के इस विस्तार से अमेरिका और यूरोप के देशों की आशंका स्वाभाविक है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा को ट्रंप द्वारा भारत के खिलाफ अनावश्यक टैरिफ से जोड़कर देख रहा है। यह सच है कि जून में जिस तरह राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु को पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच सहयोग, विश्वास और व्यवसाय बढ़ाने पर जोर दिया और उसके बाद विदेश मंत्री और एनएसए को भेज कर चीन के आशय को समझने की कोशिश गई, वह इस तथ्य का परिचायक है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस बात का अच्छी तरह एहसास हो गया है कि ट्रंप प्रशासन पर भरोसा करना आत्मघात साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी यह भी जानते हैं कि चीन विश्वसनीय नहीं है, किंतु वह यह भी जानते हैं ट्रंप के झूठ और दबंगई से भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में अस्थिरता आना निश्चित है, इसीलिए भारत की तरफ से चीन के साथ जब संबंधों को सामान्य बनाने पर सहमति बन गईं तभी चीन के विदेश मंत्रालय और भारत में चीन के राजदूत ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्लस 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने को गलत और अन्यायपूर्ण बताकर वाशिंगटन डीसी को यह संकेत दे दिया कि उसे भारत के साथ संबंधों को सामान्य करने और सहयोग बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं है। इस बीच चीन के विदेश मंत्री ने भारत में आकर भारत के लिए प्रतिबंधित दुर्लभ मृदा उर्वरक और सुरंग खोदने की मशीन देने की घोषणा कर दी। दूसरी तरफ अमेरिका ने 25 प्रतिशत टैरिफ यह कहकर भारत पर ठोंक दिया कि भारत द्वारा रूस से तेल लिया जाता है और उसी पैसे से रूस यूक्रेन पर हमले कर रहा है। अब देखने की बात तो यह है कि एक तरफ चीन भारत से नजदीकियां बढ़ा रहा है जबकि दूसरी तरफ ट्रंप और उनके सलाहाकार भारत पर इस तरह दुराशय के वशीभूत होकर टैरिफ लगाए जा रहे हैं। नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी से संबंध एक बार फिर तीस साल पुरानी स्थिति में यानि न्यूनतम स्तर पर पहुंचाने के लिए ट्रंप आमादा हैं। लेकिन चीन से संबंध सुधारने के लिए भारत पर दोषारोपण भी करते हैं। ट्रंप के व्यापार सलाहाकार पीटर नवारी तो यहां तक कहते हैं कि जिस चीन ने भारत के अक्साईं चिन और लद्दाख के बड़े भू-भाग पर बलपूर्वक कब्जा कर रखा है, उसे देखते हुए भारत को चीन से सहयोग बढ़ाना हैरानी की बात है। चीन से बढ़ते संबंधों को लेकर अमेरिका की बैचेनी पर भारत को किसी तरह की संवेदनशीलता नजर नहीं आती क्योंकि भारत अब किसी के सलाह पर अपनी विदेश, व्यापार और रक्षा नीति का निर्धारण नहीं करता किंतु भारत उतना जरूर जानता और समझता है कि मित्रता की आड़ में राष्ट्रीय हितों पर आघात करने वाले से अच्छा वह शत्रु है जो खुलेआम लड़ता है और दोनों के कामन शत्रुता का सामना करने के लिए एकजुटता के लिए सहमति व्यक्त करता है।

25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेना है और इस बैठक के इतर चीन, रूस एवं ईरान के साथ ही कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है। इस बैठक में हिस्सा तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को भी लेना है किंतु उनसे तो यदि दुआसलाम हो जाए तब भी बहुत बड़ी खबर बन सकती है। इस बार की एससीओ बैठक निश्चित रूप से बहुचर्चित होने वाली है क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री मोदी के शामिल होने को अमेरिका ने बहुत ज्यादा हल्ला मचाया है। अमेरिका एससीओ से भी उतना ही भड़क रहा है जितना कि वह ब्रिक्स से खौफ खाता है। असल में एससीओ की शुरुआत 1996 में शंघाई फाइव के रूप में हुई थी जिससे चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, और ताजिकिस्तान शामिल थे। उस वक्त इस संगठन का उद्देश्य था कि शीत युद्ध के बाद सीमा विवादों को सुगमता एवं समझदारी से निपटाना। 2001 में उज्बेकिस्तान के शामिल हो जाने के बाद इस संगठन का नाम शंघाई सहयोग संगठन हो गया। 2017 में भारत व पाकिस्तान तथा 2023 में ईरान और 2024 में बेलारूस के सदस्य बनने के बाद इसके स्वरूप में व्यापक विस्तार हुआ।

जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदीरी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदीरी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके। निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है। जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक

भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी। हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक 'पैसिव खिलाड़ी' से 'ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है। भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रूवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विस्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर 'क्वाड' को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है। इससे चीन की एकध्रूवीय शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगता है।

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ बाधाओं ने भारत-जापान को विकल्प खोजने पर मजबूर किया है। दोनों देश मिलकर 'चीन-प्लस-वन' रणनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, यानी चीन पर निर्भरता कम करके एशिया और अफ्रीका के नए बाजारों में निवेश और उत्पादन केंद्र बना सकते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संतुलित होगी। जापान भारत में बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। भारत की युवा कार्यशक्ति और जापान की तकनीकी दक्षता मिलकर नवाचार और टिकाऊ विकास का मॉडल पेश कर सकती है। यह मॉडल पश्चिमी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी अर्थशास्त्र से भिन्न होगा। दोनों देशों के बीच संबंध केवल रणनीति या व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि साझा मानवीय मूल्यों से नैतिक गहराई प्रदान करने का आधार भी है। यह मित्रता 'सॉफ्ट पावर' के रूप में भी वैश्विक शांति को आधार देगी। यह न तो किसी आक्रामक गठबंधन का रूप है और न ही केवल आर्थिक लाभ का गणित।

देश दुनिया से

विभाजन की त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोग

यदि देश का विभाजन जरूरी हो ही गया था तो बंटवारा के लिए डॉ. आंबेडकर की जनसंख्या के संपूर्ण स्थानांतरण की योजना स्वीकार कर ली गईं होती अर्थात सारे हिन्दू भारत में और सारे मुसलमान पाकिस्तान में चले जाते, ऐसी स्थिति में पाकिस्तान में रह गए हिन्दुओं का शोषण न होता और भारत में न हिदूमुस्लिम झगड़ा होता और न ही हिदू राष्ट्र बनाने की मांग उठती। बसंत वुमार हजारों वर्ष गुलामों झेलने वाले भारत को 1947 में आजादी मिली और भारत 1950 में अपने संविधान को अंगीवृत करके एक गणराज्यों बना लेकिन इस आजादी की कीमत हमें भारत के धरमिक आधार पर विभाजन के रूप में भारत और पाकिस्तान के रूप में चुकानी पड़ी, एक ओर हम जहां अग्रेजों से आजादी का जश्न मना रहे थे वहीं दूसरी ओर बंटवारे के कारण हिदू मुस्लिम के नाम पर लाखों लोगों के मारे जाने की खबरें आ रही थीं। इससे बड़ी त्रास्दी और क्या हो सकती थी कि जहां हम 15अगस्त 1947 को आजादी का जश्न मना रहे थे वहीं हमारी स्वतंत्रता आंदोलन के अग्नि नेता महात्मा गांधी दिल्ली से दूर पामि बंगाल में हिदू-मुस्लिम दंगों को शांत कराने में लगे थे। विभाजन के बाद बने दो देश आज भी दो पड़ोस देशों की तरह शांति पूर्वक नहीं रह पा रहे हैं और दोनों के बीच तीन चार युद्ध हो चुके है और सैनिक झड़पें आम बात है। पर भारत में अभी भी यह बहस चलते रहते हैं कि विभाजन का दोषी कौन है। जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है वह देश के बंटवारे के लिए दूसरे को दोषी ठहराता है, वुछ दिन पूर्व एनसीईआरटी की पुस्तकों में यह पाठाव्रम जोड़ा गया है कि बंटवारे के लिए कांग्रेस, जिन्ना और अंग्रेज हुवूमत दोषी थे और कांग्रेस के सत्ता काल में विभाजन के लिए हिन्दू महासभा और मुस्लिम लीग को दोषी ठहराया जाता रहा। देश के विभाजन के समय से ही इस विभाजन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों और जिम्मेदार संगठनों की सूची बनाने का काम अभी तक भी चल रहा है और सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इन बातों से कक्षा 8 से लेकर कक्षा 12 तक के बच्चों को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह बात सच है कि देश के विभाजन के लिए कांग्रेस, मोहम्मद अली जिन्ना और अंग्रेज हुवूमत को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, पर कांग्रेस समर्थक इस विभाजन के लिए जिम्मेदार विनायक दामोदर सावरकर और उन्हें द्वि राष्ट्र सिद्धांत को मनाते हैं। ये लोग कहते है कि सावरकर के हिदुत्व के सिद्धांत और उनके नेतृत्व में हिदू महा सभा ने ऐसी परिस्थितियां बना दी कि देश का विभाजन वार्ता की मेज पर बैठने से पहले ही तय हो गया था। महात्मा गांधी के बार बार यह कहने पर कि देश का बटवारा उनकी लाश पर होगा। पर वे देश का विभाजन नहीं रोक पाए और उसका मुख्य कारण हिदुत्व राष्ट्रवाद और मुस्लिम राष्ट्रवाद के सिद्धांत थे। देश को दो राष्ट्र का सिद्धांत देने वाले सावरकर थे और वे कहते थे कि देश में दो राष्ट्र हो सकते हैं पर दोनों राष्ट्र एक देश में रहेंगे पर जिन्ना ने सावरकर को दो राष्ट्र के सिद्धांत को आधार बना कर यह कहना शुरू कर दिया कि हिदू और मुस्लिम दो अलग-अलग क़ौम है और वे एक साथ नहीं रह सकती। सावरकर के दो राष्ट्र सिद्धांत और भारत विभाजन में इसके प्रभाव को डा आंबेडकर ने अपनी पुस्तक 'पाकिस्तान आर परटिशन ऑफ इंडिया' में भलीभांति समझाया है। आंबेडकर के अनुसार सावरकर की टू नेशन थियरी का सार यह है कि हिदू और मुस्लिम दो अलग-अलग संस्वृतिया हैं पर ये दोनों एक देश मे रह सकती है, दोनों का एक संविधान होगा और देश में बहुसंख्यक होने के नाते हिन्दू समुदाय प्रमुख होगा और मुस्लिमों समुदाय जो जनसंख्या के हिसाब से अल्पसंख्यक है उसे हिदुओं के साथ सहयोग करकर रहना होगा। पर मुस्लिम समुदाय ने इस देश पर अल्पसंख्यक होते हुए भी शादियों तक शासन किया है वे हिदुओं को इस देश में शासक के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। वे शासन और सत्ता में बराबर का हिस्सा चाहते थे। इसलिए दोनों ही राष्ट्र एक दूसरे का सम्मान करते हुए कहा हिन्दू बहुसंख्यक है वहां हिन्दू शासक हो और नॉर्थ वेस्ट प्रोविसेस (रेंइ) और बंगाल जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं वहां मुस्लिम शासक हो इस तरह से हिदू मुस्लिम नाम के दो राष्ट्र एक देश और एक संविधान पर सहमत हो सकते थे। पर न तो हिदू महासभा और न ही कांग्रेस के नेता मुसलमानों की इस शर्त पर सहमत थे और महात्मा गांधी इस मामले में अलग थलग पड़ गए थे और जिन्ना ने अलग देश पाकिस्तान की मांग कर दी और लॉर्ड माउंट बेटन ने इसे स्वीकार कर लिया।अब प्रश्न यह उठता है कि ऐसा क्या करके यह विभाजन रोका जा सकता था। यहां पर हिदू और मुस्लिम राष्ट्र सिद्धांत मानकर सारी कोशिश होती रही, पर हिदू समाज के एक वर्ग ऐसा भी था जो हिदू धर्म के चतुर्वर्ण सिस्टम में नही फिट बैठता था यानि उसकी गिनती ब्राrण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र में कही नहीं होती थी उसे पंच वर्ण के रूप में अछूत कहा जाता है। इनके बारे में डा आंबेडकर और सावरकर जी एक साथ खड़े मिलते हैं दोनों ही छुआ छूत मिटाना चाहते हैं पर दोनों के रास्ते अलग अलग है । सन 1930 में अंग्रेज हुवूमत ने मुसलमानों की भांति दलितों के लिए अलग निर्वाचन मंडल की घोषणा की पर डा. आंबेडकर देश का विभाजन नहीं चाहते थे और इसीलिए 1932 में महात्मा गांधी के साथ पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए। और यह तय हुआ जब तक देश में छुआ छूत समाप्त नहीं होता तब तक दलितों के लिए आरक्षण रहेगा के जब 1935 के हिन्दू धर्म में व्याप्त छुआ छूत से तंग आकर हिदू धर्म छोड़ने की धमकी दे दी इस पर सावरकर ने यह भरोसा दिलाया था कि हिदू समाज से छुआ छूत 10 वर्षो में समाप्त हो जायेगा। सम्भवतः इसी कारण डा. आंबेडकर ने संविधान निर्माण के समय आरक्षण की समय सीमा 10 वर्ष ही रखी, पर हिदू धर्म से 10 वषरे में छुआ छूत समाप्त होने का आंबेडकर और सावरकर दोनों का अनुमान गलत निकला। जहां तक कांग्रेस के लोगों का सावरकर के विषय में जो पूर्वा ग्रह है वो उनकी मृत्यु पर श्रीमति इंदिरा गांधी द्वारा दी गईं श्रद्धांजलि से स्पष्ट हो जाता है- 'इंदिरा गांधी ने विनायक दामोदर सावरकर को रिमाव्रेबल सन ऑफ इंडिया कहा। सावरकर का ब्रिटिश सरकार का प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काफ़ी अहम है' यदि उस समय के सभी नेता गांधी, नेहरू, सरदार पटेल, सावरकर आदि भारत के विभाजन को रोकना चाहते थे तो प्रधानमंत्री के रूप में प जवाहर लाल नेहरू, मोहम्मद अली जिन्ना, सरदार पटेल के स्थान पर डा. आंबेडकर को प्रधानमंत्री बना देते तो वो दोनों पक्षों को स्वीकार हो जाते और मोहम्मद अली जिन्ना को पाकिस्तान के निर्माण के लिए जोगिदर नाथ मंडल का भी साथ नहीं मिलता और जिन्ना की दलित मुस्लिम एलायंस की चाल कामयाब नहीं होती। यदि देश का विभाजन जरूरी हो ही गया था तो बंटवारा के लिए डॉ. आंबेडकर की जनसंख्या के संपूर्ण स्थानांतरण की योजना स्वीकार कर ली गईं होती अर्थात सारे हिन्दू भारत में और सारे मुसलमान पाकिस्तान में चले जाते, ऐसी स्थिति में पाकिस्तान में रह गए हिन्दुओं का शोषण न होता और भारत में न हिदू-मुस्लिम झगड़ा होता और न ही हिदू राष्ट्र बनाने की मांग उठती।

कुछ अलग

मेरे साथ-मेरा क्या जाएगा...........

एक विद्वान साधु थे जो दुनियादारी से दूर रहते थे। वह अपनी ईमानदारी,सेवा तथा ज्ञान के लिए प्रसिद्ध थे। एक बार वह पानी के जहाज से लंबी यात्रा पर निकले।उन्होंने यात्रा में खर्च के लिए पर्याप्त धन तथा एक हीरा संभाल के रख लिया । ये हीरा किसी राजा ने उन्हें उनकी ईमानदारी से प्रसन्न होकर भेंट किया था सो वे उसे अपने पास न रखकर किसी अन्य राजा को देने जाने के लिए ही ये यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान साधु की पहचान दूसरे यात्रियों से हुई। वे उन्हें ज्ञान की बातें बताते गए। एक फ़क़ीर यात्री ने उन्हें नीचा दिखाने की मंशा से नजदीकियां बढ़ ली। एक दिन बातों-बातों में साधु ने उसे विश्वासपात्र अल्लाह का बन्दा समझकर हीरे की झलक भी दिखा दी। उस फ़क़ीर को और लालच आ गया। उसने उस हीरे को हथियाने की योजना बनाई। रात को जब साधु सो गया तो उसने उसके झोले तथा उसके वस्त्रों में हीरा ढूंढा पर उसे नही मिला। अगले दिन उसने दोपहर की भोजन के समय साधु से कहा कि इतना कीमती हीरा है,आपने संभाल के रक्खा है न। साधु ने अपने झोले से निकलकर दिखाया कि देखो ये इसमे रखा है। हीरा देखकर फ़क़ीर को बड़ी हैरानी हुई कि ये उसे कल रात को क्यों नही मिला। आज रात फिर प्रयास करूंगा ये सोचकर उसने दिन काटा और सांझ होते ही तुंरन्त अपने कपड़े टांगकर, समान रखकर, स्वास्थ्य ठीक नही है कहकर जल्दी सोने का नाटक किया। निश्चित समय पर सन्ध्या पूजा अर्चना के पश्चात जब साधु कमरे में आये तो उन्होंने फ़क़ीर को सोता हुआ पाया । सोचा आज स्वास्थ ठीक नही है इसलिए फ़क़ीर बिना इबादत किये जल्दी सो गया होगा।

आप का नजरिया

अर्धनग्न मुजरे के दौर में गुम होती साहित्यिक स्त्रियाँ

आज के समय में जब हर हाथ में स्मार्टफोन और हर मन में लाइक्स व फॉलोअर्स की भूख पल रही है, तब साहित्य और किताबें पढ़ने वाली स्त्रियों का अस्तित्व कहीं पीछे छूटता जा रहा है। यह दौर इंस्टाग्राम रील्स, टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स और डिजिटल मनोरंजन का है। यहाँ अर्धनग्न होकर मुजरा करने वाली छवियाँ सेकंडों में लाखों लोगों तक पहुँच जाती हैं, पर वहीं गंभीर साहित्य, कविता या आलोचना पढ़ने वाली स्त्रियों की आवाज़ मानो कहीं दबकर रह जाती है। यह केवल एक सामाजिक विडंबना नहीं बल्कि सांस्कृतिक संकट भी है। सदियों से स्त्रियाँ साहित्य के माध्यम से समाज की आत्मा को संवेदनाओं और करुणा से सींचती रही हैं। महादेवी वर्मा, अमृता प्रीतम, कृष्णा सोबती, मैत्रेयी पुष्पा जैसी लेखिकाएँ न केवल साहित्य रचती थीं बल्कि स्त्री की अस्मिता और समाज की चेतना का प्रतीक भी थीं। लेकिन आज का समय उन्हें पढ़ने से अधिक उन्हें "कोट्स" बनाकर इंस्टाग्राम स्टोरी पर सजाने में व्यस्त है। आज की पीढ़ी का बड़ा हिस्सा विजुअल कंटेंट में उलझा है। वीडियो और तस्वीरों की त्वरित खपत ने किताबों की धीमी, गहरी और आत्ममंथन कराने वाली दुनिया को पीछे धकेल दिया है। स्त्रियाँ, जो कभी किताबों में आत्मा का सहारा खोजती थीं, अब सोशल मीडिया पर ग्लैमराइज्ड आइडेंटिटी गढ़ने में मजबूर हो रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया स्त्रियों को मंच देता है, पर यह मंच अक्सर उनके शरीर को अधिक महत्व देता है, विचारों को नहीं। यही कारण है कि इंस्टाग्राम पर एक नृत्य या अर्धनग्न अभिनय लाखों लाइक्स पा लेता है, लेकिन किसी स्त्री द्वारा किया गया साहित्यिक विश्लेषण सैकड़ों पर भी नहीं पहुँचता। साहित्य पढ़ने और रचने वाली स्त्रियाँ समाज में गहरी छाप छोड़ती थीं। वे अपने लिखे से व्यवस्था को चुनौती देती थीं, रिश्तों की नई परिभाषा गढ़ती थीं और स्त्री-पुरुष समानता की नई जमीन तैयार करती थीं। लेकिन आज, प्राथमिकताएँ बदल गई हैं। आधुनिक स्त्री अक्सर अपने को साबित करने के लिए सोशल मीडिया की दौड़ में शामिल हो जाती है। यहाँ सुंदरता और आकर्षण अधिक बिकते हैं, विचार और भावनाएँ कम। यह विडंबना है कि जिस साहित्य ने स्त्रियों को आवाज़ दी, वही साहित्य अब उनकी आवाज़ की प्रतीक्षा कर रहा है। महादेवी वर्मा की कविताएँ स्त्री की करुणा, पीड़ा और सौंदर्य का ऐसा प्रतिरूप थीं, जिन्हें पढ़कर आत्मा झंकृत हो जाती थी। वे लिखती थीं—"मैं नीर भरी दुख की बदली..." उनकी कविताओं में स्त्री की आत्मा बोलती थी, पर आज वही आत्मा इंस्टाग्राम फिल्टर और बैकग्राउंड म्यूज़िक के शोर में दबती जा रही है। जहाँ पहले स्त्रियाँ समाज से कहती थीं कि "मेरी आवाज़ सुनो", आज वे मजबूर हैं यह कहने पर कि "मेरे डांस को लाइक करो।" यही सबसे बड़ा सांस्कृतिक पतन है। हालाँकि यह कहना पूरी तरह उचित नहीं होगा कि साहित्य पढ़ने वाली स्त्रियाँ गायब हो गईं। वे अब भी मौजूद हैं, पर उनका दायरा सीमित हो गया है। पुस्तकालयों, विश्वविद्यालयों और छोटे-छोटे साहित्यिक मंचों पर अब भी स्त्रियाँ साहित्य पढ़ रही हैं, लिख रही हैं और चर्चा कर रही हैं। फर्क बस इतना है कि उनका स्वर उतना बुलंद नहीं है जितना सोशल मीडिया के ग्लैमरस कंटेंट का है। असल में समस्या प्लेटफॉर्म की भी है। इंस्टाग्राम का एल्गोरिद्म ही ऐसा है जो मनोरंजन और तड़क-भड़क को प्राथमिकता देता है। गंभीर साहित्य या लंबी पढ़ाई वहाँ "ट्रेंडिंग" नहीं बन पाती। साहित्य पढ़ने का अर्थ है—अपने भीतर झाँकना, दूसरों की पीड़ा को समझना, और आत्मा को गहराई से महसूस करना। जब समाज साहित्य से दूर होता है, तो वह अपनी संवेदनशीलता भी खो देता है। स्त्रियों की करुणा और कोमलता ही समाज

को संतुलित रखती हैं। लेकिन जब यही स्त्रियाँ केवल बॉडी शो तक सीमित हो जाएँ और आत्मा की गहराई को दरकिनार कर दें, तो समाज के संवेदनशील होने की उम्मीद भी घट जाती है। इस स्थिति से निकलने के लिए जरूरी है कि परिवार और शिक्षा व्यवस्था किताबों के प्रति प्रेम जगाए। घर और स्कूलों में बच्चों, खासकर बेटियों को किताबें पढ़ने की आदत डालनी होगी। साहित्यकारों और प्रकाशकों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया पर साहित्य को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करें। सरकार और समाज को साहित्य पढ़ने और लिखने वाली स्त्रियों को ज्यादा मंच देना चाहिए, ताकि उनकी आवाज़ दबे नहीं। स्त्रियों को आपस में साहित्यिक समूह और बुक क्लब बनाने चाहिए, जो एक-दूसरे को प्रेरित करें।बेस्टसेलर किताबें ऑनलाइन खरीदें इतिहास गवाह है कि जब भी समाज अंधकार में डूबा, साहित्य ने ही राह दिखाई। और उस साहित्य में स्त्रियों की भूमिका हमेशा निर्णायक रही। चाहे वह मीरा हों, चाहे महादेवी, या फिर समकालीन स्त्रियाँ—उन्होंने अपने शब्दों से समाज की दिशा तय की। आज भी यदि स्त्रियाँ किताबों को गले लगाएँगी, तो आने वाली पीढ़ी को सिर्फ "फॉलोअर्स" और "लाइक्स" नहीं, बल्कि जीवन की गहरी समझ भी मिलेगी।

दृष्टि कोण

मानवीय अत्याचारों से रौद्र रूप दिखा रही प्रवृति

प्रवृति अपने रौद्र रूप में मानव को प्रवृति के साथ सह-अस्तित्व बनाए रखने और पर्यावरण के विनाश से रोकने के लिए प्रेरित करती है। यह मानव निर्मित आपदाएं दर्शाती हैं कि प्रवृति का दोहन करने पर उसके परिणाम कितने विनाशकारी हो सकते हैं। वनों की कटाईं, प्रदूषण और औद्योगीकरण, प्राव्रतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन प्रवृति की सेहत को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है, नतीजतन जलवायु परिवर्तन, चरम मौसम की घटनाएं, बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि जैसे गंभीर दृश्य सामने आ रहे हैं। प्रवृति अपना रौद्र रूप इन पर्यावरणीय क्षतियों और प्राव्रतिक आपदाओं के रूप में दिखाती है, जो मानव निर्मित हैं। विडंबना यह है कि प्रवृति के सख्त संदेशों की भी हम लगातार अनदेखी कर रहे हैं। देवभूमि उत्तराखण्ड के धाराली में प्रवृति ने जो रौद्र रूप दिखाया वो देश दुनिया ने देखा है। ताजा संदर्भ जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से 40 से ज्यादा श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। जम्मू संभाग में 2014 के बाद फिर ऐसी जल तबाही देखने को मिली है। चारों ओर भारी क्षति हुईं है। जम्मू संभाग की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सैकड़ों लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ली है। प्रवृति बार बार संकेत दे रही है। और हम बारंबार गलती को सुधारने की बजाय प्रवृति से छेड़छाड़ और उसके दोहन में लगे हुए हैं। उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल-पल्रय की आपदा आईं है, ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है? लगातार भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े-बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं 'वुदरत का कहर' मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं 'मानवर्नि मित' हैं। विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाईं जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाईं जा रही है। नदी-नालों के किनारे अथवा उन्हीं के भीतर होटल, रिजॉर्ट की बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। उत्तराखंड में ही जिस 50 हजार वर्ग हेक्टेयर में जंगलात थे, अब वहां पक्की इमारतें चिन दी गईं हैं। मौजूदा उत्तरकाशी के पल्रय में धराली गांव ही बह कर मिट्टीमलबा हो गया। इस वर्ष पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व पूवरेत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आईं हैं, उन्होंने हर किसी को डरा दिया है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गईं हैं। पुल बहने व सड़वें तबाह होने से जनजीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि वैसे हुईं है। क्या वुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वरमिग संकट की देन है? वास्तव में, हमारे नीति-नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा वेंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी-अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुईं हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। विडंबना यह है कि प्राव्रतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोईं तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खामियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोईं रोल नहीं होता। उत्तराखंड के धराली पल्रय से पहले भूस्खलन का औसत 250 था, जो 2023 तक 1600 से अधिक हो गया। इतना गुना भूस्खलन क्यों और वैसे बढ़े? पहाड़ इतनी मात्रा में क्यों टूटने लगे हैं? इस सवाल का जवाब न तो वेंद्र और न ही राज्य सरकार ने दिया है। वुछ उच्चाधिकार प्राप्त समितियां जरूर बनाईं जाती रही हैं, लेकिन वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के सुझावों को नकारती रही हैं। मसलन-वैज्ञानिकों के सवाल हैं कि पहाड़ों में 'फोरलेन सड़क' बनाना क्यों जरूरी है? दो लेन की सड़वें पर्याप्त और सहज हैं। ऐसे निर्माण दिखावटी विकास तो हैं, लेकिन विनाश और मौत के अंधे वुएं भी तैयार कर रहे हैं। केदारनाथ पल्रय के बाद रडार लगाने की बात सामने आईं थी, ताकि बादल फटने और जल-पल्रय के पूर्व संकेत मिल सवें। उनका क्या हुआ? उत्तरकाशी पल्रय के वुछ भी संकेत क्यों नहीं मिल सके। मात्र 34 सेवंड में बहुत वुछ मलबा हो गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परियोजना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता हैं हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिलचस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाध–ारण काम करने की क्षमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भा–गदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी । भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फ़ायदा न उठाने दें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगें

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। पूजा–पाठ का आयोजन घर मे होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और ख़ुशमिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 सितंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद, शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 02:45 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 07:56 तक
योग : विष्कुंभ सायं 04:36 तक
करण : बालव दोपहर 01:56 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 07:56 तक
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– दुर्गा नवमी , अदु:ख नवमी , भागवत सप्ताह आरंभ , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बरसात के मौसम से निपटने के लिए हरियाणा सरकार पूरी तरह अलर्ट : सैनी

चंडीगढ़, 31 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बरसात के मौसम को लेकर प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और हर परिस्थिति से निपटने का तैयार है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसी भी नागरिक को कोई हानि ना पहुंचे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि ऐसे मौसम में जनता भी सावधानी बरते। पहाड़ी क्षेत्र में जाने से बचे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य खेल स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने खेल परिसर में खिलाडि़यों के साथ वालीबाल भी खेला और तीन प्वाइंट भी लिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व में देश का मान–सम्मान बढ़ाया है। देश के जरुरतमंद और गरीबो की मदद की है। इस बात को विपक्ष हजम नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की भूमि से भगवान बुद्ध ने अपना संदेश दिया, चाणक्य जैसे बुद्धिमान नीतिकार पैदा किए, श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने बिहार से प्रकाश फैलाया। ऐसी पवित्र भूमि पर कांग्रेस शीर्ष नेता राहुल गांधी की टिप्पणी शोभनीय नहीं है। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष अपने कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों को बताने का काम करे। यदि तब काम किए होते तो आज ईवीएम को दोष ना देते। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस के सच को जानकर नकार चुकी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 सालों में देश में अभूतपूर्व विकास कर विश्वभर में सम्मान दिलवाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इजराइल युद्ध पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि युद्ध में हानियां होना तय है, कहीं जान तो कहीं माल का नुकसान होता है। उन्होंने टैरिफ पर पूछे गए सवाल पर कहा कि देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में हैं। भारत किसी भी स्थिति से निपटने की क्षमता रखता है। लगातार देश की जीडीपी में सुधार हो रहा है। देश में लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे मार्ग, यूनिवर्सिटी सहित अनेक विकास कार्यों को गति से करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव से पहले संकल्प पत्र में बहनों को 2100 रुपए देने का वायदा किया था, जिसके लिए इस वर्ष के बजट में 5000 करोड़ रुपए का प्रा–वधान किया गया है। अब 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का पोर्टल लांच किया जाएगा। इस पोर्टल से बहनें अपना आवेदन कर सकती है। पहले फेज में 20 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद दूसरा फेज लाया जाएगा और फिर तीसरा फेज भी आएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने भी महिलाओं को सम्मान दिए जाने की घोषणाएं की थी, जिन प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार है महिलाओं के लिए कोई योजना शुरू नहीं की गई ।

युवा खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं : नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र।, 31 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की तरह अनुशासन, मेहनत और समर्पण के मार्ग पर चलें। उन्होंने वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में हरियाणा के खिलाडियों द्वारा सबसे अधिक मैडल जीतने के लिए प्रेरित भी किया।

मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित साइक्लाथोन कार्यक्रम में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले , मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रमदान करके स्वच्छ कुरुक्षेत्र , मेरा कुरुक्षेत्र , मेरा अभिमान का शुभारम्भ किया। हरियाणा के खेल विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में साइक्लाथोन और स्वच्छता को जोड़कर युवाओं को स्वच्छ और स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने साइक्लाथोन में हिस्सा लेने से पूर्व मेरा कुरुक्षेत्र , मेरा अभिमान वेबसाइट भी लांच की जिस पर कुरुक्षेत्र के लोग स्वच्छता से संबंधित फोटो अपलोड करके अपने सर्टिफ़िकेट डाऊनलोड कर सकते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो व्यक्ति को ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देती है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक ताने–बाने को भी कमजोर करता है।

उन्होंने मेजर ध्यानचंद को उनके जन्मदिवस पर नमन करते हुए कहा कि मेजर ध्यान चन्द हमारे युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में इसीलिए मनाया जाता है, ताकि हमारे खिलाड़ी उनके जैसी लगन और मेहनत करके वैसी ही उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए प्रेरित हों।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मेजर ध्यान चन्द भारत माता के महान सपूत थे। उनके नेतृत्व में भारतीयों ने हॉकी का स्वर्णिम इतिहास रचा। इसके फलस्वरूप हॉकी को 'राष्ट्रीय खेल' का दर्जा मिला। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम को उन बुलन्दियों पर पहुंचाया, जिनसे हमने तीन बार ओलम्पिक स्वर्ण पदक जीते। यह किसी भी राष्ट्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय खेल दिवस का थीम 'एक घंटा, खेल के मैदान में' है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें केवल आज ही एक घंटा खेलना है। इसका अर्थ है कि हमें हर रोज एक घंटा खेल को देना है ताकि हम शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रह सकें। ऐसा होने पर ही हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया–हिट इंडिया' के विजन को साकार कर पाएंगे।

नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों की ओर मुख़ातिब होते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में भारत को खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने उन खेलों को भारत में करवाने का संकल्प भी व्यक्त किया है। मुझे विश्वास है कि उस समय आप जैसे हरियाणा के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे। इसके लिए हम पहले से ही तैयारियां शुरू कर चुके हैं। हमारा सपना है कि हरियाणा का हर गांव–हर शहर एक ऐसा खिलाड़ी दे, जो विश्व मंच पर भारत का परचम लहराए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि हरियाणा को 'खेलों की नर्सरी' कहा जाता है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है।

युवा पीढ़ी में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और समर्पण को देख गर्व की अनुभूति होती है : बड़ौली

चंडीगढ़, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए खेल अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है जो हमारे शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बड़ौली ने रविवार को सोनीपत के सेक्टर–4 स्थित हॉकी स्टेडियम में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी अपने आप में समाज के लिए हीरो होता है। यहां उन्होंने हॉकी के जादूगर पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर नमन किया और खिलाड़ियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। बड़ौली ने मेजर ध्यानचंद को युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार भी मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इस वर्ष का थीम है – 'एक घंटा, खेल के मैदान में'। उन्होंने कहा कि यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया–हिट इंडिया' विजन को साकार करने का मार्ग है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2036 के ओलंपिक में भारत को खेल महाशक्ति बनाने का संकल्प लिया है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हरियाणा के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतकर देश का नाम विश्व पटल पर रोशन करेंगे। युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करते हुए बड़ौली ने खिलाड़ियों के साथ संवाद कर उनके उत्साह और जज़्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और समर्पण देखकर वास्तव में गर्व की अनुभूति होती है।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा के प्रत्येक जिले में खेल सुविधाओं को निरंतर सुदृढ़ कर रहे हैं। खेल नर्सरियां विकसित की जा रही है।

हरियाणा में मंत्रियों ने सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम

चंडीगढ़।, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 125वें एपिसोड के माध्यम से देशवासियों से संवाद किया। इस अवसर पर हरियाणा के विभिन्न मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ कार्यक्रम को सुना और अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अंबाला में लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। विज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जो लगातार लोगों के सुख–दुख के साथी बने रहते हैं और हर महीने देश की उपलब्धियों से अवगत कराते हैं। आज के एपिसोड में उन्होंने बरसाती आपदा पर संवेदना प्रकट की और राहत कार्य में जुटे जवानों व संस्थाओं की सराहना की। विज ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा पर फोकस किया और इसे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। किसानों के लिए सौर पंप व घरों में सोलर पैनल लगाने की सरकारी योजनाएं हैं। 1.80 लाख तक की आय वालों को 2 किलोवॉट कनेक्शन पर 1.10 लाख रुपये सब्सिडी मिलती है।

खेल तथा कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पलवल में कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम में देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को साझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है।

'मन की बात' कार्यक्रम जन–जन से जुड़ने का सशक्त और प्रभावी माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 'वोकल फॉर लोकल' को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम में भी किया है। उन्होंने लोगों से स्वदेशी बनाने और स्वदेशी उपयोग करने का आह्वान किया।

भारत को डेड इकोनॉमी कहने वालों के लिए नए आंकड़े उनके चेहरे पर तमाचा है: गौरव बल्लभ

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर लगातार आलोचना के बाद भाजपा कार्यकर्ता और अर्थशास्त्री गौरव बल्लभ ने ताजा आर्थिक आंकड़ों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पहले क्वार्टर 1 फाइनेंशियल ईयर 26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ को लेकर कहा, 7.1 प्रतिशत की दर से विकास कर रही अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी कहना पूरी तरह से नासमझी है।

गौरव बल्लभ ने आईएएनएस से कहा, जो लोग भारत में रहकर भारत की इकोनॉमी को 'डेड' बोल रहे थे, उनके लिए ये ग्रोथ एक करारा जवाब है। ये आंकड़े उन सभी चेहरों पर तमाचा हैं, जो देश की आर्थिक सेहत को लेकर गलत बयानबाजी कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि आज की तारीख में जब दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मंदी की मार झेल रही हैं, उस वक्त भारत अकेला ऐसा देश है जो 6.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक की ग्रोथ दर बनाए हुए है।

उन्होंने कहा, यह भारत की असली ताकत है, और इसका श्रेय देश की नीति, युवाओं की मेहनत और उद्योग जगत को जाता है। इसके साथ ही गौरव बल्लभ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे को लेकर भी बयान दिया।उन्होंने कहा, पीएम मोदी अभी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने चीन गए हैं। पीएम मोदी ने पूरी दुनिया को तीन बड़ी बातें साफ–साफ कही हैं।

गणेशोत्सव पर्व मात्र नहीं है, यह सामाजिक एकजुटता की भारतीय संस्कृति : राज्यपाल

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को कांस्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित गणेशोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने गणेश मंदिर के पुजारियो सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों और प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि गणेश उत्सव पर्व मात्र नहीं है, यह सामाजिक एकजुटता और परस्पर सद्भाव की भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने गणेश उत्सव समारोह मनाये जाने की परंपरा के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकमान्य तिलक ने महाराष्ट्र में इस तरह के आयोजनों की शुरुआत इसलिए की थी कि समाज एकजुट हो और आजादी आंदोलन के लिए जागरूक हों।उन्होंने गणेश को विघ्नहर्ता बताते हुए कहा कि वह जीवन से जुड़े सभी संकटों को दूर करते हैं। उन्होंने प्रतिभा सम्मान समारोह को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। इससे पहले राज्यपाल बागडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मन की बात कार्यक्रम को सुना।

विकसित भारत-विकसित राजस्थान के रोडमैप पर हो रहा तेजी से कार्य : भजनलाल

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देते हुए आने वाले त्यौहार के सीजन में स्वदेशी उत्पादों को खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों को अधिक से अधिक रोजगार मिलेगा और हमारे लघु एवं कुटीर उद्योग सशक्त होंगे।

शर्मा रविवार को दूदू में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा कि समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के उत्थान से ही देश का विकास संभव है। उनके कल्याण से ही देश और प्रदेश की प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। विकास एवं गरीब कल्याण की योजनाओं की प्रभावी शुरूआत की गई। साथ ही, उनके मार्गदर्शन में आतंकवाद–नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित राजस्थान का रोडमैप भी बनाया गया है। हम निरंतर इस दिशा में काम कर रहे हैं। राज्य सरकार संकल्प पत्र में किए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री शर्मा ने आह्वान किया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में आमजन सक्रिय भूमिका निभाएं।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल आपूर्ति और उपलब्धता के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य कर रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 20 महीने में जो विकास कार्य करवाए हैं, उतने पूर्ववर्ती सरकार पांच साल में भी नहीं करवा पाई।

मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पिछले वर्ष लगभग 7.5 करोड़ पौधे लगाए थे। इस वर्ष हमने 10 करोड़ का लक्ष्य रखा था, लेकिन 11 करोड़ से अधिक पौधारोपण का कार्य हुआ है। 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। उन्होंने आमजन से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है। पिछले वर्ष किसानों को गेहूं के एमएसपी पर 125 रूपए प्रति क्विंटल का बोनस दिया गया था। अब 150 रूपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस भी दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है। दूदू के लिए 271 करोड़ रुपये की लागत से विश्व बैंक द्वारा ईपीसी मोड अंतर्गत स्वीकृत दूदू–सांभर–भाटीपुरा सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है। साथ ही, 90 करोड़ रुपये से रसाईनी–मौजमाबाद–झाग–रामपुरा ऊँटी–बगरू सड़क निर्माण करवाया जा रहा है।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

1978 के दंगे का रिकॉर्ड संभल के थानों से गायब

तत्कालीन सरकार और दंगाइयों की साठगांठ का नतीजा

संभल, 31 अगस्त (एजेंसियां)। संभल में 1978 में हुए दंगों के दौरान दर्ज 169 एफआईआर का रिकॉर्ड संभल कोतवाली और नखासा थाने से गायब है। अब पुलिस मुरादाबाद कार्यालय से रिकॉर्ड तलाश रही है। अब एफआईआर का रिकॉर्ड मिलने पर सही नुकसान का पता चलेगा।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि उस वक्त दंगे से जुड़ी जो एफआईआर दर्ज की गई थीं, उनका रिकॉर्ड होना चाहिए था लेकिन यहां के थानों में वह रिकॉर्ड नहीं मिला। जिला बनने से पहले संभल मुरादाबाद का हिस्सा था। लिहाजा मुरादाबाद से ही सभी सूचनाएं एकत्र की जा रही हैं। दंगे को 46 वर्ष बीते हैं। इस हिसाब से इन रजिस्टरों को होना चाहिए था लेकिन थानों में उपलब्ध नहीं है। अब पुलिस सारा रिकॉर्ड मुरादाबाद पुलिस कार्यालय से तलाश कर रही है। ऐसे में यह भी सवाल उठना लाजिमी है कि जब मामला दबाया गया तभी उन रिकॉर्ड को भी गायब किया गया होगा।

29 मार्च 1978 को यह दंगा हुआ तो पुलिस प्रशासन ने काबू कर लिया था लेकिन 30 मार्च को दूसरे दिन दंगे ने बड़ा रूप ले लिया। 50 से ज्यादा दुकानों को जलाया गया। इसमें कारोबार पूरी तरह बर्बाद हुआ। कई लोगों की जान भी गईं। पुलिस-प्रशासन ने हालात पर काबू करने के लिए कर्फ्यू लगाया जो दो महीने तक लगा रहा। दो महीने कर्फ्यू लगाने का कारण था कि यह दंगा शहर के साथ देहात क्षेत्र तक फैल गया था। इस दंगे के बारे में सही तथ्य सामने नहीं आए हैं। कहीं नौ हत्याओं का जिक्र किया गया है तो कहीं 24 लोगों की हत्या का जिक्र है। हालांकि मुख्यमंत्री ने तो विधानसभा में 184 लोगों की हत्या किए जाने की बात कही थी। यदि दर्ज एफआईआर का रिकॉर्ड मिल जाता तो उसमें हत्या और दंगे से जुड़े सभी नुकसान सामने आ जाते।

1978 के दंगे की जांच रिपोर्ट संभल पुलिस तैयार कर रही है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि शासन द्वारा मांगी गई जानकारी को एकत्र किया जा रहा है। दंगों से जुड़ी सूचनाएं और तथ्य जुटाए जा रहे हैं। दंगे के दौरान हुई घटनाओं, नुकसान और अन्य संबंधित बिंदुओं को भी इस रिपोर्ट में शामिल किया गया है। जल्द ही यह रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएगी। उसके बाद जो निर्देश मिलेंगे उसके आधार पर हम कार्रवाई करेंगे। 1978 के दंगे से सबसे ज्यादा खग्गू सराय के रस्तोगी परिवार हुए थे। इस दंगे के बाद ही 40 परिवारों ने अपने घर बेच दिए थे। कुछ शहर के उन हिस्सों में जाकर बस गए जहां हिंदू थे, बाकी ने मुरादाबाद व दूसरे शहरों की राह पकड़ ली। इसके चलते ही इन रस्तोगी परिवार की देखरेख में रहने वाला शिव मंदिर 46 वर्ष तक बंद रहा।

मुस्लिम लीग के नेता मंजर शफी ने राजनीतिक महत्वाकांक्षा को लेकर बाजार बंद कराना चाहा था। इस दौरान दुकानदारों से विवाद हो गया था। इसी दौरान अफवाह फैली की मंजर शफी की हत्या कर दी गई है। इसके बाद ही भीड़ में भगदड़ मच गई और इस भगदड़ के बाद ही दंगा शुरू हो गया। दुकानों में लूटपाट, पथराव, आगजनी की गई। इसमें कई लोगों की जान भी गई। इसको लेकर ही दूसरे दिन दंगा हुआ। संभल में 1947, 1948, 1953, 1958, 1962, 1976, 1978, 1980, 1990, 1992, 1995, 2001 में दंगे हुए थे जबकि वर्ष 2019 और 2024 में पुलिस-प्रशासन और भीड़ के बीच झड़प हो गई थी। 2019 में दो लोगों की मौत हो गई थी। 2024 में पांच लोगों को जान गंवानी पड़ी।

मायावती ने बिहार चुनाव के लिए कसी कमर

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) फिर से चुनावी मोड में है। बसपा बिहार के साथ ओड़ीशा और तेलंगाना में अच्छा प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। बसपा प्रमुख मायावती ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद और केंद्रीय कोआर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम सौंपी है। उन्हें बिहार में अगले महीने होने शुरु होने वाली पार्टी की यात्रा, जनसभा आदि कार्यक्रमों की विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। ये सभी कार्यक्रम मायावती के दिशा-निर्देश में होंगे।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के चयन और तैयारियों को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पिछले दो दिनों के दौरान की गई बैठक में गहन चर्चा व समीक्षा के बाद यह निर्देश दिए। साथ ही बिहार में बसपा द्वारा अकेले अपने बल पर चुनाव लड़ने के फैसले के मद्देनजर आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को सारी कमियों को दूर करके पूरी मुस्तैदी व तन, मन, धन से आगे बढ़ने का निर्देश भी दिया। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि बिहार एक बड़ा राज्य है, इसलिए वहां की जरूरतों के दृष्टिगत राज्य की सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांटकर पार्टी के वरिष्ठ लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिहार में पार्टी की अपनी तैयारी के साथ-साथ राज्य के तेजी से बदलते राजनीतिक हालात एवं चुनावी समीकरण आदि को देखते हुए बसपा द्वारा चुनाव में बेहतर परिणाम लाने का आश्वासन पार्टी के लोगों ने दिया है।

वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो ने इससे पहले ओड़ीशा और तेलंगाना राज्य में भी पार्टी संगठन की तैयारियों और वहां भी यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन के साथ-साथ पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के मिशनरी कार्यों के बाबत दिए लक्ष्यों की भी समीक्षा की।

यूपी के नोएडा में बनेंगे मोबाइल फोन के टैम्पर-ग्लास

नोएडा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नोएडा में भारत की पहली टैम्पर्ड ग्लास निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। यह फैक्ट्री ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स और अमेरिका की मशहूर कंपनी कॉर्निंग के साथ मिलकर बनाई गई है।

इस मौके पर केंद्रीय अश्विनी वैष्णव ने कहा कि टैम्पर्ड ग्लास मोबाइल फोन के लिए एक महत्वपूर्ण सहायक उपकरण है और इसका स्वदेशी निर्माण मेक इन इंडिया की सफलता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में भारत मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाला हर उपकरण बनाएगा। इस फैक्ट्री में बनने वाले टैम्पर्ड ग्लास को भारत में राइनोटेक ब्रांड के तहत बेचा जाएगा और यह इंजीनियर्ड बाई कॉर्निंग ट्रेडमार्क के साथ आएगा। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि जल्दी ही एक मेड इन इंडिया चिप भी आने की उम्मीद है, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में देश की यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगी।

इस प्रोजेक्ट के लिए कॉर्निंग और ऑप्टिअमस ने 1000 करोड़ रुपए का संयुक्त उद्यम शुरू किया है। शुरुआत में 70 करोड़ की लागत से तैयार इस फैक्ट्री में कच्चे ग्लास शीट को विदेश से लाकर कॉर्निंग की तकनीक और गुणवत्ता मानकों के अनुसार प्रोसेस किया जाएगा।

घुमंतू जातियों के लिए सरकार बनाएगी कॉलोनियां

सीएम योगी बोले- यूपी में गठित होगा बोर्ड

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। विमुक्त जाति दिवस समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह घोषणा की कि प्रदेश सरकार घुमंतू जातियों के लिए कॉलोनियां और मकान बनाएगी। इसके लिए बोर्ड का गठन किया जाएगा। नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा, जोगी सहित घुमंतू जातियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

राजधानी लखनऊ में रविवार को विमुक्त जाति दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया।

इस मौके पर सीएम ने ऐलान किया कि प्रदेश सरकार घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन करेगी। साथ ही कॉलोनी और मकान उपलब्ध कराया जाएगा। नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियों ने देश में विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। कभी मुगलों तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

सीएम ने कहा कि इनके पराक्रम से भयभीत होकर अंग्रेजों ने वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू किया। इसके तहत इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी 1952 तक यह कलंक इन पर लगा रहा। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से 31 अगस्त 1952 को इस एक्ट से मुक्ति मिली। आज सरकार विमुक्त और घुमंतू जातियों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। शिक्षा और आवास की दिशा में अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। सीएम ने बताया कि प्रदेश के 9 जिलों में जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। दो आवासीय आश्रम पद्धति विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं। जबकि, 101 आवासीय विद्यालय पहले से चल रहे हैं। यहां छात्रों को रहने, खाने से लेकर यूनिफॉर्म तक की व्यवस्था सरकार कर रही है। इसके अलावा 264 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में विमुक्त जातियों के बच्चों के लिए भी विशेष सुविधा दी जा रही है। सीएम ने कहा कि सरकार ने वनटांगिया समाज को राजस्व गांव का दर्जा दिया। मताधिकार का अधिकार दिया। उनके लिए घर, स्कूल और अस्पताल बनवाए। इसी तरह मुसहर, कोल, थारू, गौड़, चेरो और सहरिया जैसी जातियों के लिए भी योजनाएं चलाईं। कुम्हार, निषाद और राजभर समाज को भी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। अब विमुक्त और घुमंतू जातियों को भी जमीन के पट्टे और मतदान की सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, मंत्री असीम अरुण, नरेन्द्र कश्यप, संजीव गौड़, बैजनाथ रावत, बेचन राम, जीत सिंह खरवार, विश्वनाथ प्रसाद, वाईपी सिंह, भगवान नाथ, डॉ. शोभा चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

8500 करोड़ से ज्यादा खर्च कर लगा रहे स्मार्ट मीटर

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने में मनमानी हो रही है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस बारे में गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने में भी मनमानी का आरोप लगाया है।

परिषद का कहना है कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन पूरी तरह प्रदेश के उपभोक्ताओं के घरों में जल्द से जल्द स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगवाने में जुटी है। क्योंकि उन्हें पता है कि प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर का टेंडर 8500 करोड़ अधिक दर पर हुआ है। मीटर लगेंगे तभी उनका भुगतान होगा।

प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के टेंडर के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने 18885 करोड़ अनुमोदित किया था, लेकिन प्रदेश में टेंडर 27342 करोड़ का जारी किया गया है। ऐसे में करीब 8500 करोड़ ज्यादा खर्च किया जा रहा है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि मीटर की लागत प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं से नहीं वसूली जा सकती। इसके लिए केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर रखा है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण की आड़ में बिजली कर्मचारियों पर लगातार उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की जा रही है। इससे बिजली कर्मियों में आक्रोश बढ़ रहा है। संघर्ष समिति ने कहा कि तमाम कार्मिकों को 3 माह से वेतन नहीं दिया गया है जो पूरी तरह अमानवीय है। संविदा कर्मियों को 55 वर्ष की आयु के नाम पर निकाला जा रहा है। पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल एवं प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने शनिवार को सेवानिवृत होने वाले आठ कार्मिकों को उनके देयकों से संबंधी पपत्र सौंपे। इसमें मुख्य अभियंता जमुना प्रसाद विमल एवं विकास गुप्ता, अधीक्षण अभियंता मुनेंद्र कुमार, अनुभाग अधिकारी राम बहादुर यादव, लेखाकार पूनम कपूर तथा गिरीश चंद्र जोशी, अनुसेवक मन्नालाल वाल्मीकि तथा राम मनोहर शामिल है। गोयल ने कहा कि सभी निगमों के प्रबंध निदेशकों को निर्देशित किया कि सेवानिवृत्त होने वालों को तत्काल उनके देयकों का भुगतान कर दिया जाए।

40 लाख की स्मैक के साथ दो पुलिसकर्मी सहित छह तस्कर पकड़े गए

अमरोहा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। अमरोहा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए दो सिपाहियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 1.34 किलो स्मैक बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 40 लाख रुपए है। पुलिस ने सभी को एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश करने की तैयारी की है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर चलाए गए अभियान के तहत, सैदनगली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने मिलकर यह कार्रवाई की। एसपी ने बताया कि उझारी-ढबारसी रोड पर गंगा एक्सप्रेसवे पुल के नीचे चेकिंग के दौरान एक वैगनआर कार को रोका गया। कार में सवार छह व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया।

इनमें दो पुलिसकर्मी सिपाही योगेश कुमार और सिपाही आशु सैनी, आदमपुर के गांव सांथलपुर निवासी गौरव कुमार, आदमपुर के गांव गाराबपुर उर्फ रूस्तमपुर निवासी नाजिम, रहरा के गांव फूलपुर निवासी आदिल और एक नाबालिग शामिल थे। दोनों सिपाही आदमपुर थाना क्षेत्र की ढबारसी पुलिस चौकी में तैनात थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए। एसपी के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके एक साथी के पास बड़ी मात्रा में स्मैक थी। इस स्मैक को बेचने के बजाय, उसे छीनने की साजिश रची। इस काम में उन्होंने पुलिसकर्मी योगेश और आशु सैनी की मदद ली।

19 जुलाई को पहले नाजिम, आदिल, गौरव और नाबालिग आरोपी मयंक यादव के पास पहुंचे। उसके पास बड़ी मात्रा में स्मैक थी। मयंक यादव से स्मैक की सौदेबाजी करने लगी। इसी बीच दोनों सिपाही वर्दी में वहां पहुंच गए और मयंक यादव को डराकर भगा दिया और स्मैक अपने कब्जे में ले ली। गिरफ्तारी के समय सभी आरोपी इस स्मैक को दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में बेचने जा रहे थे ताकि इससे मिलने वाले पैसों को आपस में बांट सकें। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उन्हें कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है। इस सफल ऑपरेशन में सैदनगली पुलिस टीम और एसओजी व सर्विलांस टीम के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इनर व्हील चैंपियंस क्रिकेट लीग : 50 की उम्र के आस-पास की महिला खिलाड़ियों का जलवा

सुप्रीम स्ट्राइकर्स बनीं चैंपियन

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के यूसुफगुडा स्थित शौर्य कन्वेंशन में रविवार को बहुप्रतीक्षित इनर व्हील चैंपियंस क्रिकेट लीग (आईडब्ल्यूसीएल) का आयोजन किया गया। यह एक अनूठी क्रिकेट लीग थी जिसमें 50 साल के आस-पास की महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।इस लीग का उद्घाटन भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने किया। इसमें चार ज़ोनल टीमों ने हिस्सा लिया:- वेस्ट ज़ोन से सुपर स्ट्राइकर्स, ईस्ट ज़ोन से रीगल रेंजर्स, साउथ ज़ोन से रॉयल लेजेंड्स और नॉर्थ ज़ोन से राइजिंग स्टार्स।वेस्ट ज़ोन की सुपर स्ट्राइकर्स और ईस्ट ज़ोन की रीगल रेंजर्स के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें सुपर स्ट्राइकर्स ने जीत हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी थीं और सभी की उम्र 50 साल के आस-पास थी। हर मैच 10 ओवर का था।

अजहरुद्दीन ने 60 साल से अधिक उम्र की खिलाड़ियों के जज्बे की सराहना की और कहा कि ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को क्रिकेट या किसी भी अन्य सक्रिय खेल से जुड़ना चाहिए।

इस लीग की शुरुआत शनिवार को शौर्य कन्वेंशन में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई थी। इस समारोह में नया बाज़ार नामक एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया, जिसमें देश भर के स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा, सुनो, सुनो, मेरी आवाज़- आम महिलाएं कर रही हैं असाधारण काम नामक कार्यक्रम में इनर व्हील की उन महिलाओं की प्रेरक कहानियों को सामने लाया गया जिन्होंने असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। शाम को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक सैक्सोफोन सुब्बलक्ष्मी और उनके ऑल-गर्ल बैंड ने विशेष प्रस्तुति देकर समां बांध दिया।इस उद्घाटन समारोह की विशेष अतिथि ऑस्ट्रेलिया से आईं अंतर्राष्ट्रीय इनर व्हील अध्यक्ष के मोरलैंड थीं। उन्होंने भारत के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की और कहा, भारत एक अद्भुत देश है। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही क्रिकेट खेलने वाले देश हैं। महिला क्रिकेट खेल के नियमों को फिर से लिख रहा है, यह साबित कर रहा है कि जुनून और प्रतिभा का कोई जेंडर नहीं होता। वे हर छक्का और हर विकेट के साथ खेल में समानता की ओर एक कदम बढ़ा रही हैं।

इनर व्हील क्लब्स इन इंडिया की एसोसिएशन अध्यक्ष ज्योति महिपाल ने बताया कि इस लीग में भाग लेने के लिए भारत के अलग-अलग शहरों से 44 महिलाएं अपने खर्च पर आईं। उन्होंने कहा, भारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि राष्ट्र की धड़कन है।आईडब्ल्यूसीएल इनर व्हील द्वारा आयोजित एक वार्षिक महिला क्रिकेट कार्निवल है। इनर व्हील दुनिया के सबसे बड़े महिला स्वयंसेवी संगठनों में से एक है, जो दोस्ती, सेवा और अंतर्राष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इसका पहला लीग नवंबर 2024 में हरियाणा में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य महिलाओं को खेलों में बढ़ावा देना और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करना था।1924 में स्थापित इनर व्हील के आज 100 देशों में 1,20,000 से अधिक सदस्य हैं। भारत में इसके 1,722 क्लब और 58,675 सदस्य हैं। संगठन महिलाओं के नेतृत्व, सामाजिक सेवा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अभिनव मंच प्रदान करता रहता है। इस आयोजन के दौरान कई दान और समाज सेवा से जुड़े प्रोजेक्ट्स भी लॉन्च किए गए।

कुमरामभीम आसिफाबाद : बंद घर से 30 तोला सोना और नकदी चोरी

कुमरामभीम/आसिफाबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला केंद्र की राजमपेट कॉलोनी में शनिवार रात अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर 30 तोला सोना और 50,000 रुपये से अधिक की नकदी चुरा ली। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।राजमपेट निवासी बिरेली सुरेश शनिवार को अपने परिवार के साथ सुंदिला लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में पौधे दान करने गए थे। घर पर ताला लगा देखकर, अज्ञात चोरों ने रात में घर में सेंध लगाई। चोरों ने 30 तोला सोना और नकदी चुराने के साथ-साथ घर का सामान भी बिखेर दिया। रविवार सुबह, जब सुरेश का परिवार देवदर्शन से लौटा, तो उन्होंने घर का ताला टूटा और दरवाजा खुला पाया। घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था।

परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सब-इंस्पेक्टर उदय किरण डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंचे और घर के आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। पीड़ितों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में शामिल सब-इंस्पेक्टर अन्य सुरागों के आधार पर चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

घटना के बाद पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, लेकिन पाया कि सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली पर नियमित निगरानी नहीं की जा रही है, जिसके कारण निगरानी व्यवस्था लगभग न के बराबर है। इस घटना ने एक बार फिर सीसीटीवी कैमरों की आवश्यकता और उनकी कार्यक्षमता में सुधार की मांग को तेज कर दिया है।

नागरिकों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच और रखरखाव जरूरी है। पुलिस को अब अन्य तरीकों से चोरों तक पहुंचने की कोशिश करनी पड़ रही है। स्थानीय लोग प्रशासन से सीसीटीवी सिस्टम को दुरुस्त करने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं।

मंचेरियाल में बजरंग युद्ध एसोसिएशन ने स्थापित की भव्य गणेश प्रतिमा

मंचेरियाल, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियसल म्युनिसिपालिटी कॉरपोरेशन रोड पर बजरंग युद्ध एसोसिएशन ने इस वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर एक भव्य गणेश प्रतिमा की स्थापना की है। मूर्ति के अनावरण और स्थापना के दौरान, सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने भक्तिभाव से भगवान गणेश का स्वागत किया।इस शुभ कार्यक्रम में संगठन के कई प्रमुख सदस्य और कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें अर्जुन भाटिया, आनंद गोपाल, आशीष सिवाल, राकेश रिणवा और गोविंद ईनाणी प्रमुख थे। उन्होंने सभी भक्तों के साथ मिलकर पूजा-अर्चना की और गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए। आयोजकों ने बताया कि यह प्रतिमा न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यह सामुदायिक एकता और भाईचारे का भी प्रतीक है।

मंचेरियाल में दधीचि जयंती का भव्य आयोजन

मंचेरियाल, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल में राजस्थानी समाज द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दधीचि जयंती का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय लक्ष्मीनारायण मंदिर में आयोजित हुआ, जहां सनातन धर्म के महान दानी महर्षि दधीचि की पूजा-अर्चना की गई।

पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि दधीचि सनातन धर्म के इतिहास में अद्वितीय दानी के रूप में जाने जाते हैं। कहा जाता है कि देवगुरु बृहस्पति ने इंद्र के अहंकार के कारण स्वर्ग छोड़ दिया था। भगवान शिव द्वारा महर्षि दधीचि को वज्र हड्डी का वरदान प्राप्त था, जिसके कारण उनकी ख्याति और सम्मान आज भी प्रेरणादायी है।लक्ष्मीनारायण मंदिर में दधीचि जयंती के अवसर पर प्रातः 10.00

बजे विशेष पूजा और आरती का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महर्षि दधीचि के चित्र पट पर पुष्पमाला अर्पित की गई। विप्र श्रेष्ठ उमेश जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा और आरती संपन्न करवाई।कार्यक्रम में मारवाड़ी प्रगति समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर बल्दवा, दाहिमा समाज के सचिव रामेश्वर दाहिमा, पंडित चतुर्भुज दाहिमा, ओम प्रकाश तिवारी, पवन तिवारी, नवीन दायमा, प्रदिप दायमा, कैलाश तिवारी, आनंद गोपाल बोरायड़ा, मनोज तिवारी, कमल तिवारी, प्रधुम्न शर्मा, अशोक अग्रवाल, रतन रिनवा, वेणुगोपाल काछवाल, नीलेश काछवाल, सागर शर्मा, दामोदर बंग, राजकुमार बंग सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन जय घोष और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस आयोजन ने मंचेरियाल के राजस्थानी समाज की एकता और सनातन धर्म के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाया।

मदनूर में बाढ़ पीड़ितों को पुनर्वास केंद्र से उनके घरों में स्थानांतरित किया गया

मदनूर, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारी बारिश से प्रभावित मदनूर मंडल के बाढ़ पीड़ितों को पुनर्वास केंद्रों से उनके अपने घरों में सुरक्षित स्थानांतरित कर दिया गया है। स्थानीय तहसीलदार एमडी मुजीब ने रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

तहसीलदार एमडी मुजीब ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार, भारी बारिश से प्रभावित गांवों के लोगों को मदनूर मंडल केंद्र और जेडपीएचएस बालक पाठशाला में बने पुनर्वास केंद्रों में स्थानांतरित किया गया था। इन केंद्रों में पीड़ितों के लिए भोजन, कंबल, कपड़े, और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाने के लिए एक स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया था।

पिछले दो दिनों में बारिश की तीव्रता कम होने के बाद, रविवार को बाढ़ पीड़ितों को बसों के माध्यम से उनके गांवों में वापस पहुंचाया गया। तहसीलदार ने बताया कि स्थिति सामान्य होने के कारण पुनर्वास केंद्रों को आज से हटा लिया गया है।

तहसीलदार एमडी मुजीब ने बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद करने वाले जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, और अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से पीड़ितों को समय पर सहायता और सुरक्षा प्रदान की जा सकी।

शिक्षिका ने की आत्महत्या

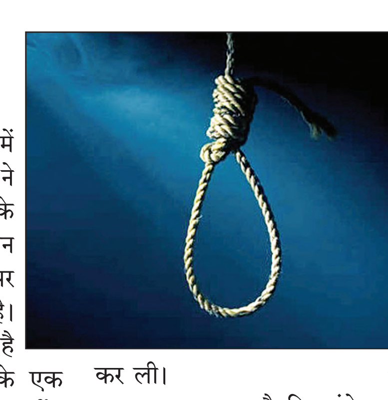

मंचेरियाल रिपोर्टर, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कागजनगर कस्बे में एक सरकारी शिक्षिका ने गर्भधारण न कर पाने के कारण अत्यधिक परेशान होकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने जानकारी दी है कि कौटाला मंडल के एक स्कूल में कार्यरत 40 वर्षीय शिक्षिका मिदिदोड्डी कविता ने शनिवार शाम करीब 5 बजे येल्लागौड़ थोटा स्थित अपने आवास पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

बताया जा रहा है कि लंबे समय से संतान न होने के कारण वह मानसिक रूप से काफी परेशान थीं। उनके पति निजी क्षेत्र में काम करते हैं। कविता कागजनगर की निवासी थी और उन्होंने जिले के विभिन्न इलाकों में शिक्षण का कार्य किया था। वह अपनी शिक्षण सेवाओं के साथ-साथ एक कवियत्री और नृत्यांगना के रूप में भी जानी जाती थीं।

उनके सहकर्मियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। कविता के माता-पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जाँच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

खुली खदान परियोजना के पास बाघ दिखने से लोगों में दहशत

मंचेरियाल, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोलेटी मंडल के कैरीगुडा गांव में एक खुली कोयला खनन परियोजना में रविवार को एक बाघ के देखे जाने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई खनन परियोजना के कर्मचारियों ने बाघ का एक वीडियो बनाया जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ घटना के बाद श्रमिकों और निवासियों दोनों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की और वन अधिकारियों से बाघ को घने जंगलों की ओर मोड़ने की अपील की ताकि किसी भी तरह की जनहानि को रोका जा सके वन अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और कर्मचारियों से सावधानी बरतने और जंगली जानवर से अचानक मुठभेड़ से बचने का आग्रह किया है उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे कृषि कार्य करते समय समूहों में चलें और जानवर को रोकने के लिए शोर मचाएँ अधिकारियों ने आगे बताया कि बाघ की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए जाएँगे और एनिमल ट्रैकर तैनात किए जाएँगे।

नदी में तैरने गए युवक की मौत

आसिफाबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुरम भीम आसिफाबाद ज़िले में एक बड़ा हादसा हुआ है। आसिफाबाद पेद्दावागु में नहाने गए तीन लोग दुर्घटनावश डूब गए। विस्तृत जानकारी के लिए, जैनूर मंडल के पटनापुर निवासी अयान और रियान के एक करीबी रिश्तेदार शेख महबूब दोपहर में तैराकी के लिए आसिफाबाद पेद्दावागु गए थे। इसी क्रम में, शेख महबूब नदी में नहाने गए और डूब गए, तभी किनारे पर मौजूद अयान और रियान ने उन्हें देखा और उन्हें बचाने के लिए नदी में उतर गए। एक स्थानीय ट्रैक्टर चालक ने उन्हें देखा और पहल करके अयान और रियान दोनों को बचा लिया।

हालाँकि, शेख महबूब तब तक नदी में डूब चुके थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और एक घंटे की तलाश के बाद शेख महबूब का शव बरामद किया। महबूब की मौत के बाद परिवार शोक में डूब गया।

सीपीएस प्रणाली समाप्त कर पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल की जाए

आसिफाबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीजीईजेएसी कुमारम भीम आसिफाबाद जिला के अंतर्गत तेलंगाना राज्य सरकार भवन, कागजनगर के सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ ने पेंशन विद्रोह दिवस, पुरानी पेंशन साधना पोराटा सभा से संबंधित दीवार प्रतियों का विमोचन किया। इस अवसर पर टीजीईजेएसी जिला सह-अध्यक्ष जयदेव अब्राहम, ए श्रीनिवास राव, वी शांतिकुमारी गरलू ने बताया कि उपाध्याय, कर्मकार, पेंशनभोगी संघ (टीजीईजेएसी) के आह्वान पर सीपीएस प्रणाली को रद्द कर पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल करने की मांग को लेकर 1 सितंबर को दोपहर 1 बजे कुमुराम भीम आसिफाबाद कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हैदराबाद स्थित आरटीसी कला भवन में 3 घंटे का धरना और पेंशन विद्रोह दिवस के अवसर पर विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि पेंशन साधना पोराटा सभा में अधिकाधिक शिक्षक शामिल हों और इसे सफल बनाएँ। चूँकि वे उस सरकार में हैं जिसने चुनावी घोषणापत्र में सीपीएस प्रणाली को समाप्त करने और पुरानी पेंशन प्रणाली को बहाल करने का वादा किया था, इसलिए उनकी गारंटी लागू की जानी चाहिए।

CHANGE OF NAME

I, K.SRAVANI Spouse of Service No. 15820505L Nk K SURAJ KUMAR, Resident of Plot No.8/2, Shakthi Nagar, Old Ganesh Temple, R.K.Puram, Secunderabad-500056, Telangana have changed my name from K.SRAVANI to KURAKU SRAVANI vide affidavit dt:30-8-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक

अर्थशास्त्री बोले- ऐसी तिमाही को टैरिफ तिमाही कहना उचित होगा

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)।

वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होने पर अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारत में विशाल जीडीपी वृद्धि और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने की क्षमता मौजूद है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि एक ऐसी तिमाही में जिसे टैरिफ तिमाही का नाम देना उचित होगा, देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि यह वह तिमाही थी, जब रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की जा रही थी। यह वह समय था जब पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था टैरिफ की उच्च दरों से नाखुश थी और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता थी।

इस समय हमने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। हमें हमारी तुलना विश्व के दूसरे देशों से करनी चाहिए। उन्होंने भारत की जीडीपी की तुलना अलग-अलग देशों से करते हुए कहा कि हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2023 और 2024, दो सालों तक, जर्मनी ने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि हमारी तुलना अमेरिका से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि -0.5 फीसदी दर्ज की। हमारी तुलना जापान से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक, उन्होंने -0.2 फीसदी नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की है। हमारी तुलना ब्रिटेन से करें। सितंबर और अक्टूबर 2024 तक, उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की। पिछले कुछ सालों में भारत के प्रदर्शन को लेकर जिंदल ने कहा कि हमने कोरोना से लेकर अब तक हर तरह की नकारात्मकता का सामना किया है। कोरोना के बाद पिछले पांच सालों में वैश्विक अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से धीमी गति से गुजरी। बल्कि कुछ अर्थव्यवस्थाएं मंदी के दौर से भी गुजरी हैं, लेकिन फिर भी भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और वह किसी भी प्रतिस्पर्धी देश से कहीं ज्यादा तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रतिस्पर्धी देशों में अमेरिका है, जो आकार में नंबर वन है, चीन दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जापान पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ऐसे में देखा जा सकता है कि हम पिछले पांच सालों से अपने सभी प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चीन और...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए बेतुके टैरिफ से दोनों ही देशों को समस्याएं बढ़ी हैं। हालांकि, ट्रंप के इस टैरिफ वॉर से पहले ही भारत-चीन ने अपने संबंधों में सुधार के संकेत देने शुरू कर दिए थे। नरमी पिछले साल अक्टूबर से ही शुरू हुई जब पीएम मोदी और जिनपिंग ने रूस में ब्रिक्स समिट के दौरान मुलाकात की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ चुनौती के बाद संबंधों के सुधार की दिशा में तेजी आई है।

विशेषज्ञ भी यह मान रहे हैं कि ट्रंप के बेतुके टैरिफ ने अमेरिकी विदेश नीति को उल्ट-पुल्ट कर दिया है। इससे पहले अमेरिका में भारत को चीन के लिए एक संतुलन के रूप में देखा जाता था। लेकिन भारत के बढ़ते कद ने अमेरिका को भी परेशान किया है। भारत भी एससीओ समिट के जरिए यह साबित कर रहा है कि वह सिर्फ अमेरिकी खेमे में नहीं है। बल्कि दुनिया में उसके पास भी विकल्प मौजूद हैं। फिनोक्रेट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक गौरव गोयल ने मिंट से कहा है कि चीन-रूस अपनी अर्थव्यवस्थाओं को भारत के लिए खोल रहे हैं, जिससे व्यापार को पुनर्निर्देशित करने और टैरिफ के बोझ को कम करने में मदद मिल रही है। गोयल ने कहा, एससीओ शिखर सम्मेलन, एक रणनीतिक मोड़ है जहां भारत, चीन और रूस अपनी आर्थिक राह खुद तय करने, साझेदारी को मजबूत करने और यह संकेत देने के लिए तैयार हैं कि अमेरिकी व्यापार दबाव उनके भविष्य को तय नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के सामने आतंकवाद का मुद्दा भी उठाया और उनसे समर्थन की अपेक्षा की। प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने पिछले वर्ष सफल सैन्य वापसी और उसके बाद से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने पर संतोष जताया। पीएम मोदी ने आतंकवाद और उससे उत्पन्न चुनौतियों का मुद्दा उठाया।

दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में कजान में अपनी पिछली बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में हुई सकारात्मक प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश विकास भागीदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं। उनके मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। भारत-चीन और उनके 2.8 अरब लोगों के बीच आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर एक स्थिर संबंध और सहयोग दोनों देशों की वृद्धि और विकास के साथ-साथ 21वीं सदी के रुझानों के अनुरूप एक बहुध्रुवीय विश्व और बहुध्रुवीय एशिया के लिए जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने पिछले वर्ष सफल सैन्य वापसी और उसके बाद से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने पर संतोष जताया। उन्होंने अपने समग्र द्विपक्षीय संबंधों और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक हितों के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में दोनों विशेष प्रतिनिधियों की ओर से अपनी वार्ता में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों को स्वीकार किया और उनके प्रयासों को और समर्थन देने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने कैलाश मानसरोवर यात्रा और पर्यटक वीजा की बहाली के आधार पर सीधी उड़ानों और वीजा सुविधा के माध्यम से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर ध्यान दिया। आर्थिक और व्यापारिक संबंधों के संदर्भ में उन्होंने विश्व व्यापार को स्थिर करने में अपनी दोनों अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मान्यता दी। उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार करने और व्यापार घाटे को कम करने के लिए एक राजनीतिक और रणनीतिक दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं। उनके संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और चुनौतियों जैसे आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों पर निष्पक्ष व्यापार पर साझा आधार का विस्तार करने आवश्यकता पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री ने एससीओ की चीन की अध्यक्षता और तियानजिन में शिखर सम्मेलन के लिए समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रपति शी को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी आमंत्रित किया, जिसकी मेजबानी भारत 2026 में करेगा। राष्ट्रपति शी ने निमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया और भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए चीन के समर्थन की पेशकश की। प्रधानमंत्री ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य काई क्वी के साथ भी बैठक की। प्रधानमंत्री ने काई के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और दोनों नेताओं के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए उनका समर्थन मांगा। काई ने द्विपक्षीय आदान-प्रदान का विस्तार करने और दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुरूप संबंधों को और बेहतर बनाने की चीनी पक्ष की इच्छा दोहराई।

तियानजिन में प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की बैठक में दोनों नेताओं ने माना कि भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक व्यापार स्थिर करने में अहम हैं। बातचीत में अमेरिका के टैरिफ फैसलों, आपसी व्यापार, निवेश और लोगों के बीच रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने वीजा, सीधी उड़ानें और कैलाश मानसरोवर यात्रा को बढ़ावा देने पर सहमति जताई। तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा संदेश दिया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि दोनों नेताओं ने यह स्वीकार किया कि भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं विश्व व्यापार को स्थिर करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है जब दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ निर्णयों से जूझ रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मोदी और जिनपिंग की बैठक के दौरान वैश्विक व्यापार माहौल पर भी चर्चा हुई।

भारत-चीन वार्ता में सिर्फ व्यापार ही नहीं, बल्कि लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के उपायों पर भी सहमति बनी। दोनों नेताओं ने सीधे हवाई संपर्क बहाल करने, वीजा प्रक्रिया आसान करने और कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने को अहम कदम बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने माना कि पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान आपसी भरोसा बढ़ाने में मदद करेंगे। अगस्त में चीनी विदेश मंत्री वांग यी की यात्रा के दौरान ही दोनों देशों ने जल्द ही सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने और एयर सर्विस एग्रीमेंट को अपडेट करने पर सहमति दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में कहा कि भारत और चीन दोनों रणनीतिक स्वायत्तता का पालन करते हैं और उनके रिश्तों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देशों को द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर साझा जमीन तैयार करनी होगी। इसमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और बहुपक्षीय मंचों पर न्यायसंगत व्यापार जैसे मुद्दे भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने आपसी व्यापार घाटा कम करने और निवेश बढ़ाने के लिए राजनीतिक और रणनीतिक दिशा में काम करने पर भी सहमति जताई।

मोदी-जिनपिंग की यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से पहले हुई है। एससीओ में भारत समेत 10 सदस्य देश हैं, जिनमें बेलारूस, चीन, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं। भारत 2005 से पर्यवेक्षक और 2017 से पूर्ण सदस्य है। 2020 में भारत ने एससीओ परिषद प्रमुखों की बैठक की अध्यक्षता की थी और 2022-23 में राष्ट्राध्यक्ष परिषद का नेतृत्व किया। शिखर सम्मेलन से पहले मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन से भी द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे।

राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात से पहले पीएम मोदी ने की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदिमिर जेलेंस्की से बातचीत की और रूस-यूक्रेन संघर्ष खत्म कराने के भारत के प्रयास की प्रतिबद्धता जताते हुए जल्द ही शांति बहाली का आश्वासन दिया। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत हर कदम पर यूक्रेन के साथ है। साथ ही पीएम ने जल्द शांति बहाली का आश्वासन भी दिया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत इस दिशा में सभी जरूरी सहायता उपलब्ध कराएगा। जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार जताया है।

जन्म प्रमाण-पत्र...

लोग मेरे घर तक आधी रात को पहुंच जाते हैं। स्टाम्प पेपर की कीमत 10 रुपए से बढ़कर 20 रुपए हो चुकी है। वकीलों की फीस भी 150 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक पहुंच गई है। जिनके नाम, जन्मतिथि या माता-पिता के नाम आधार, वोटर कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र में मेल नहीं खाते, उन्हें कोर्ट का हलफनामा बनवाना पड़ रहा है।

गांव-गांव की पंचायतों में भीड़ संभालना मुश्किल हो रहा है। कंडी के महालंडी पंचायत की अधिकारी सुवर्णा मरजीत बताती हैं कि रोज 70-80 लोग डिजिटलीकरण के लिए आते हैं और 20-30 लोग नए प्रमाण पत्र के लिए। लेकिन यह काम एसडीओ या बीएमओ ही कर सकते हैं। प्रधान साहेबा खातून का कहना है, लोगों को डर है कि जन्म प्रमाण पत्र सही नहीं हुआ तो उन्हें सीधे बांग्लादेश भेज देंगे। इसी बीच, बिचौलिए भी सक्रिय हो गए हैं। जन्म प्रमाण पत्र में छोटे-मोटे सुधार के लिए 1000-2000 रुपए, बड़े बदलाव और गजट नोटिफिकेशन के लिए 4000-5000 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। साइबर कैफ़े वाले भी पीछे नहीं 20 रुपए लेकर फॉर्म भरने तक का काम कर रहे हैं।

ममता बनर्जी सरकार आरोप लगा रही है कि भाजपा मुस्लिमों को टारगेट करने के लिए एसआईआर और एनआरसी का डर फैला रही है। इसलिए सरकारी तंत्र को जन्म प्रमाण पत्र सुधारने और डिजिटलीकरण में झोंक दिया गया है। बरहामपुर और मुर्शिदाबाद में दर्जनों अधिकारी फील्ड पर तैनात हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, यह जो विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है, वह पूरी तरह बकवास है। चुनाव आयोग भाजपा की मदद करने के लिए मतदाताओं के नाम हटा रहा है। हम सब मिलकर इसका मुकाबला करेंगे। वोटों की चोरी पूरे देश में हो रही है और इसे रोकना जरूरी है। महाराष्ट्र और हरियाणा में उन्होंने यही किया, अब बिहार और बंगाल में भी वही चाल चल रहे हैं। लेकिन हम इसे हर हाल में रोकेंगे।

वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य का दावा है, बंगाल में बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज हैं। हम समय-समय पर चुनाव आयोग को सचेत करते रहे हैं। तृणमूल जानबूझकर दहशत फैला रही है। लेकिन जमीनी हकीकत साफ है। हजारों लोग जन्म प्रमाण पत्र के लिए लाइन में खड़े हैं, स्टाम्प पेपर और वकील की जेबें भर रही हैं और बिचौलिए पैकेज बेच रहे हैं। असली सवाल यह है कि क्या यह प्रक्रिया सच में नागरिकता साबित करने का आधार बनेगी या फिर आम जनता के खून-पसीने की कमाई लूटने का एक और जरिया?

पृष्ठ तीन का शेष...

रूस से तेल का...

रिफाइनरियों के लिए नियमित रूप से रूसी तेल खरीदती हैं। देश की सबसे बड़ी ईएंडपी कंपनी चालू वित्त वर्ष में घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए 66,000 करोड़ रुपए की लागत वाली 21 परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिनमें से नौ विकास परियोजनाएं हैं। कंपनी ने यह भी संकेत दिया कि उचित मूल्य पर ऊर्जा संपत्तियां उपलब्ध होने पर वह विदेशों में निवेश पर भी विचार करेगी।

ओएनजीसी (विदेश) के एमडी राजर्षि गुप्ता ने कहा कि कंपनी अमेरिका, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्रों में एलएनजी व अपस्ट्रीम संपत्तियों में निवेश की संभावनाएं तलाश रही है। अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने अनुमान जताया कि निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतें लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रह सकती हैं।

कांग्रेस ने...

राहुल ने चुनाव आयोग की चुनौती पर आजतक हलफनामा तक नहीं दिया।

राहुल गांधी ने एक और बड़ा दावा यह किया कि एसआईआर के जरिए संस्थागत वोट चोरी हो रही है, और उन्होंने इसे गुजरात मॉडल बताया। उन्होंने अररिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। लेकिन चुनाव आयोग ने जवाब दिया कि 22 लाख मृत वोटर पिछले 20 साल की गलतियों से जुड़े हैं और एसआईआर इनको ठीक करने की प्रक्रिया है। राहुल के दावों के जवाब में आयोग ने चुनौती दी कि अगर गड़बड़ी थी, तो ड्राफ्ट जारी होने पर आपत्ति क्यों नहीं की गई? यह सवाल अब जनता के सामने है।

राहुल गांधी ने मिंता देवी और शकुन रानी के नाम लेकर भी हंगामा मचाया। उन्होंने दावा किया कि मिंता देवी की उम्र 124 साल बताई गई, जो फर्जीवाड़ा है, और शकुन रानी ने दो बार वोट डाला। लेकिन जांच में पता चला कि मिंता देवी का नाम सही था और शकुन रानी का मामला डुप्लिकेट एपिक नंबर से जुड़ा था, जो तेजस्वी यादव के साथ भी हुआ। चुनाव आयोग ने तेजस्वी के दो वोटर कार्ड का खुलासा किया, जो उनके अपने दावों पर सवाल उठाता है। क्या यह विपक्ष की अपनी गलतियों को छिपाने की कोशिश थी? योगेंद्र यादव जैसे विश्लेषकों ने भी दावा किया था कि एसआईआर से 2 करोड़ वोटरों के नाम कटेंगे, और यह जनता को वोट से वंचित करने की साजिश है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ 1.97 लाख नाम हटाने के लिए आवेदन आए, जो उनके दावों से कोसों दूर है। राहुल गांधी की 16 अगस्त से शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा जो 1 सितंबर को पटना में खत्म होगी, को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा। नवादा में एक शख्स सुबोध कुमार ने दावा किया कि उनका नाम कटा, लेकिन आंकड़ों से यह साबित नहीं होता।

चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर एक पारदर्शी प्रक्रिया है, जिसमें हर मतदाता और दल के लिए दरवाजे खुले हैं। उन्होंने कहा कि 90,817 मतदान केंद्रों की सूची शेयर की गई और 1 अगस्त से 1 सितंबर तक दावे-आपत्तियां आमंत्रित की गईं। बुलेटिन में यह भी कहा गया कि कोई भी नाम 1 अगस्त की सूची से बिना जांच के नहीं हटाया जाएगा। यह दर्शाता है कि आयोग हर एलिजिबल वोटर को शामिल करने की कोशिश कर रहा है, जैसा कि 13.33 लाख नए फॉर्म से जाहिर होता है।

जनता के मन में सवाल है कि अगर वाकई 65 लाख नाम कटे, तो इतने कम दावे-आपत्तियां क्यों? क्या यह विपक्ष की नाकामी है या उनके दावों में दम नहीं था? राहुल गांधी की यात्रा और बयानों ने सियासी माहौल गरम किया, लेकिन आंकड़े उनकी बातों को चुनौती दे रहे हैं। बिहार की जनता अब सचाई को समझ रही है और यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले कुछ दिन में क्या नया मोड़ आता है।

यह आंकड़ा राहुल गांधी को पूरी तरह एक्सपोज़ कर रहा है। बिहार में कोई वोट चोरी नहीं, बल्कि चुनाव आयोग ने पारदर्शिता से काम किया। योगेंद्र यादव की बातें भी हवा हो गईं। लोग एसआईआर का सपोर्ट कर रहे हैं, फर्जी नाम हटाने चाहते हैं। चुनाव आयोग ने 3 लाख संदिग्ध वोटर्स को नोटिस भेजे, लेकिन सही लोगों को लेकर कोई समस्या नहीं। ये रिपोर्ट बताती है कि चुनाव प्रक्रिया मजबूत है और प्रोपेगेंडा फैलाने वाले अब चुप हैं। बिहार के लोग समझदार हैं, वे ऐसे झूठ में नहीं फँसते। कुल मिलाकर एसआईआर सफल हो रहा है और राजनीतिक शोर सिर्फ चुनावी स्टंट था।

बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने के लिए युवकों को पांच-पांच सौ रुपए बांटे गए। यात्रा में शामिल कई युवकों ने ही यह बात कह कर राहुल की इस सियासी यात्रा की पोल खोल दी। इस तरह राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा चर्चा से ज्यादा विवादों में फंस गई है। शनिवार को सारण जिले (छपरा) में जब यह यात्रा पहुंची तो वहां एक अजीब नजारा देखने को मिला। मंच और सड़कों पर जुटी भीड़ को यह तक मालूम नहीं था कि वे किसकी रैली में आए हैं और उसका मकसद क्या है। रैली में शामिल कई लोगों ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों को 500-500 रुपए देकर यात्रा में शामिल किया गया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि लोकतंत्र और वोटरों के अधिकार की बात करने वाली यह यात्रा असल में भीड़ दिखाने का राजनीतिक कार्यक्रम भर है। रैली में शामिल एक शख्स ने कहा, हमें रैली में आने के लिए 500 रुपए मिले हैं। दिन भर की मजदूरी मिल गई। हमारे साथ 20-25 आदमी आए थे, हमें झंडा लेकर खड़ा रहने को कहा गया था। हालांकि, जब इस शख्स ने पूछा गया कि वोटर अधिकार क्या है तो यह नहीं बता सका। शख्स ने टीशर्ट मिलने की बात भी कही।

काला धन सफेद...

याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और पारदर्शिता लाने के लिए कई सुधार कर चुका है। अब राजनीतिक दलों पर भी सख्त नियम लागू करना जरूरी है। अगर चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के लिए ठोस नियम बनाए, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती देगा। इसमें कहा गया है कि बिना नियमन के राजनीतिक दल लोकतंत्र को कमजोर करते हैं और जनता के भरोसे को तोड़ते हैं। याचिकाकर्ता ने वैकल्पिक रूप से मांग की है कि कानून आयोग को विकसित लोकतांत्रिक देशों की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन कर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया जाए। रिपोर्ट में राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन की व्यवस्था हो, ताकि राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराधीकरण को कम किया जा सके। याचिका में कहा गया है कि अगर राजनीतिक दल संविधान की सीमा में रहकर काम करेंगे, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा।

मोदी ने नोबेल पुरस्कार...

डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से युद्ध रोकने का अनुरोध किया था।

अमेरिकी निवेश बैंक जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक भी ट्रंप-टैरिफ का कारण है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को सुलझाने में मध्यस्थता करने का मौका नहीं मिलना। रिपोर्ट कहती है कि ये टैरिफ ट्रंप के निजी नाराजगी का नतीजा है। ट्रंप को लगता था कि वे मई में भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु ताकत वाले देशों के बीच हुए तनाव को खत्म करने में मदद कर सकते थे। लेकिन भारत ने साफ कह दिया कि वह इस मामले में किसी तीसरे देश की दखलअंदाजी नहीं चाहता। भारत का यह रुख हमेशा से रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ अपने मसलों को खुद सुलझाएगा।

ट्रंप ने कई बार दावा किया है कि उन्होंने दुनियाभर के कई झगड़ों को खत्म किया, जिसमें भारत-पाकिस्तान का मुद्दा भी शामिल है। ट्रंप के इस बड़बोलेपन के दबाव में व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने जुलाई में कहा था कि ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट पर लिखा था, मैं दोनों देशों के साथ मिलकर कश्मीर जैसे हजार साल पुराने मसले का हल निकाल सकता हूं। लेकिन भारत ने उनकी इस पेशकश को ठुकरा दिया, क्योंकि भारत किसी बाहरी देश को अपने मामलों में दखल देने की इजाजत नहीं देता। जेफरीज की रिपोर्ट ने तभी यह चेतावनी दे दी थी कि अगर अमेरिका भारत पर दबाव डालता रहा, तो भारत और चीन के बीच नजदीकियां बढ़ सकती हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 01 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अग्र कुल प्रवर्तक महाराज श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती महोत्सव का शुभारंभ शहर के विभिन्न स्थानों पर भक्ति और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने महाराज श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना कर उनके आदर्शों और सामाजिक समरसता के सिद्धांतों को याद किया।

पंजागुट्टा स्थित निम्स हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल में महाराज श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा की पूजा का दायित्व उत्तर क्षेत्र के जोन कोऑर्डिनेटर और एबिड्स शाखा को सौंपा गया। उत्तरांचल क्षेत्र के जिला कोऑर्डिनेटर दिनेश कुमार अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम में महाराज श्री की पूजा और आरती विधिवत संपन्न हुई। इस अवसर पर निम्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वीरप्पा ने समाज के पदाधिकारियों से हॉस्पिटल के लिए बैटरी चालित गाड़ी की आवश्यकता बताई। उन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी दी, जिसके जवाब में समाज के उपस्थित सदस्यों ने कमेटी में विचार-विमर्श कर इस आवश्यकता को पूरा करने का आश्वासन दिया।

इसके अतिरिक्त, समाज के परामर्शदाता डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल और भूतपूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने निम्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर से अनुरोध किया कि वे महाराज अग्रसेन जी की प्रतिमा स्थापना के लिए स्थान उपलब्ध कराएं, ताकि समाज अपनी संगठनात्मक मजबूती का परिचय दे सके। डायरेक्टर ने इस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए एक औपचारिक पत्र प्रस्तुत करने को कहा, जिस पर कमेटी में चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निम्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वीरप्पा , विशेष अतिथि डॉ. गंगाधर (एचओडी, निम्स हॉस्पिटल), अग्रवाल समाज तेलंगाना के परामर्शदाता डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल, भूतपूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल और मानद मंत्री विकास कुमार केशान उपस्थित थे। सभी शाखाओं के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया।

रिकाबगंज में पूजा-अर्चना

रिकाबगंज स्थित अग्रवाल शिक्षा समिति के प्रांगण में महाराज अग्रसेन जी की प्रतिमा की पूजा का दायित्व साउथ जोन के जोन कोऑर्डिनेटर टी. सुनील कुमार को सौंपा गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने भगवान की पूजा व आरती संपन्न कराई। इस आयोजन में भी समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महाराज अग्रसेन के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

इस भव्य आयोजन में अग्रवाल समाज तेलंगाना के कई प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें मानद मंत्री विकास कुमार केशान, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता, भूतपूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, परामर्शदाता डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल, नॉर्थ जोन कोऑर्डिनेटर दिनेश कुमार अग्रवाल, नॉर्थ जोन केंद्रीय समिति सदस्य राजेश गोयल, साउथ जोन कोऑर्डिनेटर टी. सुनील कुमार, साउथ जोन कोऑर्डिनेटर सुनील केडिया, दुर्गा प्रसाद बंसल, बिकी सराफ, संजय अग्रवाल, दिनेश शबाजपुरिया, दिनेश कुमार केडिया, मुकेश केडिया, उमेश अग्रवाल, सतनारायण फोगला, अशोक जालान, संजय गोयल, अंकुर बंसल, नंदा अग्रवाल, पंकज मित्तल, धीरज गुप्ता, अशोक बंसल, राजेश बंसल, शिव भगवान अग्रवाल, हरिनारायण अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, नवनीत अग्रवाल, पवन डोकानिया, रिंकू गर्ग, सुशीला केडिया, कनक अग्रवाल, और प्रतिमा अग्रवाल शामिल थे।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव का यह शुभारंभ न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि समाज के सामाजिक योगदान और संगठनात्मक एकता को भी दर्शाता है। निम्स हॉस्पिटल के लिए बैटरी कार दान करने और प्रतिमा स्थापना जैसे प्रस्तावों ने समाज की सेवा भावना और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को उजागर किया। यह आयोजन महाराज अग्रसेन के 'एक ईंट, एक रुपया' जैसे समाजवादी सिद्धांतों को जीवंत करने का एक प्रयास है।

कार्यक्रम का समापन भक्ति, उत्साह और सामुदायिक एकता के साथ हुआ। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने इस अवसर पर महाराज अग्रसेन के आदर्शों को अपनाने और समाज को मजबूत करने का संकल्प दोहराया। यह आयोजन आगामी जयंती महोत्सव के लिए उत्साह और प्रेरणा का स्रोत बना, जो समाज के लिए एकता और सामाजिक कार्यों का प्रतीक है।

श्रीश्री 1008 सुरेंद्र महाराज जी का स्वागत

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीताफल मंडी में हाम्बड़ निवास पर, राजस्थान से पधारे श्री श्री 1008 सुरेंद्र महाराज जी मोहरा, रायपुर मारवाड़ का भव्य स्वागत किया गया। इस शुभ अवसर पर उन्हें सम्मान स्वरूप शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में सीरवी समाज कोरेमुला बडेर के संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, कोरेमुला बडेर के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी जिला मंत्री पाली कालुराम काग, हाम्बड़ के हिम्मताराम और समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज और श्रद्धालुजनों के बीच भक्तिशील भावना को बढ़ावा देना और महाराज जी का सम्मान करना था।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा अल्पहार सेवा की गई

सिकंदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद द्वारा आयोजित अल्पहार कार्यक्रम क्लॉक टॉवर के पास सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सेवा कार्य ने समुदाय के प्रति शाखा की सामाजिक प्रतिबद्धता को एक बार फिर प्रदर्शित किया।

शाखा मंत्री सुमन घोड़ेला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्यक्रम शाखा की अध्यक्षा शीतल जैन के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कुल 300 प्लेट इडली का वितरण जरूरतमंद लोगों के बीच किया गया। यह आयोजन शाखा की सदस्य उर्मिला ढल्ला के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में, साथ ही रेखा रांका और संजू सांखला के सहयोग से संपन्न हुआ।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत है। इस इडली वितरण कार्यक्रम के माध्यम से शाखा ने न केवल जरूरतमंद लोगों की सहायता की, बल्कि सामुदायिक एकता और परोपकार की भावना को भी प्रोत्साहित किया। इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और लोगों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा की सदस्यों-वंदना दुग्गड़, माया सेन, मोना वर्मा, ज्योति मखाना, और अंजू बाफना-का विशेष सहयोग रहा। इन सभी ने आयोजन की योजना और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिसके कारण यह कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सका।कार्यक्रम के समापन पर मीना दुग्गड़ ने सभी सहयोगियों, आयोजकों और उपस्थित लोगों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस सेवा कार्य को समाज के प्रति शाखा की निष्ठा का प्रतीक बताया और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।यह आयोजन मारवाड़ी युवा मंच - पर्ल महिला शाखा की सामाजिक जिम्मेदारी और समुदाय के प्रति उनके समर्पण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्रीकृष्ण कथा की घोषणा

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार को मोदी भवन, हुडा कॉलोनी, किशनबाग में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगामी श्रीकृष्ण कथा के आयोजन की घोषणा की गई। यह कथा 14 से 20 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन सायं 3:30 बजे से 7:00 बजे तक श्री चिन्ना अनंतगिरि शिवालयम्, पिल्लर नं. 143, अत्तापुर, हैदराबाद में आयोजित होगी। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक जागरण और सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन करना है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि श्रीकृष्ण कथा का शुभारंभ 14 सितंबर को प्रातः 9 बजे मंगल कलश यात्रा के साथ होगा। यह यात्रा श्री सीतारामांजनेया मंदिर (साईं बाबा मंदिर), पिल्लर नं. 122 से शुरू होगी। कथा का संचालन साध्वी आस्था भारती जी करेंगी, जो अपनी प्रेरक और आध्यात्मिक व्याख्या के लिए जानी जाती हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम का पोस्टर भी जारी किया गया, जो आयोजन की भव्यता और महत्व को दर्शाता है।इसके अतिरिक्त, कथा स्थल पर 22 सितंबर को रात्रि 8 बजे से 12 बजे तक माता की चौकी का आयोजन भी होगा, जो भक्तों के लिए एक विशेष आध्यात्मिक अनुभव होगा।दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के स्वामी प्रदीपानंद जी (शिष्य, श्री आशुतोष महाराज जी) ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह आयोजन समाज में आध्यात्मिक जागरण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का एक सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने श्रीकृष्ण कथा के माध्यम से भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। स्वामी जी ने जोर देकर कहा कि यह कथा न केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि समाज में एकता और नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करेगी।संस्थान की दक्षिण भारत संयोजिका सुश्री भावना भारती जी ने सभी धर्म प्रेमियों से अपने परिवार और मित्रों के साथ इस आयोजन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह कथा सभी के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता का स्रोत बनेगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमेंओम प्रकाश भाटी, गोपाल जाजू, लक्ष्मी कांत व्यास, मनीष अग्रवाल, सुरेश सूर्यवंशी, गणेश करवा, श्याम अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, सुनील भूत, बाबूलाल, रूपा राम कुमावत और सवर्ण व्यास शामिल थे। इन सभी ने आयोजन समिति को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया, जिससे इस आयोजन की सफलता के प्रति समुदाय का उत्साह और समर्पण स्पष्ट हुआ।यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। श्रीकृष्ण कथा और मंगल कलश यात्रा जैसे आयोजन समुदाय को एकजुट करने और भक्ति भाव को बढ़ाने में सहायक होंगे।

माता की चौकी का आयोजन भक्तों के लिए एक अतिरिक्त आध्यात्मिक अवसर प्रदान करेगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस का समापन आयोजन समिति और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के उत्साहपूर्ण सहयोग के साथ हुआ। यह आयोजन दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की समाज में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जागरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सभी धर्म प्रेमियों से आग्रह है कि वे इस श्रीकृष्ण कथा में अपने परिवार और मित्रों के साथ शामिल होकर इस आध्यात्मिक उत्सव का हिस्सा बनें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमिटी की पंचम बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की विवाह संबंधों के लिए गठित एकमात्र मैरिज डेटा कमिटी की पंचम बैठक रविवार को समाज कार्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह कमिटी समाज के युवाओं के लिए उपयुक्त विवाह संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और समुदाय के भीतर वैवाहिक एकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में सात अभिभावकों ने अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों के बायोडाटा कमिटी को सौंपे। कमिटी ने अभिभावकों के बीच परस्पर बातचीत का आयोजन भी किया, ताकि वे एक-दूसरे के परिवारों और उम्मीदों को समझ सकें। इस प्रक्रिया ने विवाह संबंधों को स्थापित करने में पारदर्शिता और सहयोग को बढ़ावा दिया।कमिटी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर समाज को सूचित किया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा केवल एक ही मैरिज डेटा कमिटी का गठन किया गया है, जिसे अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डेटा कमिटी के नाम से जाना जाता है। इस कमिटी के सदस्य हैं-

चेयरमैन: अजय कुमार अग्रवाल, कन्वीनर: सतीश अग्रवाल,

वाइस चेयरमैन: सुनील मित्तल, गोविंदराम, अशोक दादरीवाला, अशोक जिंदल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल।

यह कमिटी समाज के सभी सदस्यों के लिए एक विश्वसनीय मंच प्रदान करती है, जो विवाह योग्य युवाओं के लिए उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश में सहायता करता है।

कमिटी ने अग्रवाल समाज के सभी बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों के बायोडाटा कमिटी के सदस्यों को उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही, जिन अभिभावकों ने पहले अपने बच्चों के बायोडाटा जमा किए हैं, उनसे आग्रह किया गया है कि वे संभव हो तो अपने बच्चों के नवीनीकृत (अपडेटेड) बायोडाटा पुनः कमिटी को भेजें। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि कमिटी के पास नवीनतम जानकारी उपलब्ध रहे, जिससे उपयुक्त जोड़ों का चयन आसान हो सके।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमिटी का यह प्रयास समाज के भीतर वैवाहिक संबंधों को मजबूत करने और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कमिटी का उद्देश्य पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से विवाह संबंधों को स्थापित करना है, ताकि समाज के युवाओं को उनके मूल्यों और संस्कृति के अनुरूप जीवनसाथी मिल सके। इस तरह के प्रयास समाज की सामाजिक संरचना को सशक्त करने और अगली पीढ़ी को मजबूत आधार प्रदान करने में सहायक हैं।

पंचम बैठक का समापन कमिटी के सदस्यों और अभिभावकों के उत्साहपूर्ण सहयोग के साथ हुआ। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डेटा कमिटी ने समाज के सभी सदस्यों से इस नेक कार्य में सहयोग की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक परिवारों को इस मंच का लाभ मिल सके। यह आयोजन समाज के सामुदायिक मूल्यों और एकता को और सुदृढ़ करने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सदस्यता अभियान सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की एक महत्वपूर्ण सभा रविवार को श्री रानी सती दादी मंदिर, गांधी बाजार में समाज के परामर्शदाता बद्रीविशाल बंसल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस सभा में हैदराबाद के दक्षिणी क्षेत्र की ग्यारह शाखाओं के पदाधिकारियों और केंद्रीय समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभा का मुख्य उद्देश्य समाज के सदस्यता अभियान को गति देना और आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती से पहले निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना था।

सभा को संबोधित करते हुए बद्रीविशाल बंसल ने बताया कि अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने समाज में एक लाख सदस्यों को जोड़ने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी शाखाओं का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि महाराजा अग्रसेन जयंती से पहले कम से कम 20,000 नए सदस्य जोड़े जाने चाहिए। बंसल ने सभा में उपस्थित सभी सदस्यों के प्रश्नों का समाधान भी किया, जिससे अभियान को लेकर उत्साह और स्पष्टता बढ़ी।

सभा में उपस्थित सभी शाखाओं ने इस अभियान में पूर्ण सहयोग का वादा किया। सामूहिक चर्चा के बाद, शाखाओं ने महाराजा अग्रसेन जयंती से पहले 4,000 नए सदस्य जोड़ने का संकल्प लिया। यह संकल्प समाज की एकता और संगठनात्मक शक्ति को दर्शाता है। सभा का आयोजन अग्रवाल समाज घांसी बाजार शाखा के संयोजन में किया गया, और इसका संचालन शशि कांत अग्रवाल ने कुशलतापूर्वक किया।

इस अवसर पर चारमीनार, भूदेवी, रानी सती दादी, रानी सती दादी युवा, शालिबंडा, शालिबंडा महिला, शिवरामपल्ली, बहादुरपुरा, रिकाबगंज और अत्तापुर शाखाओं से कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

इनमें शिवशंकर अग्रवाल, गोविंदराम पंचारिया, योगेंद्र कटारुका, शिव भगवान अग्रवाल, कमल कुमार अग्रवाल, बबीता मित्तल, दीपक कुमार अग्रवाल, विनय अग्रवाल, विनय जैन, चित्रा अग्रवाल, रिंकू गर्ग, कविता गोयल, सुशीला अग्रवाल, कनक अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, हरिनारायण अग्रवाल, दिनेश श्रॉफ, राकेश अग्रवाल, राकेश पचेरीया, ललित कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, बजरंग लाल भालवाले, गौरव कुमार अग्रवाल, पवन कुमार डोकानिया, सुनील कुमार संघी, पूनम तुलसियान, तरुण कुमार तुलसियान, सविता अग्रवाल, और सज्जन अग्रवाल जैसे प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया।

यह सभा अग्रवाल समाज तेलंगाना के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई, क्योंकि इसने समाज के सदस्यों को एक मंच पर लाकर संगठन को मजबूत करने और सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान किया। सदस्यता अभियान के तहत निर्धारित लक्ष्य समाज के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को और सशक्त करने में मदद करेंगे।

सभा का समापन सभी शाखाओं के प्रतिनिधियों के उत्साहपूर्ण संकल्प और सामूहिक सहयोग के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल अग्रवाल समाज की सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को जीवित रखने की उनकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

फलोदी खीचन लोहावट प्रवासी जैन संघ का वार्षिक सम्मेलन 21 सितंबर को

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री फलोदी खीचन लोहावट प्रवासी जैन संघ का इस वर्ष का वार्षिक सम्मेलन 21 सितंबर को श्री त्रिभुवन पार्श्वनाथ मेडचल 72 जिनालय जैन तीर्थ में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए, संघ के सदस्यों ने मेडचल तीर्थ का दौरा किया।

संघ के सदस्य धर्मेंद्र झाबक, सुनील पारेख, विजय कोचर, कुशल पारेख और दीपेश बैद ने तीर्थ स्थल का दौरा कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। इस दौरान उन्होंने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

श्री फलोदी खीचन लोहावट जैन संघ ने सभी सदस्यों से अपील की गई है कि वे इस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। संघ का मानना है कि यह आयोजन सभी सदस्यों को एक साथ लाने और आपसी एकता को मजबूत करने का एक बेहतरीन अवसर है।

पार्षद राकेश जायसवाल ने हिंदी नगर गोशामहल में गणेश जी का आशीर्वाद लिया

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर, जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने गोशामहल के हिंदी नगर स्थित बाल गणेश फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में दर्शन किए और भगवान गणपति का आशीर्वाद लिया।

इस कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन के सदस्यों, जिनमें रघु, बबलू, रवि, विजयराज, हिमांशु, अमित, राजेंद्र, सुशांत, सिद्धांत, गौरव और अनिल शामिल हैं, ने बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ किया। कॉर्पोरेटर जायसवाल ने पंडाल में पूजा-अर्चना की और सभी भक्तों से मुलाकात कर उन्हें गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएँ दीं।

कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने बाल गणेश फ्रेंड्स एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन हमारी संस्कृति और एकता को मजबूत करते हैं। मैं सभी आयोजकों को इस शानदार व्यवस्था के लिए बधाई देता हूँ।इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और श्रद्धालु मौजूद थे। पंडाल में भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

जैन तपस्वियों की उत्कृष्ट साधना का सम्मान : मधुर गीत-संध्या और गौतम प्रसादी का आयोजन

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन धर्म के तपस्वियों ने अपनी कठिन तपस्या और समर्पण के माध्यम से समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। तपस्वी ललित बाफना ने 11 दिनों तक और नेहा चंदलिया तथा नीता बाफना ने 8 दिनों तक उपवास कर अपनी धार्मिक साधना पूरी की। इस असाधारण तप के समापन के उपलक्ष्य में 30 अगस्त को एक भव्य मधुर गीत-संध्या और गौतम प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन जैन समुदाय की धार्मिक निष्ठा, एकता और तप के प्रति समर्पण को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर रहा।

जैन धर्म में तप को आत्म-शुद्धि, संयम और आध्यात्मिक उत्थान का सर्वोच्च साधन माना जाता है। तपस्वी ललित बाफना ने 11 दिनों तक निरंतर उपवास कर असाधारण धैर्य और आत्मसंयम का परिचय दिया। वहीं, नेहा चंदलिया और नीता बाफना ने 8-8 दिनों तक उपवास कर अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और जैन धर्म के प्रति अपनी गहरी आस्था का प्रदर्शन किया। इन तपस्वियों ने अपनी साधना के माध्यम से न केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक विकास प्राप्त किया, बल्कि जैन धर्म के मूल सिद्धांतों-संयम, अहिंसा और तप-को जीवंत रखा। उनकी यह तपस्या समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी।

तपस्वियों की इस कठिन तपस्या के समापन के अवसर पर 30 अगस्त को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मधुर गीत-संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें जैन भक्ति भजनों और गीतों ने उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक आनंद में डुबो दिया। गीत-संध्या ने समुदाय के सदस्यों को एक मंच पर लाकर उनकी धार्मिक भावनाओं को और सशक्त किया। इसके साथ ही, गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया, जो जैन परंपरा में तपस्वियों के सम्मान और सामुदायिक एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर तपस्वियों से पारंपरिक रूप से 'सुख-साता' पूछी गई, जो उनकी तपस्या के दौरान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की पुष्टि करने की एक महत्वपूर्ण धार्मिक प्रक्रिया है।

कार्यक्रम में ललित बाफना, नेहा चंदलिया और नीता बाफना का कई परिवारों द्वारा और विशेष रूप से तातेड परिवार द्वारा बहुमान किया गया। इस सम्मान समारोह में तपस्वियों की साधना की प्रशंसा की गई और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। समुदाय के सदस्यों ने तपस्वियों के संयम, धैर्य और धार्मिक निष्ठा को प्रेरणादायी बताया। सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों ने तपस्वियों के साथ अपनी खुशी साझा की और उनकी तपस्या को जैन धर्म के मूल्यों का जीवंत उदाहरण माना। इस अवसर पर समुदाय ने तपस्वियों के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान को विभिन्न रूपों में व्यक्त किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 : एनआईआईएमएच ने खेल की भावना पर साइकिल रैली का आयोजन किया

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में, आयुष मंत्रालय और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशों के तहत आज राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इसी अवसर पर, आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच) ने खेल की भावना: स्वास्थ्य, एकता विषय के साथ एक साइकिल रैली का आयोजन किया।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान के सहायक निदेशक प्रभारी डॉ. जी. पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और युवाओं में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, तथा स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करना था।

यह रैली सुबह 8 बजे एनआईआईएमएच परिसर से हरी झंडी दिखाकर शुरू की गई। लगभग 50 छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने इस 2 किलोमीटर लंबी रैली में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान से राजस्व बोर्ड कॉलोनी पार्क होते हुए वापस संस्थान पर समाप्त हुई।

कार्यक्रम के अंत में, डॉ. जी. पी. प्रसाद ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कॉलोनी के सदस्यों, छात्रों, शिक्षकों और अन्य सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को स्क्रीन से दूर कर मैदान से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चूड़ी बाजार स्थित अकदंत फ्रेंड्स क्लब ने गौली बस्ती में एक गणेश पंडाल स्थापित किया। इस अवसर पर, क्लब के सदस्यों द्वारा भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कमल महाराज, पवन औसेकर, सुनील साहू, माणिक प्रभु, प्रसाद शेट्टी, गोपाल राव, अनिल कुमार, पवन कुमार सहित कई अन्य सदस्यों ने भाग लिया। क्लब ने बताया कि इस पंडाल के जरिए वे समाज में भाईचारे और सौहार्द को बढ़ावा देना चाहते हैं। यह कार्यक्रम गौली बस्ती और आस-पास के क्षेत्रों में भक्तों के लिए आस्था और सामुदायिक एकता का केंद्र बना।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेश की पूजा आयोजित, भक्तों ने लिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में रविवार को भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इच्छापूर्ति गणेश की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्देवा, माया अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया रेड्डी, पुष्पा गुप्ता, विजया दिया देवी, सुमन इन्नानी, राहुल सिंघल, अशोक लाखोटिया, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़ेगांव वाले), लक्ष्मीकांत इन्नानी, विजय कुमार (दिल्लीवाले), अशोक अग्रवाल, राजकुमार सुराणा, पी.सी. जैन, अमित शाह, अमित गुप्ता, राहुल जैन, दर्शन गुप्ता, गुरुमुख सिंह, सुमित अग्रवाल, पवन अग्रवाल और हेमंत शाह शामिल थे।सभी भक्तों ने मिलकर गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। पूजा के बाद सभी उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस भव्य आयोजन ने न केवल धार्मिक भावना को मजबूत किया, बल्कि लोगों को एक साथ आने और अपनी संस्कृति का जश्न मनाने का अवसर भी दिया।

छत्रीनाका में मित्र यूथ एसोसिएशन ने मनाया 58वां वार्षिक गणेश उत्सव, अन्नदान आयोजित

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्रीनाका के मित्र यूथ एसोसिएशन (एमवाईए) ने रविवार को अपने 58वें वार्षिक गणेश नवरात्रि उत्सव के अवसर पर भक्तिमय कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस शुभ मौके पर, रविवार को गणपति होमम पूजा, महा आरती और अन्न प्रसादम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

अन्न प्रसादम के लिए लगभग 800 लोगों ने भाग लिया, जिसमें सभी भक्तों को भोजन कराया गया। इस कार्यक्रम की व्यवस्था एमवाईए कमेटी के महासचिव एस.पी. क्रांति कुमार और सदस्यों ने मिलकर संभाली। इस दौरान, बी.वरुण कुमार, के.भारद्वाज, सी.रघु, बी.कोटेष, बी.नितिन चारी, टी.रविकिरण, बी.विघ्नेश्वर, एस.करण कुमार, बी.वेंकटेश, के.सरोज, सुधाकर, संतोष, बी.विनीत चारी, सुश्रित, बी.विनय, मधुसूदन और राहुल सहित अन्य सदस्यों ने सभी व्यवस्थाओं की देखरेख की।

कार्यक्रम के बाद, एमवाईए कमेटी के सदस्यों ने टी. रविकिरण को विशेष रूप से सम्मानित किया। रविकिरण ने अन्न प्रसादम में योगदान दिया था, जिसके लिए कमेटी ने उनका आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक भावना को मजबूत करता है, बल्कि सामाजिक सेवा और सामुदायिक एकता का भी संदेश देता है।

कोलोर चैंप 2025 : 570 बच्चों ने '2050 में मेरा शहर हैदराबाद' पर अपनी कल्पना को उड़ान दी

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज के दौर में जब बच्चों की दुनिया पर स्क्रीन हावी हो गई है, ऐसे में ड्राइंग को विशेषज्ञों ने सबसे अच्छा विकल्प बताया है। इसी को ध्यान में रखते हुए, ग्लोबल आर्ट एकेडमी ने शहर की सबसे बड़ी क्षेत्रीय-स्तर की कला प्रतियोगिता कोलोर चैंप 2025 का आयोजन किया। शमशाबाद के एसआर क्लासिक कन्वेंशन में हुए इस भव्य कार्यक्रम में 26 केंद्रों से आए 570 युवा कलाकारों ने अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का विषय था 2050 में मेरा शहर हैदराबाद। बच्चों को अपनी ट्रेनिंग के स्तर के आधार पर, भविष्य के अपने दृष्टिकोण को चित्रित करने के लिए 1 घंटे 45 मिनट से लेकर 2 घंटे 45 मिनट तक का समय दिया गया।

इस विषय ने बच्चों की कल्पनाओं को पंख दिए और उनके बनाए चित्रों में मासूमियत, हास्य और अनोखे विचार देखने को मिले। बच्चों ने मेट्रो ट्रेनों को पंखों के साथ स्कूलों की छतों पर उतरते हुए, और ऑटो-रिक्शा को पेट्रोल की बजाय पानी-पूरी के पानी से चलते हुए दिखाया।

कुछ अन्य दिलचस्प कल्पनाएं भी थीं, जैसे:-

-एक 8वीं कक्षा के छात्र रजनीश ने सोचा कि मेरे हैदराबाद में रोबोट पुलिसकर्मी ऊंटों पर सवार होंगे।

-11 साल की सोनी को लगा कि बिरयानी ड्रोन से सीधे आपके मुँह में पहुँचाई जाएगी।

-प्रीति ने कल्पना की कि नेकलैस रोड पर झील के चारों ओर असली हीरों का हार जगमगाएगा।

-एक अन्य बच्चे ने कल्पना की कि ट्रैफ़िक जाम खत्म हो जाएगा क्योंकि कारें मेंढकों की तरह कूदेंगी।

-सातवीं कक्षा की श्वेता ने सोचा कि हर बच्चे के पास एक रोबोट कुत्ता होगा जो उसे स्कूल ले जाएगा।

-9 साल के केतन ने अपने चित्र में चारमीनार को धूप का चश्मा पहने हुए दिखाया, क्योंकि 2050 में सूरज की रोशनी बहुत तेज होगी।

मुख्य अतिथि, श्रीमती शैलजा रेड्डी, जो एक शिक्षाविद् और मेरिडियन स्कूल, उप्पल की प्रिंसिपल हैं, ने ड्राइंग को स्क्रीन के लिए एक स्वस्थ विकल्प बताया। उन्होंने कहा, आज के समय में, हर माता-पिता अपने बच्चे का स्क्रीन टाइम कम करने के लिए संघर्ष करते हैं। ड्राइंग से ध्यान और एकाग्रता बढ़ती है। फ़िनलैंड जैसे देशों ने स्कूल के घंटों के दौरान स्मार्टफोन और टैबलेट पर प्रतिबंध लगा दिया है, और ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लगा दी है। भारत को भी इन मुद्दों को गंभीरता से लेना चाहिए।

इस कार्यक्रम के विशेष अतिथि दिनेश विक्टर, जो एसआईपी एकेडमी के मैनेजिंग डायरेक्टर और बच्चों के कौशल विकास के क्षेत्र में एक प्रमुख हस्ती हैं, ने दो मुख्य मुद्दों पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि रचनात्मक कलाओं में लगे बच्चों में समस्या-समाधान कौशल और भावनात्मक लचीलापन अधिक विकसित होता है।इसके साथ ही, उन्होंने सरकार से आफ्टर-स्कूल कौशल विकास कार्यक्रमों पर से जीएसटी हटाने का आग्रह किया। उन्होंने सवाल उठाया, माता-पिता को अबेकस, कला, नृत्य, संगीत, योग और भाषाओं जैसे आफ्टर-स्कूल कार्यक्रमों पर 18% जीएसटी क्यों देना पड़ता है? ये 'अतिरिक्त' नहीं, बल्कि भविष्य के लिए 'आवश्यक' कौशल हैं।

जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ, तब स्कूल और कॉलेज की शिक्षा को कर-मुक्त रखा गया था। यही तर्क यहाँ भी लागू होना चाहिए।

दिनेश विक्टर ने तर्क दिया कि आज आफ्टर-स्कूल सीखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना 1950 के दशक में औपचारिक शिक्षा थी। इस पर कर लगाने से मध्यम और निम्न-आय वर्ग के परिवारों पर बोझ पड़ता है और कई बच्चों को जीवन कौशल सीखने का मौका नहीं मिल पाता।

उन्होंने कहा, बच्चों के कौशल में निवेश करना भारत के भविष्य में निवेश करना है। जीएसटी को 0% या कम से कम काफी कम किया जाना चाहिए, ताकि ये अवसर हर माता-पिता के लिए किफायती बन सकें।

कोलोर चैंप सिर्फ एक कला प्रतियोगिता नहीं था, बल्कि यह बच्चों में रचनात्मकता, कल्पना और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने का एक मंच था। स्क्रीन के प्रभुत्व वाले इस युग में, इस आयोजन ने क्रेयॉन, पेंट और कच्ची रचनात्मकता के जादू को फिर से उजागर किया। क्षेत्रीय विजेता अक्टूबर में चेन्नई में होने वाली राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

लाल दरवाजा के राजा के दरबार में परिवारों का मिलन, जयकारों से गूंजा पंडाल

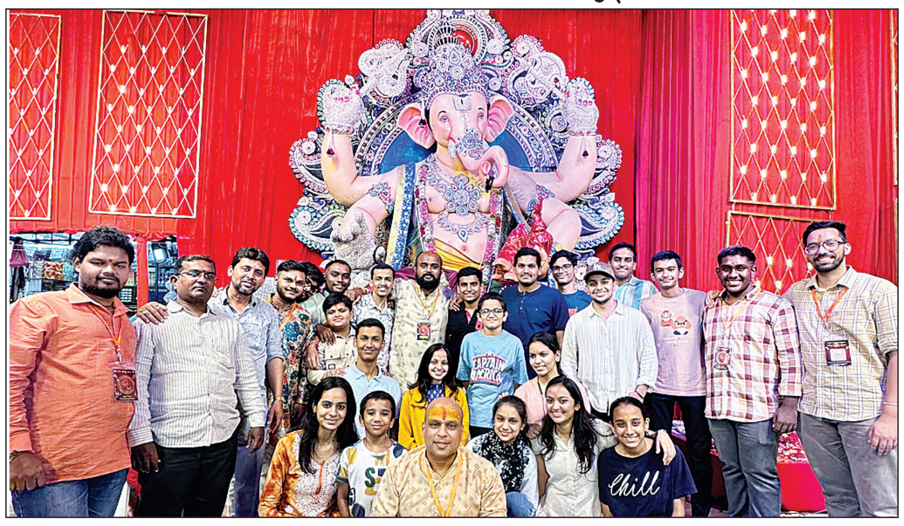

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेश उत्सव की धूम पूरे देश में छाई हुई है, और हैदराबाद का प्रसिद्ध लाल दरवाजा का राजा पंडाल भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस पंडाल में एक अनोखा और दिल को छू लेने वाला दृश्य देखने को मिला, जब बंग परिवार, मारू परिवार, अट्टल परिवार, करवा परिवार और सारदा परिवार के भाई-बहनों ने एक साथ दर्शन करने पहुँचे।

पूरा पंडाल इन परिवारों के उत्साह और भक्ति से गूंज उठा, जब सबने मिलकर जोर-शोर से 'गणपति बप्पा मोरया' के नारे लगाए। इस दौरान उन्होंने भगवान गणेश के अद्भुत दर्शन किए और सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की।

यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि इसने पारिवारिक एकता और भाईचारे की भी एक खूबसूरत मिसाल पेश की। स्क्रीन और भागदौड़ भरी जिंदगी के इस दौर में, एक साथ मिलकर त्योहार मनाने और अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का यह संदेश कई लोगों को प्रेरित करेगा।

सीताराम बाग़ में श्री गणेश वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा गणेश जी की पूजा

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीतारामबाग़ में श्री गणेश वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा गणेश जी की पूजा एवं आराधना का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर एन. संतोष कुमार, श्याम अन्ना, अनिल बजाज, पंकज वर्मा, सोनाली वर्मा सहित अनेक भक्तगण पूजा-अर्चना में सम्मिलित हुए। गणेश जी की मूर्ति की स्थापना के साथ ही भक्तों ने उनका अभिषेक, पूजन और आरती कर मंगलकामनाएँ कीं। यह कार्यक्रम श्रद्धालुओं के बीच उत्साह और भक्ति का माहौल लेकर आया।

एन.आर. लक्ष्मण राव ने गौलीगुड़ा में गणेश जी का आशीर्वाद लिया

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना बजरंग सेना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने गौलीगुड़ा के दत्तन्ना गली में स्थित चैतन्य नवयुवक मंडल के पंडाल में भगवान गणेश के दर्शन किए।इस शुभ अवसर पर, मंडल के सदस्यों, खासकर बंडारू परिवार ने, उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। श्री राव ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और सभी भक्तों से मुलाकात की।उन्होंने कामना करते हुए कहा कि भगवान गणेश का आशीर्वाद सभी के जीवन में समृद्धि, शक्ति और सद्भाव लाए। इस दौरान पंडाल में मौजूद भक्तों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

चूड़ी बाजार के गौली बस्ती में भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर, चूड़ी बाज़ार की गौली बस्ती में स्थापित एकदंत यूथ एसोसिएशन फ्रेंड्स के गणेश पंडाल में रविवार को भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।इस अवसर पर, पंडाल समिति के सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने श्री सोनी को शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान, रतन भाई, टी. राजा, बब्बू भाई और अन्य सदस्य मौजूद थे। उन्होंने श्री सोनी के साथ मिलकर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और पंडाल की व्यवस्थाओं पर चर्चा की।मुकेश कुमार सोनी ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति को जीवंत रखते हैं और समाज में एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएँ दीं।

चेन्नूर एसबीआई बैंक में 12.61 करोड़ का घोटाला

मुख्य आरोपी कैशियर रविंदर सहित 44 गिरफ्तार

रामगुंडम/चेन्नूर, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर नगर के पुराने बस स्टैंड इलाके में स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) शाखा में हुए 12.61 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा पुलिस जांच के बाद हुआ। रविवार को रामगुंडम पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने इस मामले की विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस ने इस मामले में 15.237 किलोग्राम सोने के आभूषण और 1,61,730 रुपये नकदी बरामद की है। साथ ही, 44 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें तीन बैंक कर्मचारी भी शामिल हैं। मुख्य आरोपी नरिगे रविंदर, जो बैंक का कैशियर है, ने शाखा प्रबंधक वेन्नापुरेड्डी मनोहर और आउटसोर्सिंग कर्मचारी लक्काकुला संदीप के साथ मिलकर इस घोटाले को अंजाम दिया।

23 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे, एसबीआई चेन्नूर के क्षेत्रीय प्रबंधक रितेश कुमार गुप्ता ने चेन्नूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। शिकायत में बताया गया कि 12.61 करोड़ मूल्य के 25.17 किलोग्राम सोने के आभूषण और 1,00,000 रुपये नकद की हेराफेरी हुई। इसके अलावा, 402 स्वर्ण ऋण खातों में 1.10 करोड़ रुपये की चोरी और अनियमितता पाई गई।

पुलिस आयुक्त ने तुरंत चार विशेष जांच टीमों का गठन किया, जिनकी निगरानी मंचेरियाल डीसीपी ए. भास्कर (आईपीएस) और जयपुर एसीपी ए. वेंकटेश्वर ने की। जांच में तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए गए और कैशियर नरिगे रविंदर के खातों का ऑडिट किया गया, जिसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

पूछताछ में रविंदर ने स्वीकार किया कि उसने अक्टूबर 2024 से पहले ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी में 40 लाख रुपये गंवाए थे। अपने नुकसान की भरपाई और सट्टेबाजी जारी रखने के लिए, उसने शाखा प्रबंधक और आउटसोर्सिंग कर्मचारी के साथ मिलकर बैंक को धोखा देने की योजना बनाई। करेंसी चेस्ट के ताले, जो मैनेजर और कैशियर के संयुक्त कब्जे में थे, मैनेजर ने रविंदर को सौंप दिए। इसका फायदा उठाकर रविंदर ने सोना और नकदी चुराना शुरू किया।रविंदर चेस्ट से सोना निकालकर अपने दोस्तों-कोंगोंडी बीरिया (एसबीएफसी मंचेरियाल सेल्स मैनेजर), कोडाथी राजशेखर और बोल्ली किशन (एसबीएफसी मंचेरियल सेल्स ऑफिसर)- को देता था। ये लोग निजी गोल्ड फाइनेंस कंपनियों, जैसे एसबीएफसी, इंडेल मनी, मुथूट फाइनेंस, गोदावरी अर्बन, मणप्पुरम, मुथूट फिनकॉर्प, और मुथूट मिनी, से सोना गिरवी रखकर कर्ज लेते थे। कर्ज की राशि उनके खातों में जमा होती, जिसमें से वे कमीशन रखकर बाकी रकम रविंदर को भेज देते।आरोपियों ने 10 निजी गोल्ड फाइनेंस कंपनियों से 44 लोगों के नाम पर 142 गोल्ड लोन लिए। इसके अलावा, रविंदर ने अपने परिवार (पत्नी और बेटी) और दोस्तों के नाम पर 42 फर्जी गोल्ड लोन स्वीकृत किए, जिनमें 4.14 किलोग्राम सोना जमानत के तौर पर दिखाया गया, जबकि वास्तव में कोई सोना नहीं था। इस तरह 1.58 करोड़ की हेराफेरी की गई। कुल मिलाकर, 21 किलोग्राम सोने का नुकसान हुआ। रविंदर ने एटीएम में पैसे भरते समय भी नकदी चुराई।जांच में 15.23 किलोग्राम सोना एसबीएफसी, इंडेल मनी, गोदावरी अर्बन, मुथूट मिनी, और आईआईएफएल से बरामद किया गया। शेष सोना मुथूट फाइनेंस लिमिटेड, मणप्पुरम मंचेरियाल, मुथूट फिनकॉर्प, और मुथूट मिनी चेन्नूर से जब्त किया जाना है। पुलिस इन कंपनियों के प्रबंधकों की भूमिका की भी जांच कर रही है।इस मामले को सुलझाने में मंचेरियाल डीसीपी ए. भास्कर, जयपुर एसीपी ए. वेंकटेश्वर, चेन्नूर इंस्पेक्टर देवेंद्र राव, चेन्नूर ग्रामीण सीआई आर. बंसीलाल, श्रीरामपुर सीआई डी. वेणुचंदर, मंचेरियाल ग्रामीण सीआई ए. अशोक, डब्ल्यूपीएस इंस्पेक्टर ए. नरेश कुमार, सीसीएस इंस्पेक्टर बाबूराव, एसआई पी. सुब्बाराव, श्रीधर, राजेंद्र, श्वेता, संतोष, लक्ष्मी प्रसन्ना, कोटेश्वर, उपेंद्र राव, चंद्रशेखर, रवि, हेड कांस्टेबल शंकर, रवि, और कांस्टेबल रमेश, प्रताप, तिरूपति, और लिंगमूर्ति ने विशेष योगदान दिया। पुलिस आयुक्त ने उनकी सराहना की और बधाई दी।

मस्त मित्रों की मंडली ने महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारियों का अभिनंदन किया

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोकापेट स्थित होटल इशिता में रविवार को मस्त मित्रों की मंडली' की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर, महावीर इंटरनेशनल के चेयरमैन विनोद संचेति और अजय नाहटा का मंडली के सदस्यों द्वारा अभिनंदन किया गया।

मंडली के सदस्यों विजय गादिया, अनिल बोहरा, सुनील बलई, अरुण खिवसरा, राजेश नाहटा, संजय किचेता और अजय धारीवाल ने दोनों पदाधिकारियों को सम्मानित किया। यह बैठक सामाजिक और धार्मिक कार्यों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें सभी ने मिलकर भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

श्रीमद् भागवत कथा : गिरिराज उत्सव और राधाष्टमी का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शमशाबाद स्थित एस.एस. कन्वेंशन में शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज और ओम शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल द्वारा आयोजित श्री गिरधरलाल जी कृपा उत्सव के अंतर्गत गौ सेवार्थ समर्पित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन रविवार को राधाष्टमी और गिरिराज उत्सव का भव्य उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कथा वाचक पंडित इंद्रेश जी उपाध्याय ने राधाष्टमी और गिरिराज उत्सव के महत्व को विस्तार से समझाया और भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के प्रति भक्ति भाव में डुबो दिया।

पंडित इंद्रेश जी उपाध्याय ने अपने कथा प्रवचन में कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से ठाकुर जी की परम कृपा प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि ब्रजवासियों के लिए कृष्ण जन्माष्टमी, राधाष्टमी, गोवर्धन पूजा, और होली सबसे प्रिय उत्सव हैं। ये चार उत्सव ब्रज की निधि हैं, जिन्हें ब्रजवासी अपने धाम में रहकर पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं। हम अपनी लाडली जी (राधा रानी) और अपने लाला जी (श्रीकृष्ण) के पास रहें, यही ब्रजवासियों की भावना होती है। इन उत्सवों को ब्रज के समान कहीं और मनाना संभव नहीं है, उन्होंने कहा।

उन्होंने राधाष्टमी को आनंद सिंधु की एक बिंदु बताया, जिसका महत्व हजारों वर्षों बाद भी भक्तों को आनंदित करता है। राधा रानी की भक्ति और श्रीकृष्ण के साथ उनकी नित्य लीला को विस्तार से समझाते हुए उन्होंने कहा कि राधाष्टमी का यह पावन दिन भक्तों के लिए प्रेम, भक्ति और समर्पण का प्रतीक है।

गिरिराज उत्सव के महत्व को स्पष्ट करते हुए इंद्रेश जी ने श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठिका पर उठाया था, जिसके कारण उन्हें 'गिरधर' नाम से जाना जाता है। गोवर्धन पर्वत, जिसे भक्तजन गिरिराज जी भी कहते हैं, श्रीकृष्ण का ही स्वरूप माना जाता है। इस पर्वत की परिक्रमा और पूजा से भक्तों को श्रीकृष्ण और राधा रानी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इस अवसर पर माँ वैष्णो देवी मंदिर के स्वामी श्री पारस पुजारी जी और जयपुर की सुप्रसिद्ध भजन गायिका उमा लहरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उमा लहरी ने अपनी मधुर भजनों से भक्तों को भक्ति रस में सराबोर किया। कथा यजमानों और सहयोगियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी भव्य बना दिया।

प्रमुख यजमानों में रोशनलाल राजेश कुमार अग्रवाल, श्याम सुंदर रामेश्वर डालिया, माणकचंद नरेश कुमार नालपुरिया, घीसाराम जगदीश प्रसाद अग्रवाल, ताराचंद शैलेश सोनी, भंडारा सहयोगी प्रभुदयाल पंच परिवार (टीबा बसई वाले), मोहनलाल सुशील कुमार अग्रवाल, भरत भूषण राहुल अग्रवाल, गुलाबचंद बैजनाथ सिग्नोड़िया, गजानंद सुरेश कुमार नालपुरिया, गुलाबचंद वासुदेव पोद्दार, जयनारायण शीतल पांडेय, रमेशचंद अग्रवाल, मिल्लुराम रमेशचंद पोद्दार, राजेश अग्रवाल, बनवारीलाल विजय कुमार, परसराम सिंघानिया, हनुमान प्रसाद बाबूलाल सिंघानिया, शिवप्रकाश बंसल, जतिन बंसल, नितिन बंसल, श्री भवानी ज्वेलर्स, पुरुषोत्तम भगेरिया, विकास अग्रवाल, संतोष नरेड़ी, रतन केड़िया, रोहित केड़िया, मनोहरलाल राकेश अग्रवाल नालपुरिया, विष्णु दयाल हितेश गुप्ता, रितेश संघी, गोपाल अग्रवाल, बद्रीप्रसाद ज्योति प्रसाद, नाथूलाल सत्यनारायण, रविन्द्र कुमार अग्रवाल, जय जैन, बृजमोहन संतोष कुमार चौखानी, महेश अग्रवाल, मातादीन सुरेश कुमार गोयल, प्रभातीलाल मुसद्दीलाल, मुन्नालाल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, घीसालाल गोवर्धनदास तापड़िया, डालचंद लक्ष्मीप्रसाद सूरज प्रसाद डोकानिया, नागनाथ राजेश माशेट्टे, चन्द्रमोहन पंकज अग्रवाल, और महावीर प्रसाद सतीश अग्रवाल शामिल थे। इन सभी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

यह श्रीमद् भागवत कथा पूर्णतया गौ सेवार्थ समर्पित थी, जो आयोजन की विशेषता रही। शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज और ओम शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कथा ने गौ माता की सेवा और संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। कथा के माध्यम से भक्तों को गौ सेवा के प्रति जागरूक किया गया और सामाजिक कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी गई।

राधाष्टमी और गिरिराज उत्सव के इस पावन अवसर पर कथा स्थल भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। पंडित इंद्रेश जी उपाध्याय के प्रेरक प्रवचनों, उमा लहरी के भजनों, और यजमानों के सहयोग से यह आयोजन अविस्मरणीय बन गया। यह उत्सव न केवल भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के प्रति भक्ति को बढ़ावा देता है, बल्कि ब्रज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी जीवंत रखता है।

भक्तों ने इस आयोजन में भाग लेकर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की और गौ सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.